जबलपुर
रविवार, 8 जून 2025
- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-12
- वर्ष : 20, अंक : 39
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 37
न्यून. 28

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

आईजीएमसी शिमला में भर्ती

सोनिया गांधी की फिर तबीयत बिगड़ी

शिमला। छुट्टियां मनाने के लिए शिमला पहुंचीं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें आईजीएमसी शिमला ले जाया गया। जहां उन्हें स्पेशल वार्ड में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों ने यहां उनका ईसीजी व एमआरआई किया। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना भी आईजीएमसी पहुंचे हैं। बता दें, सोनिया गांधी बीते सोमवार को छुट्टियां मनाने शिमला पहुंच थीं। वह अपनी बेटी एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के छराबड़ा स्थित घर में ठहरी हैं।

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया 113 करोड़ रुपए के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण, भूमि-पूजन

मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने के बाद सीहोर भी विकास के 'नए दौर' में प्रवेश करेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यदि किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल जाए तो उनकी फसल सोना हो जाती है। सीहोर जिले के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने के बाद भोपाल एवं अन्य क्षेत्रों के साथ ही सीहोर जिला भी विकास के नए दौर में प्रवेश करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर में आयोजित कार्यक्रम में 113 करोड़ 45 लाख 59 हजार रुपए के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन किया।

सीहोर नगरपालिका के विकास के लिए 50 करोड़ रुपए देने के साथ ही अनेक घोषणाएं की

सभी पात्र हितग्राहियों को आवास मिल सकेगा: शिवराज

चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी के पत्र का वाचन करते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की 2018 की आवास प्लस सूची के तहत बचे हुए 7 लाख 85 हजार 356 मकानों के निर्माण की स्वीकृति दे दी है, जिनकी लागत राशि 9 हजार 424 करोड़ 3 लाख रुपए है। सभी पात्र हितग्राहियों को आवास मिल सके, इसके लिए प्रदेश में सर्वे किया जा रहा है।

देश व फिलिस्तीन के लिए दुआ

भोपाल। राजधानी भोपाल में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर हजारों मुसलमानों ने नमाज अता कर मुल्क और फिलिस्तीन के लिए दुआ की। ईदगाह में शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी, ताजुल मसाजिद में मौलाना हस्सान ने नमाज पढ़ाई। नमाज के दौरान मुल्क की सलामती, इंसाफ के कयाम और बीमारों की शिफा, फिलिस्तीनी भाइयों की हिफाजत, उनकी भूख-प्यास और हालात को लेकर दुआ मांगी गई।

खबर संक्षेप

भैंस से लदा ट्रक पकड़ा मंडीदीप में बवाल

मंडीदीप। बीती रात उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब गल्ला मंडी के सामने नेशनल हाईवे पर भैंसों से भरे एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। ट्रक में बड़ी संख्या में भैंसें भरी होने की जानकारी सामने आने के बाद मौके पर विवाद गहरा गया। सूचना मिलते ही एसडीओपी शीला सुराणा और मंडीदीप व सतलापुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। देर रात दोनों पक्षों के लोग नारेबाजी करते रहे। स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

10 साल के बच्चे को डंपर ने रौंदा, चक्काजाम

भिंड। अकलौनी गांव का रहने वाला रुपेंद्र भदौरिया (10) अपने ताऊ मयंक और उनके बेटे शौर्य के साथ बाइक से अपने गांव जा रहे थे। दबोहा के पास मेंटेनेंस के लिए सड़क खोदी गई थी। जब बाइक से हाईवे पर निकले तो बाइक अन बैलेंस होकर गिर गई। तीनों सड़क पर जा गिरे। डंपर की चपेट में आ गए और रुपेंद्र की मौत हो गई। लोगों ने टोल प्लाजा कंपनी को हादसे का जिम्मेदार बताया और हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर बरोही पुलिस पहुंची। परिजन को समझाइश दी। करीब ढाई घंटे बाद परिजन मुआवजे और कार्रवाई के आश्वासन पर माने और चक्काजाम खत्म किया।

अच्छी खबर : भारत के विकास पर वर्ल्ड बैंक की मुहर, 11 साल में गरीबों की संख्या घटी

राहत: भारत में 26.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से निकले बाहर

27 से घटकर 5.3 फीसदी हुई गरीबी की दर

गरीबी रेखा का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन (2021 की कीमतों पर) के अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व बैंक की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 11 वर्षों में अत्यधिक गरीबी को कम करने में जबरदस्त प्रगति की है। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1% थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3% रह गई है। इसका मतलब है कि इस दौरान लगभग 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय गरीबी से बाहर निकल पाएं हैं।

2011-12 में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई।

2011-12 में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई

- इस बदलाव में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की बड़ी भूमिका रही
- 2011-12 में इन पांच राज्यों में देश के 65% अत्यधिक गरीब रहते थे अब इन राज्यों ने गरीबी में कमी के दो-तिहाई हिस्से में योगदान दिया

सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई योजनाओं का परिणाम : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई योजनाओं का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला।

ग्रामीण और शहरी इलाकों दोनों में गरीबी तेजी से कम हुई

इस बदलाव में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की बड़ी भूमिका रही है। 2011-12 में इन पांच राज्यों में देश के 65% अत्यधिक गरीब रहते थे। अब इन राज्यों ने गरीबी में कमी के दो-तिहाई हिस्से में योगदान दिया है। अगर पुराने मानक, यानी 2.15 डॉलर प्रतिदिन (2017 की कीमतों पर) की गरीबी रेखा से तुलना करें, तो 2011-12 में भारत की अत्यधिक गरीबी दर 16.2% थी, जो 2022 में घटकर सिर्फ 2.3% रह गई। इस आधार पर 2011 में 205.93 मिलियन (20.5 करोड़) लोग इस सीमा से नीचे थे, जबकि 2022 में यह संख्या घटकर 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई। वहीं ग्रामीण और शहरी इलाकों दोनों में गरीबी तेजी से कम हुई है। ग्रामीण भारत में अत्यधिक गरीबी दर 18.4% से घटकर 2.8% हो गई, और शहरी क्षेत्रों में यह 10.7% से घटकर सिर्फ 1.1% रह गई है। भारत ने बहुआयामी गरीबी के क्षेत्र में भी बड़ा सुधार किया है।

भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम

पीएम आवास योजना से लोगों को घर मिले, उज्ज्वला योजना से स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन, जन धन योजना से बैंक खाते, और आयुष्मान भारत से मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। इसके अलावा, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), डिजिटल सेवाओं और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया।

रोजगार में हुई वृद्धि

रोजगार वृद्धि में सकारात्मक रुझान देखे गए हैं विशेषकर 2021-22 के बाद से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जैसा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है। 2021-22 से रोजगार वृद्धि ने कामकाजी वर्ग की आबादी को पीछे छोड़ दिया है, खासकर महिलाओं के बीच रोजगार दरों में वृद्धि हुई है।

टॉयलेट में जन्म देने के बाद भागी मां

महू के मध्य भारत अस्पताल में नवजात को कुत्ते खा गए

मां...मेरा क्या कसूर था?

शव का आधा हिस्सा ही मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महू

यहां के मध्य भारत अस्पताल के शौचालय में एक नवजात का क्षत-विक्षत शव मिला है। शरीर का आधा हिस्सा कुत्ते खा गए। मरीजों के परिजन सुबह शौचालय में पहुंचे, तब उन्हें शव दिखा। कोतवाली थाना प्रभारी राहुल शर्मा ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात करीब ढाई बजे की है। एक युवती ने अस्पताल के शौचालय में बच्ची को जन्म दिया और उसे वहीं छोड़कर चली गई।

ऑपरेशन के दौरान 9 माह की गर्भवती की बिगड़ी थी हालत

कोरोना संक्रमित महिला की मौत, प्रदेश में मामले हुए 53

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में कोरोना संक्रमण से दूसरी मौत की खबर सामने आई है। यह घटना खरगोन जिले की 45 वर्षीय महिला के साथ हुई, जो इंदौर के एक अस्पताल में भर्ती थी। महिला 9 महीने की गर्भवती थी और उसकी डिलीवरी के दौरान सांस लेने में तकलीफ के चलते मौत हुई। सिजेरियन डिलीवरी के ऑपरेशन के दौरान महिला को अचानक दौरे पड़ने लगे। उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए, उसे तुरंत सांस लेने में मदद देने वाली मशीन (इंट्यूबेशन) पर रखा गया। जब उसकी कोरोना आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट आई, तो वह पॉजिटिव पाई गई। वर्तमान में, प्रदेश में कोरोना के 3 नए मामले दर्ज किए जाने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 53 हो गई है। वहीं, प्रदेश में सक्रिय मामलों (एक्टिव केस) की संख्या अब 32 है। इससे पहले, प्रदेश में कोरोना से पहली मौत का मामला 21 अप्रैल को इंदौर में ही सामने आया था। उस समय, कोविड संक्रमण के दो नए मामले मिले थे, जिनमें एक युवक और एक बुजुर्ग महिला शामिल थीं।

- एक्टिव केस की संख्या अब 32

ग्वालियर में मिले दो और पॉजिटिव

शुक्रवार को गजराराजा मेडिकल कालेज की वायरोलाजी लैब में कोरोना संदिग्ध नौ लोगों के सैंपल की जांच की गई। इनमें से दो की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। पाजिटिव मरीज में एक जूनियर डॉक्टर और एक युवती शामिल हैं। दोनों की उम्र 25 वर्ष है।

बिजली कर्मचारी को लगा करंट, उल्टा लटका, मौत

रायसेन। बिजली कर्मचारी की लाइन सुधारते समय करंट लगने से मौत हो गई मृतक डीपी के पास खंबे पर उल्टा लटका रहा। घटना जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम भीष्टि में शनिवार सुबह करीब 10 बजे की है। मृतक की पहचान नीलेश धाकड़ (36) के रूप में हुई है। वह ग्राम बेरखेड़ी का रहने वाला था। वहीं दूसरी तरफ छतरपुर के सागर-कानपुर नेशनल हाईवे पर स्थित ललोनी तिराहे के पास शनिवार को एक हादसा हुआ। कृष्णा कॉलोनी निवासी दुर्जन प्रजापति (30) की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। दुर्जन अपने साथी गनेश के साथ मामा की बेटी की शादी के मंडप के लिए जामुन के पेड़ पर पत्ते तोड़ रहा था। तभी यह हादसा हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोनम के भाई से फोन पर की बात

सीबीआई को सौंपा जा सकता है लापता दंपती का केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

हनीमून पर इंदौर से मेघालय के शिलांग गए नवविवाहित जोड़े के लापता होने का केस सीबीआई को दिया जा सकता है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने शिलांग में मौजूद सोनम के भाई गोविंद से फोन पर बात की और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। रघुवंशी समाज का प्रतिनिधिमंडल शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात करने के लिए पहुंचा था। मुलाकात के दौरान इस केस को सीबीआई को सौंपने को लेकर भी बात हुई।

सबसे गर्म गुना और खजुराहो में पारा 42.2 डिग्री रहा

बारिश से पहले चलेगी लू, भोपाल 41 डिग्री के ऊपर तपेगा, 11 से फिर बारिश का दौर

प्रदेश के उत्तर पूर्वी हिस्सों के कुछ जिलों में 9 से 10 तारीख के बीच रहेगा लू का असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के अधिकांश जिलों में 11 जून से बारिश का दौर फिर लौटेगा। इससे पहले तीन दिन तापमान में तेजी से बढ़त होगी। प्रदेश के उत्तर पूर्वी हिस्सों के कुछ जिलों में लू का असर भी होने की उम्मीद है। इनमें प्रमुख रूप से खजुराहो, छतरपुर, नौगांव, टीकमगढ़, निवाड़ी, पन्ना आदि जिले शामिल हैं।

रात के तापमान में भी औसतन दो डिग्री तक बढ़त होगी। भोपाल में भी गर्मी का पारा एक से 2 डिग्री तक और बढ़कर 41 डिग्री को पार कर सकता है। अभी उत्तर पूर्वी मध्य प्रदेश में सकुर्लेशन और आसपास के सिस्टम से कुछ नमी आने से प्रदेश के कुछ जिलों में आंधी और हल्की बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। शनिवार को भोपाल में इस जून का सबसे गर्म दिन रहा। पारा 1.5 डिग्री बढ़कर 39.8 डिग्री रहा। जो नॉर्मल से दशमलव 7 डिग्री कम है। प्रदेशभर में दिन का पारा औसतन डेढ़ डिग्री तक बढ़कर औसत अधिकतम पारा 39 डिग्री को पार कर गया। हालांकि, यह अभी सामान्य से औसतन डेढ़ डिग्री कम रहा है। सबसे गर्म गुना और खजुराहो में पारा 42.2 डिग्री रहा। मौसम केंद्र के अनुसार अभी तापमान में बढ़त होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अगले दो से तीन दिन गर्मी का पारा बढ़ेगा। कुछ जिलों में लू भी चल सकती है। विशेषकर उत्तर पूर्वी मप्र के हिस्सों में तापमान में ज्यादा बढ़त होगी। भोपाल में भी एक से दो डिग्री तक तापमान और बढ़ेगा।

शेष जिलों में औसत तापमान ही बढ़ेगा भोपाल में इस जून का सबसे गर्म दिन

11 जून से अधिकांश जिलों में बारिश

शुक्ला के अनुसार खाड़ी में भी सिस्टम की गतिविधियां बढ़ रही हैं। आगामी दिनों में तीन से चार दिन प्रदेश में लगातार बारिश में बढ़त की उम्मीद है। इससे तापमान में फिर से तेजी से कमी आएगी। रविवार तक नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, अनुपपुर, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा के साथ ही भोपाल, विदिशा, रायसेन आदि जिलों में कहीं कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें और तेज हवाओं का असर रह सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा- आतंकवाद और एआई पर मिलकर करना होगा काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की बैठक में आयोजित की गई थी जिसमें भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया। फोरम के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में इस आयोजन की सफलता और सार्थकता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले देश की संसद, सरकार और जनता के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान ब्रिक्स देशों के संसदों के बीच सहयोग बढ़ाने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार उपयोग, और आर्थिक मामलों पर मिलकर काम करने के मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की बैठक में आर्थिक समावेशन, व्यापार विस्तार और आपसी आर्थिक सहयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई

एआई के इस्तेमाल में जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी

ब्रिक्स देश आपसी व्यापार विस्तार और आर्थिक सहयोग करेंगे

ब्रिक्स संसदीय फोरम का हुआ समापन

लोकसभा अध्यक्ष ने बताया कि सम्मेलन में यह भी स्वीकार किया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग आधुनिक समय की जरूरत है, लेकिन इसके इस्तेमाल में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। ब्रिक्स देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने की सहमति दी। इस बीच आर्थिक समावेशन, व्यापार विस्तार और आपसी आर्थिक सहयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। भारत ने सम्मेलन में विधि के शासन, वैश्विक सहयोग और संवाद को हमेशा प्राथमिकता देने की बात दोहराई।

अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा

लोकसभा अध्यक्ष ने जानकारी दी कि अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा और भारत उसकी सफल और सार्थक मेजबानी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले सम्मेलन का एजेंडा तैयार करेगा जिसमें एआई, व्यापार, समाज और आर्थिक मुद्दों पर गहन संवाद शामिल होगा। उन्होंने सभी ब्रिक्स देशों की संसदों के स्पीकर्स और प्रेसिडेंट्स को शुभकामनाएं दीं और कहा कि संसदीय संवाद, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान रक्षा के जरिए हम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में चीन सहित कई मुस्लिम देश भी भारत के समर्थन में

पाक को बड़ा झटका

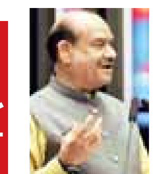

ब्रिक्स संसदीय मंच ने भारत के जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। इसे भारत, ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, रूस, ईरान, यूएई, इथियोपिया, इंडोनेशिया और इजिप्ट समेत 10 सदस्यीय देशों ने स्वीकार किया है। पाकिस्तान के लिए यह बड़ा झटका है, क्योंकि उससे सबसे करीबी दोस्त चीन ही नहीं कई मुसलमान देशों ने भी अपनी एकजुटता का समर्थन भारत को दिया है।

ओम बिरला ने उठाया भारत का पक्ष, सबने दी सहमति

बिरला ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है, जिसे केवल आपसी सहयोग और साझा इच्छाशक्ति से ही खत्म किया जा सकता है। उन्होंने चार ठोस कदमों की वकालत की आतंकी संगठनों की आर्थिक मदद पर रोक, इंटेलिजेंस साझा करने की प्रक्रिया में तेजी, तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के उपाय, जांच और न्याय प्रक्रिया में अंतरराष्ट्रीय सहयोग। बैठक में मौजूद सभी देशों ने उनके विचारों का समर्थन करते हुए इन्हें संयुक्त घोषणा पत्र में शामिल किया।

खबर संक्षेप

पीएम 20 जून को ओडिशा राज्य का दौरा करेंगे

भुवनेश्वर। पीएम नरेंद्र मोदी 20 जून को ओडिशा पहुंचेंगे और राज्य में भाजपा नीत सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में हिस्सा लेंगे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि 12 जून को राज्य में भाजपा सरकार के एक साल पूरे हो रहे हैं लेकिन मुख्य समारोह 20 जून को होगा।

वर्ष 2022 में कोविड से 86.5 लाख मौतें हुईं

नई दिल्ली। वर्ष 2022 के दौरान देश में लगभग साढ़े 86.5 लाख लोगों की मौत हुई जो कोविड प्रभावित वर्ष 2021 में हुई 1.02 करोड़ से अधिक लोगों की मौत की तुलना में 15 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट को दर्शाता है। नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के एक नए आंकड़े से यह जानकारी मिली।

सीएम रेखा गुप्ता को धमकी देने वाला अरेस्ट

गाजियाबाद। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम ने गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शराब के नशे में फोन कर धमकी दी थी। पकड़े गए आरोपी की पहचान श्लोक तिवारी के तौर पर हुई है।

गोडावण के नवजातों का ऑपरेशन सिंदूर पर नाम

जैसलमेर। ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरणा लेते हुए जैसलमेर में विशेष संरक्षण परियोजना के तहत पैदा हुए गोडावण पक्षी के नवजातों का नाम इस ऑपरेशन से जुड़े प्रमुख अधिकारियों के नाम पर रखा गया है। यहां ग्रेट इंडियन बस्टर्ड चूजों का नाम 'सिंदूर', 'एटम', 'मिश्री', 'व्योम' और 'सोफिया' रखा गया है।

महाराष्ट्र के बाद, अब बिहार विधानसभा चुनाव में भी मैच फिक्सिंग: राहुल

भाजपा का पलटवार कहा- जनता का समर्थन नहीं मिलता इसलिए लोकतंत्र पर कर रहे हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता सांसद राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को मैच फिक्सिंग बताए जाने और उसे बिहार में दोहराए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने करारा हमला बोला है। मामले में भाजपा की तरफ से कहा गया है कि उन्हें जनता का समर्थन नहीं मिलता इसलिए लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। बता दें कि, राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पर लोकतंत्र की चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने इसे मैच फिक्सिंग बताया और कहा कि ऐसा ही बिहार में भी होने वाला है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अनेकों बार चुनावों में जनता द्वारा नकारे जाने के बावजूद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। हर चुनावी हार के बाद चुनाव आयोग और जनादेश को कठघरे में खड़ा करना राहुल गांधी की हताशा है। चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वाले ये वही लोग हैं जिन्होंने पूर्व में दो मुख्य चुनाव आयुक्तों को कांग्रेस में शामिल कराया था।

पहले, टीएन अय्यर शेषन, जिन्हें 1999 में गांधीनगर से आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी के खिलाफ चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं दूसरे मुख्य चुनाव आयुक्त एमएस गिल थे, जो दो बार कांग्रेस के टिकट पर राज्यसभा गए और केंद्रीय मंत्री भी रहे थे। तो क्या ये मान लिया जाए कि इनके कार्यकाल में चुनाव आयोग कांग्रेस के लिए काम करता था और जिसके परिणामस्वरूप इनका प्रमोशन कांग्रेस पार्टी द्वारा किया गया था? ये वही लोग हैं, जिन्होंने चुनाव में हार के बाद अपनी सत्ता बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अनेकों बार चुनावों में जनता द्वारा नकारे जाने के बावजूद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। हर चुनावी हार के बाद चुनाव आयोग और जनादेश को कठघरे में खड़ा करना राहुल गांधी की हताशा है।

राहुल ने फिर उठाए सवाल, लगाए आरोप

ये वही लोग हैं, जिन्होंने चुनाव में हार के बाद देश पर आपातकाल थोपा था

राहुल ने बिहार में हार स्वीकारीः सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में अपनी हार स्वीकार कर ली है। जब तक राहुल गांधी जमीन पर नहीं उतरेंगे, तथ्यों को नहीं समझेंगे, खुद को और अपनी पार्टी को झूठा आश्वासन नहीं देंगे, तब तक उनकी पार्टी कभी नहीं जीत सकती। उन्हें जागना होगा और वास्तविकता को समझना होगा। अन्यथा वे ऐसी बिन सिर-पैर की बातें करते रहेंगे। न तो राहुल गांधी समझते हैं कि वे क्या कह रहे हैं, न ही लोग समझते हैं कि वे क्या कह रहे हैं।

इस्तीफा दें राहुल: डिप्टी सीएम चौधरी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वाभाविक है, जो व्यक्ति हारता है वह इसी तरह की बात करता है। यदि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं है तो वे इस्तीफा दे दे और इस व्यवस्था से ही बाहर हो जाए। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इसका मतलब है कि वे हार मान चुके हैं। हार मानने वाले लोग इसी तरह की बातें करते हैं। राहुल गांधी अपनी हार देखते हुए ऐसे बयान दे रहे हैं। अब बहुत लोग उनकी बातों पर विश्वास नहीं करते हैं।

राहुल गांधी ने साझा किया अपना लेख

महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव कैसे चुराया जाए? 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट था। मेरा लेख दिखाता है कि यह कैसे हुआ? अपने लेख के साथ पांच चरणों को उन्होंने साझा किया। राहुल गांधी ने लिखा कि पहला चरण- चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली करना, दूसरा चरण- फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ना, तीसरा चरण- मतदान प्रतिशत को बढ़ाना, चौथा चरण- फर्जी मतदान को ठीक वहीं लक्षित करें, जहां भाजपा को जीतना है और पांचवां चरण सबूत छिपाना। उन्होंने कहा कि यह देखना मुश्किल नहीं है कि भाजपा महाराष्ट्र में इतनी हताश क्यों थी?

निर्वाचन आयोग की तीखी प्रतिक्रिया

निराधार आरोप कानून का अपमान खुद की ही छवि को धूमिल कर रहे

महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। निर्वाचन आयोग ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया और इसे कानून के शासन का अपमान बताया। आयोग ने कहा कि किसी की ओर से फैलाई जा रही कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि अपने ही राजनीतिक दल की ओर से नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की छवि भी धूमिल करती है। यह लाखों चुनाव कर्मचारियों का मनोबल गिराती है, जो चुनाव के दौरान अथक और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। मतदाताओं की ओर से मनमाफिक फैसला न मिलने के बाद यह कहकर चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है कि यह समझौतावादी है। भारत में सभी चुनाव कानून के अनुसार होते हैं। भारत में जिस पैमाने और सटीकता से चुनाव होते हैं, उसकी दुनिया भर में प्रशंसा की जाती है। पूरा देश जानता है कि मतदाता सूची तैयार करने, मतदान और मतगणना सहित प्रत्येक चुनाव प्रक्रिया सरकारी कर्मचारियों की ओर से की जाती है और वह भी मतदान केंद्र से लेकर निर्वाचन क्षेत्र स्तर तक राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों की ओर से औपचारिक रूप से नियुक्त अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में।

तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग के जवाब

1. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के अनुसार, लगभग 116 लाख मतदाताओं ने अंतिम दो घंटों में मतदान किया होगा। इसलिए दो घंटों में मतदाताओं की ओर से 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से बहुत कम है।
2. कांग्रेस के उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर और चुनाव पर्यवेक्षकों के सामने जांच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाया।
3. मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित सभी राष्ट्रीय या राज्य राजनीतिक दलों को सौंप दी जाती है।
4. मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद चुनाव से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की कोई शिकायत नहीं की।
5. सभी राजनीतिक दलों की ओर से 1,03,727 बूथ स्तर के एजेंट भी नियुक्त किए गए, जिनमें 27,099 कांग्रेस की ओर से नियुक्त किए गए।
6. चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को दिए अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर पुलिस का आरोप पत्र तय

पिता-पुत्र को घर से घसीटकर बाहर निकाला और हत्या की

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान हरगोबिंदो दास और उनके बेटे चंदन को पहले उनके घर से खींचकर बाहर निकाला गया और फिर उनके परिवार के सामने कुल्हाड़ी से दोनों की हत्या कर दी गई। पश्चिम बंगाल पुलिस ने अपने 900 पृष्ठ के आरोपपत्र में यह बात कही है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जंगीपुर अदालत में दायर किए गए आरोपपत्र में तेरह लोगों के नाम हैं।

आरोपी भागने में कामयाब रहे

आरोपपत्र में यह भी विस्तार से बताया गया है कि हत्या के बाद आरोपी व्यक्ति कैसे भागने में कामयाब रहे। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। मुर्शिदाबाद में आठ से 12 अप्रैल तक हुए सांप्रदायिक दंगे में संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचा, जिसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का आदेश दिया था।

ईद की नमाज

नई दिल्ली। देशभर में ईद-उल-अजहा त्योहार खुशी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जामा मस्जिद में मुस्लिम समाज के लोगों ने 'नमाज' अदा की। ईद-उल-अजहा को ईद उल जुहा, ईद उल बकरा या बकरीद के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार त्याग और इंसानियत का प्रतीक माना जाता है। इस्लाम धर्म में इसे 'कुर्बानी का त्योहार' भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, हर साल ईद की तारीख चांद की स्थिति पर आधारित होती है। जुलहिज्जा की 10वीं तारीख को ईद-उल-अजहा मनाई जाती है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ का मामला

कर्नाटक हाईकोर्ट ने नौ सवालों पर सरकार से जवाब मांगा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को नौ महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ ने इस त्रासदी के मद्देनजर अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर दायर की गई रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए ये सवाल पूछे। सरकार को 10 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है। यह भगदड़ चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई।

10 जून तक देना होगा जवाब

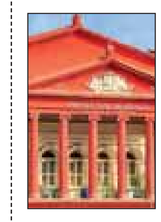

कोर्ट ने पूछा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए किसने अनुमति दी थी? यह निर्णय कब और कैसे लिया गया था? क्या आयोजकों ने आवश्यक अनुमति ली थी? आयोजन स्थल के आसपास यातायात को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय किए गए? भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्या व्यवस्था की गई थी?

भारत में तेजी से बढ़ रहे स्टार्टअप रोजगार के अवसर ला रहे

भारत में स्टार्टअप की संख्या 1.76 लाख पहुंची, यूनिकॉर्न की संख्या बढ़कर 118

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में स्टार्टअप की दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश में रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स की संख्या बढ़कर 1.76 लाख हो गई है। इनमें से 118 स्टार्टअप ऐसे हैं जो यूनिकॉर्न बन चुके हैं यानी उनकी वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर या उससे ज्यादा है। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत के युवा स्टार्टअप बना रहे हैं और नौकरियों के अवसर ला रहे हैं। यह बीते 11 वर्षों में युवाओं के लिए किए गए प्रयासों का नतीजा है, जो पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ।

- यूनिकॉर्न स्टार्टअप का वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर से अधिक
- प्रति स्टार्टअप गारंटी कवर की सीमा बढ़ाकर 20 करोड़ की

देशभर में 490 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए

1.6 लाख स्टार्टअप से 17.6 लाख लोगों को रोजगार

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पर बताया कि देश में पिछले 11 सालों में 7 नए आईआईटी, 8 नए आईआईएम और 16 नए एम्स संस्थान खोले गए हैं। साथ ही करीब 490 नए विश्वविद्यालय भी देश के कोने-कोने में स्थापित किए गए हैं ताकि उच्च शिक्षा हर युवा तक पहुंच सके। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाय) के तहत 1.6 करोड़ युवाओं को ट्रेनिंग दी गई है। वहीं 1.6 लाख स्टार्टअप ने 17.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का अवसर मिला

इसके अलावा, पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत शीर्ष 500 कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर दिए गए हैं। स्टार्टअप्स की फाइनेंसिंग को मजबूत करने के लिए, सरकार ने हाल ही में क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स (सीजीएसएस) का विस्तार किया है। इस योजना के तहत प्रति स्टार्टअप गारंटी कवर की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए कर दिया गया है। अब 10 करोड़ रुपए तक के लोन पर 85% और 10 करोड़ से अधिक पर 75% तक की गारंटी दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य भारत को इनोवेशन-आधारित आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाना है। यह योजना स्टार्टअप्स को रिसर्च, डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी में निवेश करने के लिए बेहतर फंडिंग और कम जोखिम का मौका देगी।

आईसीडीआरआई के सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली बेहद जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- उच्च शिक्षा प्रणाली में आपदा प्रबंधन से जुड़े कोर्स शामिल हों

पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (आईसीडीआरआई) को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्रों और द्वीपों को गंभीर खतरा है। इन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए मजबूत शुरुआती चेतावनी प्रणाली और बेहतर समन्वय आवश्यक है। इससे समय रहते निर्णय लिए जा सकते हैं और अंतिम छोर तक सही सूचना पहुंचाई जा सकती है। पीएम ने कहा कि विश्व भर में आए कई तूफानों, चक्रवातों ने जीवन और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। पीएम मोदी ने कहा कि इनके बाद भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया।

एक कुशल कार्यबल जरूरी

पीएम ने बताया कि डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर गठबंधन (सीडीआरआई) अब 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है, जहां मजबूत घर, अस्पताल, स्कूल, ऊर्जा और जल सुरक्षा तथा प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए एक कुशल कार्यबल की आवश्यकता है। इसके लिए उच्च शिक्षा प्रणाली में आपदा प्रबंधन से जुड़े कोर्स, मॉड्यूल और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शामिल किए जाने चाहिए। पीएम मोदी ने एक वैश्विक डिजिटल रिपॉजिटरी यानी ऑनलाइन ज्ञानकोष बनाने का प्रस्ताव भी रखा, जहां दुनिया भर की आपदा पुनर्निर्माण से जुड़ी सफल कहानियां हों।

पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। इस हमले में आतंकियों ने भारतीय हिन्दू-पुरुषों को निशाना बनाया था। भारत ने इस हमले का जिम्मेदार लश्कर-ए-तैयबा जैश-ए-मोहम्मद के साथ द रेसिस्टेंस फ्रंट को ठहराया था। आतंकी हमले के बाद भारत ने 6 और 7 मई की रात 1.05 बजे से लेकर 1.30 तक ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया।

अब बॉर्डर पर आईएएफ फिर करेगा युद्धाभ्यास

ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा आज भी जख्म भूल नहीं पा रहा पाक

1 7 और 8 जून को भारतीय वायुसेना का युद्धाभ्यास

2 राजस्थान में भारत-पाक बॉर्डर पर होगा अभ्यास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आज से ठीक एक महीने पहले भारतीय सेना ने पाकिस्तान के लिए कयामत की रात ला दी थी, जब भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था।

भारत द्वारा दिए गए इस गहरे घाव की मार पाकिस्तान अभी तक झेल रहा है। इस बीच राजस्थान में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के दक्षिणी क्षेत्र में 7 जून और 8 जून को भारतीय वायुसेना बड़े स्तर पर अभ्यास करने वाली है, जिसे लेकर इंडियन एअरफोर्स ने एअरमेन को नोटिस जारी किया है।

कब से कब तक आयोजित होगा अभ्यास

यह अभ्यास भारतीय वायुसेना नियमित तैयारियों का एक हिस्सा है, जो सीमा क्षेत्र के निकट हवाई क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार, 7 जून को दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा और अगले दिन 8 जून को रात 8.30 बजे समाप्त होगा। इस दौरान अभ्यास में कोई बाधा उत्पन्न न हो इसके लिए अभ्यास क्षेत्र के ऊपर हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

6 मई की रात पाक आतंकियों पर कयामत बरसी थी

बता दें, ऑपरेशन सिंदूर को एक महीने हो चुका है और पाकिस्तान अभी तक इसके सदमे से बाहर नहीं आया है। 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज से ठीक एक महीने पहले, 6 मई की रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। उन्होंने कहा, अब ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनते ही पाकिस्तान को अपनी शर्मनाक हार याद आएगी। यह ऑपरेशन भारत की सैन्य ताकत और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का प्रतीक है।

25 मिनट का था ऑपरेशन

पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। इस हमले में आतंकियों ने भारतीय हिंदू पुरुषों को निशाना बनाया था। भारत ने इस हमले का जिम्मेदार लश्कर-ए-तैयबा , जैश-ए-मोहम्मद के साथ द रेसिस्टेंस फ्रंट को ठहराया था। आतंकी हमले के बाद भारत ने 6 और 7 मई की रात 1.05 बजे से लेकर 1.30 तक ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। ऑपरेशन सिंदूर 2016 सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 बालाकोट एअरस्ट्राक के बाद भारत का आतंकियों पर तीसरा बड़ा हमला था।

भारत ने पाकिस्तान पर क्या-क्या कार्रवाई की?

- 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया।
- यह संधि 1960 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसमें सिंधु नदी के पानी का बंटवारा हुआ था।
- सिंधु जल संधि के अनुसार, पाकिस्तान को नदी का 80% पानी मिलता था।
- संधि निलंबित करने के बाद पाकिस्तान में पानी की कमी होने लगी।

खबर संक्षेप

ओडिशाः एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

ब्रह्मपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में एक तेल टैंकर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना दिगपहांडी के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जी त्रिनाथ रेड्डी (39) और उनकी दो भांजियों - वर्षा रेड्डी (18) और रुद्रिका रेड्डी (6) के रूप में की गयी है। त्रिनाथ अपनी दोनों भांजियों के साथ मोटरसाइकिल पर उनके लिए कपड़े खरीदने जा रहे थे।

हेलिकॉप्टर की हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग

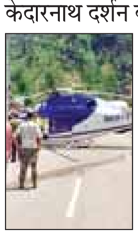

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ दर्शन के लिए जा रहे हेलीकॉप्टर को बीच हाईवे लैंड करवाना पड़ा। फाटा बड़ासू के पास हाईवे पर इस इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर ने यात्रियों को लेकर सिरसी से भरते समय हेलीपैड के बजाय सड़क पर एहतियातन लैंडिंग की। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रुद्रप्रयाग के बडासू इलाके में केदारनाथ के लिए जा रहे एक हेलीकॉप्टर में टेक्निकल खराबी आ गई।

विदेश सचिव लैमी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे

ब्रिटेन को जयशंकर ने दिया धन्यवाद, कहा- भारत की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की ही नीति रहेगी

विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के समर्थन के लिए यूके सरकार को धन्यवाद दिया, खासकर पहलगाम हमले की निंदा करने के लिए। यूके के विदेश सचिव डेविड लैमी की भारत यात्रा से द्विपक्षीय आर्थिक और प्रवास साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते से व्यापार और निवेश में वृद्धि की उम्मीद है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के लिए यूनाइटेड किंगडम की सरकार को धन्यवाद दिया।

एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में यूके के विदेश सचिव डेविड लैमी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान अपने उद्घाटन भाषण में कहा, सबसे पहले, मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति आपकी एकजुटता और समर्थन के लिए यूनाइटेड किंगडम की सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी इसे समझेंगे।

नया व्यापार समझौते से क्या होगा लाभ?

ब्रिटेन सरकार के अनुमानों के अनुसार, नया व्यापार सौदा द्विपक्षीय व्यापार को सालाना 25 बिलियन पाउंड से अधिक बढ़ाएगा, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद को 4.8 बिलियन पाउंड बढ़ाएगा, और हर साल 2.2 बिलियन पाउंड की मजदूरी बढ़ाएगा, जिसके परिणामस्वरूप कामकाजी वर्ग के नागरिकों को ठोस आर्थिक लाभ होगा।उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बहुत अच्छा सहयोग है, मेरा मानना है कि कई और विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, और लोगों के बीच संबंधों के मामले में, हमें मैनचेस्टर और बेलफास्ट में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने का सौभाग्य मिला है - मुझे खुद भी यह सम्मान मिला है।

मुक्त व्यापार समझौते के बाद हो रही यात्रा

लैमी की दो दिवसीय भारत यात्रा 6 मई को दोनों देशों के बीच हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के बाद हो रही है, जो दोहरे योगदान सम्मेलन के साथ-साथ वास्तव में एक मील का पत्थर है, जैसा कि जयशंकर ने कहा, जो न केवल दोतरफा व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के अन्य रणनीतिक पहलुओं पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा, साथ ही आपूर्ति और मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने में भी योगदान देगा।विदेश मंत्री ने कहा,भारत की आपकी पिछली यात्रा के बाद से, हम दोनों ने महत्वपूर्ण पहल की है और उन पहलों में अच्छी प्रगति हुई है। मैं प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, क्वांटम, हेल्थटेक/बायो-टेक, महत्वपूर्ण खनिजों और उन्नत सामग्रियों के रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में गहन सहयोग को सक्षम करेगा। उन्होंने कहा, हमने रणनीतिक निर्यात और प्रौद्योगिकी सहयोग वार्ता भी शुरू की है, जिसकी पहली बैठक, मेरा मानना है, इस सप्ताह हुई थी। इससे अन्य बातों के अलावा, प्रासंगिक लाइसेंसिंग या विनियामक मुद्दों के समाधान सहित महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में व्यापार को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल की प्रभावशीलता बढ़ेगी।ब्रिटेन के विदेश सचिव की यात्रा को निकट भविष्य में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की संभावित भारत यात्रा के लिए जमीन तैयार करने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन-भारत अवसंरचना वित्तीय पुल यूनाइटेड किंगडम से भारत में गुणवत्तापूर्ण दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह को खोल सकता है, और यह निश्चित रूप से अवसंरचना विकास में भी योगदान देगा।

पीएम मोदी से की मुलाकात

लैमी शनिवार की सुबह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारतीय राजधानी पहुंचे, जिसका उद्देश्य यूके-भारत आर्थिक और प्रवास साझेदारी की समीक्षा करना और उसे आगे बढ़ाना है। विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय चर्चा में शामिल होने से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।विदेश मंत्री ने डेविड की इस यात्रा को लेकर कहा कि भारत में आपका स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। आपने अभी-अभी प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहुत अच्छी बैठक की है, और मुझे लगता है कि इस समय आपकी यात्रा हमें हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आकलन करने का अवसर देती है, जो मुझे लगता है कि हाल के दिनों में सभी क्षेत्रों में मजबूत हुई है। हमारे बीच बहुत नियमित रूप से उच्च स्तरीय राजनीतिक और आधिकारिक बातचीत होती रही है।

मंत्री गोयल से भी करेंगे चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात और विदेश मंत्री जयशंकर से बातचीत करने के बाद, लैमी भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख लोगों से बातचीत करेंगे, ताकि ब्रिटेन में भारतीय निवेश बढ़ाने और दोनों बाजारों में नए अवसरों को खोलने के तरीके तलाशे जा सकें। शीर्ष भारतीय अधिकारियों के साथ बैठकों के अलावा, वे बाद में दिन में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ भी चर्चा करेंगे।

डिजिटल और आर्थिक साझेदारी को भी मिलेगा बढ़ावा

भारत और मध्य एशियाई देश मिल कर करेंगे दुर्लभ खनिजों की खोज

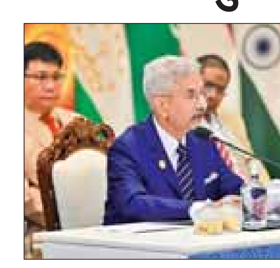

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और पांच मध्य एशियाई देशों- कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच नई दिल्ली में बीते शुक्रवार को भारत-मध्य एशिया वार्ता की चौथी बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में चीन द्वारा दुर्लभ पृथ्वी खनिज और मैग्नेट के निर्यात पर रोक के बाद, इन छह देशों ने मिलकर दुर्लभ और महत्वपूर्ण खनिजों की संयुक्त खोज में गहरी रुचि दिखाई है।

बैठक में सितंबर 2024 में आयोजित पहले इंडिया-सेंट्रल एशिया रेयर अर्थ फोरम की सफलताओं को सराहा गया और इस तरह की दूसरी बैठक जल्द आयोजित करने का आह्वान किया गया। मंत्रियों ने प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देने पर सहमति जताई, ताकि महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग के नए अवसर तलाशे जा सकें।

व्यापार क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जाएगा

भारत सरकार इस क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए उत्पादन-आधारित वित्तीय प्रोत्साहनों पर भी विचार कर रही है, जिससे खनिज आधारित उद्योगों को मजबूती मिले। इसके साथ ही, दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश के स्तर को और ऊपर उठाने की आवश्यकता को स्वीकार किया। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, ऊर्जा, कपड़ा, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ाने के लिए ठोस प्रयासों पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्तीय संपर्क मजबूत करने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली, बेहतर बैंकिंग सहयोग और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस दिशा में एक संयुक्त कार्य समूह बनाने की बात भी सामने आई है, जो भारत और मध्य एशिया के बीच बैंकिंग और वित्तीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर काम करेगा।

पहली बैठक की मेजबानी उज्बेकिस्तान करेगा

मध्य एशियाई देशों ने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल "इंडिया स्टैक" की प्रशंसा की जो डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी को गति देता है। भारत ने इन देशों में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद देने की सहमति जताई है। इसके अलावा, इंडिया-सेंट्रल एशिया डिजिटल पार्टनरशिप फोरम की स्थापना पर सहमति बनी है, जिसकी पहली बैठक की मेजबानी उज्बेकिस्तान करेगा।

कुख्यात कमांडर का फोटो आया सामने

बस्तरः देश के मोस्ट वांटेड हिड़मा आतंकी पर एक करोड़ का इनाम

एजेंसी ▶▶ बस्तर

बस्तर में लगातार चल रहे नक्सल ऑपरेशन के बीच नक्सली संगठन में सबसे ज्यादा कुख्यात मोस्ट वांटेड माओवादी हिड़मा की तस्वीर सामने आई है। बता दें कि एक करोड़ के इनामी, नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी का मेंबर और मास्टरमाइंड कहे जाने वाले माड़वी हिड़मा की 25 साल पुरानी तस्वीर ही सुरक्षा इंटेलिजेंस के पास अब तक रही है। लगातार चल रहे एनकाउंटर के बीच एक और तस्वीर निकलकर आई है जो माड़वी हिड़मा की पहचान ताजा करती है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर 10 साल पुरानी हो सकती है, क्योंकि माडवी हिड़मा की उम्र 50 से 55 साल बताई जाती है और तस्वीर से 40 से 45 साल की उम्र का अंदाजा लगाया जा रहा है। बड़ी बात यह है कि माओवादी संगठन में कई बड़े कैडर की तस्वीर आसानी से नहीं मिल सकती है।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो महिला समेत पांच नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ के बाद दो महिला समेत पांच नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों ने पिछले चार दिनों में दो नक्सली नेता समेत कुल सात नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए सभी सात नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार चार जून से बीजापुर जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान जारी है। इस अभियान में राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशिष्ट इकाई कोबरा बटालियन के जवान शामिल हैं।

कभी किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं होता हिड़मा

लेकिन माड़वी हिड़मा की तस्वीर इंटेलिजेंस के पास 25 साल पुरानी ही नजर आती है। इसके पीछे कई कारण है, माड़वी हिड़मा का तीन से पांच लेयर का सुरक्षा घेरा होता है और आमतौर पर माओवादी संगठन हिड़मा को लेकर प्रोटोकॉल फॉलो करता है। हर किसी को हिड़मा से मिलने की इजाजत नहीं होती, यहां तक की माओवादी संगठन के कैडर को भी नहीं। हिड़मा कभी किसी कार्यक्रम में भी शामिल नहीं होता और ना ही मीडिया से रूबरू होता है।

भारत से 'पिटा' पाक पहुंचा चीन

थोक के भाव खरीद रहा फाइटर जेट्स और जासूसी विमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन की दोस्ती किसी से छिपी हुई नहीं है। भारत के साथ जब पिछले दिनों पाकिस्तान तनाव की स्थिति में था, तब भी चीन ने उसका खुलकर समर्थन किया था।

चीनी फाइटर जेट्स, एयर डिफेंस सिस्टम आदि के जरिए ही पाकिस्तान ने भारत से दो-दो हाथ करने की कोशिश की थी, लेकिन बुरी तरह विफल रहा था। भारत से पिटने के बाद अब पाकिस्तानी वायुसेना के पायलट भागे-भागे चीन पहुंचे हैं।

चीन के फाइटर जेट की हो चुकी है किरकिरी

पाक ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बताया है कि वह चीन से जे-35 फाइटर जेट्स, केजे-500 एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट और एचक्यू-19 बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने जा रहा है। एयर डिफेंस सिस्टम और फाइटर जेट आदि को मार गिराया था। इससे चीन की भी काफी थू-थू हुई थी।

लॉस एंजिल्स में आव्रजन छापे में 44 लोगों की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू

कैलिफोर्निया। संघीय आव्रजन अधिकारियों द्वारा शहर में कम से कम 44 लोगों को गिरफ्तार करने के बाद कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में पूरे शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिसके बाद पुलिस को सड़कों पर विरोध जताने वाली भीड़ को तितर-बितर करने के लिए धुंआधार बम और फ्लैश बैंग फेंकने पड़े। होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन की प्रवक्ता यास्मीन पिट्स ओ'कीफ के अनुसार, इमिग्रेशन और कस्टम्स इंफोर्समेंट के अधिकारियों और एजेंटों ने तीन स्थानों पर तलाशी वारंट जारी किए। लगभग 44 लोगों को प्रशासनिक रूप से गिरफ्तार किया गया, और एक व्यक्ति को बाधा डालने के लिए गिरफ्तार किया गया। जांच अभी भी जारी है, अपडेट उचित रूप से जारी किए जाएंगे, ओ'कीफ ने कहा।

मस्क ने डिलीट किए 'एप्सटीन फाइल्स' वाले ट्वीट

ट्रंप की नाराजगी के आगे झुके एलन मस्क

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच विवाद में नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, मस्क ने ट्रंप को लेकर किए गए अपने कई पोस्ट को डिलीट कर दिया है। इसमें एक पोस्ट में मस्क ने दावा किया था कि ट्रंप का नाम जेफ्री एप्सटीन की फाइलों में है, और यही कारण है कि वो फाइलें सार्वजनिक नहीं हो पा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के बीच उपजा विवाद शायद खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। दरअसल, टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप को लेकर किए अपने कई पुराने ट्वीट्स डिलीट कर दिए हैं। मस्क ने हाल ही में एक्स पर ट्रंप को लेकर की गई कई व्यक्तिगत टिप्पणियों वाले पोस्ट को डिलीट कर दिया है। इनमें से एक विवादित ट्वीट में उन्होंने दावा किया था कि डोनाल्ड ट्रंप का नाम जेफ्री एप्सटीन की फाइलों में है, और यही कारण है कि वो फाइलें सार्वजनिक नहीं हो पा रही हैं।

380 अरब डॉलर गंवाए

एक वक्त ट्रंप के सबसे बड़े समर्थक रहे एलन मस्क अब उनके सबसे बड़े आलोचकों में से एक हो गए हैं। मस्क सार्वजनिक तौर पर ट्रंप की आलोचना कर रहे हैं और ट्रंप ने भी सार्वजनिक तौर पर पलटवार किया है। ट्रंप ने टेस्ला और स्पेसएक्स को मिलने वाले सरकारी ठेकों को बंद करने की धमकी दी है। जिससे मस्क को भारी नुकसान की आशंका है। साथ ही ट्रंप से भिड़ने के बाद मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टेस्ला के शेयरों में गिरावट से जनवरी से अब तक मस्क को करीब 380 अरब डॉलर (करीब 32 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान उठाना पड़ा है।

यात्रियों ने पीएम मोदी का जताया आभार, 12 घंटे का सफर सिर्फ 3 घंटे में

आम लोगों के लिए शुरू हुई कश्मीर की पहली वंदे भारत ट्रेन, यात्रियों के खिले चेहरे

एजेंसी ▶▶ जम्मू

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से कटरा से श्रीनगर आने वाले यात्री महेश कुमार ने कहा, यह सभी यात्रियों, पर्यटकों, यहां तक कि काम के लिए आने वाले लोगों के लिए एक बढ़िया सुविधा है। यह हवाई जहाज का एक अच्छा विकल्प है क्योंकि हवाई जहाज से भी उतना ही समय लगता है।

यह श्रीनगर और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने की एक बेहतरीन पहल है। सरकार ने बहुत बढ़िया काम किया है। इससे पर्यटन में काफी इजाफा होगा। इससे बच्चों और महिलाओं के लिए यात्रा करना और भी ज्यादा सुविधाजनक हो जाएगा।

यह होगा वंदे भारत ट्रेन का शेड्यूल

पहली ट्रेन (26041) श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन से सुबह 8 बजकर 10 मिनट पर रवाना होगी और 10 बजे बनिहाल पहुंचेगी। इसके बाद 11 बजकर 10 मिनट पर यह ट्रेन श्रीनगर पहुंचेगी। इसी तरह दूसरी ट्रेन (26403) श्री माता वैष्णो देवी कटरा से दोपहर 2 बजकर 55 मिनट पर खुलेगी। यह बनिहाल होते हुए शाम को 6 बजे श्रीनगर पहुंचेगी।

पीएम मोदी ने हमारा कई वर्षों का सपना पूरा कियाः यात्री

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से कटड़ा जा रही यात्री नीतू कपूर ने कहा, "हमें उम्मीद थी कि एक दिन कश्मीर में भी वंदे भारत ट्रेन चलेगी। यह हमारा कई वर्षों का सपना था और पीएम मोदी ने आखिरकार इसे पूरा कर दिया है। वंदे भारत से कश्मीर में बहुत लाभ होगा।

कितना होगा किराया?

सभी शुल्कों सहित श्रीनगर से कटड़ा के बीच चेयर कार का किराया 715 रुपए होगा, जबकि एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1320 रुपए निर्धारित किया गया है।

यात्री बोले- सड़क से सफर में लगता था 12 घंटा, अब लग रहे महज 3 घंटे

कटड़ा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस से रवाना हुए सैलानियों ने अपनी यात्रा को बहुत ही शानदार और अद्भुत बताया शनिवार को कटड़ा से चली ट्रेन में देश-विदेश से आए पर्यटक सवार हुए। शुक्रवार को ही पीएम मोदी ने एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी. सैलानियों ने इस दौरान हाथ में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए. यात्रा करने वाले लोगों ने कहा पहले सड़क से 12 घंटे लग जाते थे, अब महज 2 से 3 घंटे में ही श्रीनगर पहुंच रहे हैं। इशिका शर्मा ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन में मेरा पहला सफर है, मैं बहुत उत्साहित हूं।

अक्षय की 'हाउसफुल-5' को मिली शानदार ओपनिंग ...

मुंबई। सिनेमाघरों में शानदार ओपनिंग मिली है और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा नरगिस फाखरी, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, रितेश देशमुख और सौंदर्या शर्मा ने अहम किरदार निभाए हैं। शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई इस फिल्म का ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड कलेक्शन 40 करोड़ रुपए रहा है। फिल्म की कमाई के आंकड़े सैकनिल्क ने अपनी एक रिपोर्ट में साझा किए हैं। भारतीय बॉक्स ऑफिस की बात करें तो फिल्म का नेट कलेक्शन 24 करोड़ रुपए रहा और इसकी ग्रॉस कमाई शुक्रवार को 28 करोड़ 75 लाख रुपए रही।

लाइफ Style

ईडन

श्रेयस के प्यार में हुईं दिवानी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ईडन रोज ने इंटरव्यू में ये भी बताया कि वो श्रेयस अय्यर की इस कदर दीवानी हैं कि उन्होंने खुद को क्रिकेटर के दो बच्चों की मां भी मान लिया है। बता दें कि ईडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

अभिनेत्रियों का नाम अक्सर क्रिकेटर्स संग जुड़ता रहता है। एक तरफ जहां आरजे महवश का नाम युजवेंद्र चहल के साथ चर्चा में हैं। तो वहीं, एक और एक्ट्रेस का दिल एक फेमस क्रिकेटर पर आ गया है। आइए जानते हैं वो एक्ट्रेस और क्रिकेटर? दरअसल, ये एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट रह चुकी ईडन रोज हैं। ईडन ने हाल ही में अपने इंटरव्यू में बताया कि उनका दिल पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर आ गया है।

ईडन ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि वो अय्यर के प्यार में दीवानी हैं। वो अय्यर को बेहद पसंद करती हैं। यही नहीं, उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि वो दिमाग में अय्यर को अपना पति भी मान चुकी हैं। ईडन ने इंटरव्यू में ये भी बताया कि वो श्रेयस अय्यर की इस कदर दीवानी हैं कि उन्होंने खुद को क्रिकेटर के दो बच्चों की मां भी मान लिया है। बता दें कि ईडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। फैंस भी ईडन की पोस्ट को काफी पसंद करते हैं। बिग बॉस 18 में भी ईडन को काफी पसंद किया गया था।

हॉलीवुड मसाला

25वीं फिल्म नवंबर में होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स बॉन्ड सीरीज की अब तक 24 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। 25वीं फिल्म इस साल नवंबर में रिलीज होगी। इसका नाम है नो टाइम टू डाय। इस फिल्म के साथ ही डेनियल क्रेग पांचवी बार जेम्स बॉन्ड की भूमिका में दिखाई देंगे। डेनियल दुनिया के महंगे हीरोज में शुमार हैं। जेम्स बॉन्ड की अब तक की फिल्मों में डेनियल क्रेग के अलावा रोजर मूर, शॉन कॉनरी, प्रियस ब्रॉसनन, टिमोथी डॉल्टन और जॉर्ड लेजेनबे ने एजेंट 007 की भूमिका निभाई है।

जीरो डार्क थर्टी : लादेन की मुश्किलों की कहानी...

लॉस एंजिल्स। जीरो डार्क थर्टी साल 2012 में रिलीज हुई थी। कैथरीन बिगेलो की फिल्म 'जीरो डार्क थर्टी' में ना सिर्फ ये दिखाया था कि उस रात क्या और कैसे हुआ बल्कि 9/11 के हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की 10 सालों की मुश्किलों की कहानी भी बताती है। ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामांकित फिल्म 'जीरो डार्क थर्टी' को विवादों का सामना भी करना पड़ा था। 'जीरो डार्क थर्टी' में दो हेलीकॉप्टरों के ओसामा के घर में घुस कर किए गए हमले को बेहतरीन तरीके से पेश किया गया था। फिल्म आतंकवाद पर होने वाली लड़ाई को दर्शाती है।

सामंथा ने हटवाया ये माया चेसावे टैटू

मुंबई। हाल ही में साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने नथिंग टू हाइड का एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो ने सबका ध्यान तब खींचा, जब नेटिजंस ने देखा कि उन्होंने अपना वाईएमसी नाम का टैटू हटवा दिया है, जिसे उन्होंने अपने पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य की याद में बनवाया था। हालांकि, इस समय अभिनेत्री और डायरेक्टर राज निदिमोरु संग अफेयर्स की चर्चाएं भी चल रही हैं। उसी दौरान अभिनेत्री के इस फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो की शुरुआत में अभिनेत्री कैमरे के सामने खड़ी होकर नथिंग टू हाइड लिखती हैं और इसके बाद वह कैमरे की तरफ पीठ करके खड़ी होती हैं। उस दौरान सभी को दिखता है कि उनके गर्दन पर बना वाईएमसी नाम का टैटू गायब है।

शूटिंग सेट पर पहुंची आमिर की मां

मुंबई। आमिर खान ने बताया कि उनकी मां ने कभी शूटिंग होते नहीं देखी थी। लेकिन जब 'सितारे जमीन पर' की शूटिंग चल रही थी तब उनकी मां जीनत हुसैन ने लोकेशन पर जाकर यह देखने की इच्छा जताई कि फिल्में कैसे बनती हैं। उस वक्त उनकी टीम 'हैप्पी वेडिंग सॉन्ग' शूट कर रही थी। आमिर खान ने बताया, 'प्रसन्ना मेरे पास आए और बोले- सर अगर आप बुरा ना मानें तो क्या आप अम्मी जी से सीन में आने के लिए विनती कर सकते हैं? यह फिल्म का आखिरी गाना है, यह एक वेडिंग सेलिब्रेशन सीक्वेंस है।' प्रसन्ना ने समझाया कि आमिर खान की मां बड़े आराम से इस सॉन्ग में किसी मेहमान के तौर पर नजर आ सकती हैं। यह उनके लिए बहुत भावुक कर देने वाली चीज होती, क्योंकि वह वाकई किसी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थीं।

टीवी मसाला

अनुपमा को गलत ढंग से छुएगा मालिक...

मुंबई। अनुपमा जब एक घर में खाना पका रही होगी तब घर का मालिक उसके साथ बदतमीजी करेगा। वह उसे गलत ढंग से छूने की कोशिश करेगा और गलत व्यवहार करेगा। अनुपमा जब इस बात का विरोध करेगी तो घर की मालकिन दौड़ी हुई आएगी। लेकिन तब यह शख्स बड़ी चालाकी से अनुपमा पर उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा देगा। औरत भड़क जाएगी और वह अनुपमा का वीडियो बनाकर वायरल कर देने की धमकी देगी। वह अनुपमा को चरित्रहीन कहेगी और बोलेगी कि उसे कहीं पर काम नहीं मिलेगा।

बिना मेहनताना लिए भाग जाएगी अनुपमा

अनुपमा विरोध करेगी और वहां से भाग निकलेगी। वह पैसे मांगेगी तो इस घर का मालिक और मालकिन उसे पैसे देने से इनकार कर देंगे। अनुपमा बिना पैसे लिए ही वहां से भाग जाएगी और किसी तरह स्टेशन पहुंचेगी। वह ट्रेन में एक कोने में बैठी सुबुकती रहेगी और जब किसी तरह घर पहुंचेगी तो अपनी आपबीती रूम में साथ रहने वाली दोनों लड़कियों को बताएगी। ये लड़कियां अनुपमा को हिम्मत से लड़ने और गलत का विरोध करने के बारे में भाषण देंगी। उधर शाह निवास में अलग ही चीजें चल रही होंगी।

राही और अनुपमा की फिर मिलेंगी राहें

गौतम के हाथ में ज्यादा कुछ नहीं होगा तो वह अनुपमा और प्रार्थना को बुरा भला कहता रहेगा। परी अपनी मां से मिलने शाह हाउस आएगी और उसे बताएगी कि दोनों को फॉरेन ट्रिप में कितना मजा आया। किंजल बहुत खुश होगी और उन्हें दुलार करेगी। वह कहेगी कि दोनों बहुत अच्छे लग रहे हैं। कोठारी मेंशन में राही को पराग वापस अपना म्यूजिक का पैशन फॉलो करने की हिम्मत देगा और वह कनफ्यूज होगी। उधर अनुपमा राही के जन्मदिन पर उसे याद करेगी और उसकी याद में ढेर सारी चीजें बनाएगी।

अब प्रार्थना पर नहीं चलती गौतम का जोर

प्रार्थना और अंश जब ऑफिस के लिए निकल रहे होंगे तब जाने से पहले प्रार्थना लीला को घर का किराया देगी। किंजल उसे राय देगी कि उसे अपना अलग सेपरेट घर लेकर रहना चाहिए। प्रार्थना उसकी हां में हां मिला देगी, लेकिन जब प्रार्थना और प्रेम ऑफिस पहुंचेंगे तो गाड़ी से उतरते ही सामने गौतम को खड़ा पाएंगे। गौतम हमेशा की तरह प्रार्थना को बुरा भला करेगा और उसे डराने-धमकाने की कोशिश करेगा।

नेटफ्लिक्स ने रिलीज किया 'राणा नायडू सीजन 2' का ट्रेलर

मुंबई। फिक्सर वापस आ गया है और इस बार मामला निजी है! नेटफ्लिक्स इंडिया की 2023 की ब्रेकआउट सीरीज़ राणा नायडू 13 जून को लौट रही है अपने दूसरे सीज़न के साथ, जो पहले से भी ज्यादा गंभीर, डार्क और उलझनों से भरा हुआ है। लेकिन जब फिक्सर की खुद की दुनिया बिखरने लगती है, तो सारे नियम बदल जाते हैं।

इस बार राणा सिर्फ अपने क्लाइंट्स के मसले नहीं सुलझा रहा। जब राणा का अपना परिवार दांव पर हो , जो लाइन क्रॉस किया... वो गया! सीजन 1 में दर्शकों को राणा नायडू की खतरनाक, ऐड्रेनालिन-से भरी और स्टाइलिश दुनिया में खींच लिया गया था- एक ऐसा फिक्सर जो अमीरों और बेपरवाह लोगों के लिए आख़िरी उम्मीद था। वह जुर्म मिटा सकता था, कहानियां बदल सकता था और सबसे काले रहस्यों को साफ नजरों से दफन कर सकता है! राणा के लिए कोई भी चीज़

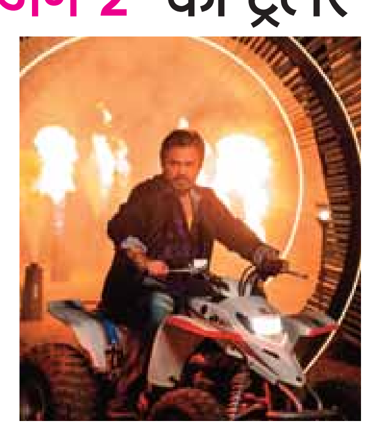

बहुत उलझी हुई नहीं थी सिवाय उसके अपने पिता के। फिर हुयी थी नागा नायडू की एंट्री- राणा का बिछड़ा हुआ पिता, पछतावे, ग़ुस्से और अनसुलझे अतीत का टाइम बम। नायडू परिवार सिर्फ बेमेल और उलझा हुआ नहीं है; वो अस्थिर हैं, ज़ख़्मों से भरे हैं, और अपने अतीत के साए से आँख मिलाने के लिए बहुत घमंडी भी।

अमिताभ बच्चन का व्यवहार पहली बार मुझसे बहुत कठोर रहा : सानंद वर्मा

मुंबई। अभिताभ बच्चन बॉलीवुड में करीब 50 साल से काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने इस करियर के दौरान कई एक्टर्स और टीम्स के साथ काम किया। अमिताभ बच्चन के साथ काम करने वालों में भाभी जी घर पर हैं एक्टर सानंद वर्मा का नाम भी शामिल है। हाल ही में सानंद वर्मा ने अमिताभ बच्चन ने अपनी मुलाकात को याद किया। सानंद वर्मा ने कहा कि अमिताभ बच्चन ने पहली बार मुलाकात में उन्हें बेटी की तरह ट्रीट किया, लेकिन दूसरी मुलाकात के दौरान अमिताभ उनके साथ बहुत कठोर थे।

सानंद ने सुनाया पहली मुलाकात का किस्सा

बातचीत के दौरान सानंद वर्मा ने कहा, 'मैंने बहुत सारे स्टार्स के साथ बात की है, लेकिन मैं उनके बारे में इतना सोचता नहीं था। लेकिन मैंने अमिताभ बच्चन का औरा तब महसूस किया जब मैं उनके साथ कौन बनेगा करोड़पति का प्रोमो शूट कर रहा था। पहली बार जब मैं उनसे मिला...वो ऐसे थे...मुझे लगा मैं अभिषेक बच्चन हूं। मुझे ऐसा लगा कि मैं उनका बेटा हूं। हमने तीन घंटे बात की थी।'

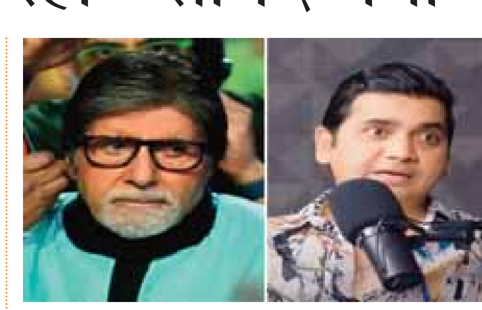

__क्या बोले सानंद वर्मा :__ सानंद ने आगे कहा, 'पहली मुलाकात में उन्होंने मुझ बहुत अटेंशन दी और दूसरी बात में उन्होंने मुझे पूरी तरह नजरअंदाज किया, ये नोटिस किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि उनके जैसा कोई दूसरा एक्टर है हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में, लेकिन हां फिल्म इंडस्ट्री में कोई दोस्त नहीं है।'

दूसरी मुलाकात में किया नजरअंदाज

सानंद वर्मा ने आगे कहा, "हालांकि, जब मैं उनसे दूसरी बार मिला एक एड शूट के लिए, वो बहुत रूड थे, उन्होंने ढंग से बात नहीं की। शूट के बाद मैं उनके पास गया और कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे आपके साथ दो बार काम करने का मौका मिला। लेकिन उन्होंने मेरी तरफ देखा तक नहीं, वो पेंटिंग को घूरते रहे और कहा भगवान करे आपको तिबारा मौका मिले।"

एक में 10 किरदार निभाकर रचा इतिहास

अभिनेता कमल हासन के करियर की 5 सबसे कमाऊ फिल्में

__मुंबई।__ कमल हसन का नाम उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने न सिर्फ दक्षिण भारतीय सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। पिछले कुछ समय से वह फिल्म 'ठग लाइफ' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जो 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल करती है, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बहरहाल, आइए कमल की अब तक की 5 सबसे कमाऊ फिल्मों के बारे में जानें।

'विक्रम' : कमल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में पहला नाम 'विक्रम' का है। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी उनकी यह फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई थी। उनकी इस फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों, बल्कि समीक्षकों का दिल भी जीत लिया था। विजय सेतुपति और फहद फासिल जैसे कलाकार भी इसमें अहम भूमिका में थे। 120 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 430 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर है।

'विश्वरूपम' : कमल की फिल्म 'विश्वरूपम' ने भी बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छापे थे। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म थी, जो साल 2013 में रिलीज हुई थी। जियो हॉटस्टार पर मौजूद इस फिल्म में भी कमल ने कमाल का अभिनय किया था। उन्होंने इसके निर्देशन की कमान भी संभाली थी। राहुल बोस, शेखर कपूर और जयदीप अहलावत जैसे कलाकारों से सजी ये फिल्म 75 करोड़ रुपये की लागत से बनी थी और इसने 109 करोड़ रुपये कमाए थे।

'इंडियन' : 'इंडियन' भारतीय सिनेमा की शानदार फिल्मों में से एक है। फिल्म में कमल ने डबल रोल निभाया था। इसमें उनके अलावा मनीषा कोइराला और उर्मिला मातोंडकर भी थीं। शंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दक्षिण भारत के साथ उत्तर भारत में भी खूब प्यार मिला था। फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 60 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि इसका बजट महज 8 करोड़ रुपये था। जी5 और यूट्यूब पर आप इस फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं।

'वैट्टैयाडु विलैयाडु' : साल 2006 में रिलीज हुई कमल की इस फिल्म का निर्देशन गौतम वासुदेव मेनन ने किया था। 15 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 48 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का लुत्फ आप जी5 पर उठा सकते हैं।

'दशावतारम' : इस सूची में तीसरा नाम 'दशावतारम' का है। इसका बजट 60 करोड़ रुपये था और इसने दुनियाभर में लगभग 107 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म में कमल ने 10 अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर इतिहास रच दिया था। इसमें हीरो से लेकर विलेन और सहायक भूमिकाओं में भी कमल ही नजर आए थे। असिन, मल्लिका शेरावत और रेखा भी इस फिल्म का हिस्सा थीं। एस रविकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म आप सन नेस्ट पर देख सकते हैं।

लगभग 18 करोड़ 41 लाख की लागत से बना यह विद्यालय 12 एकड़ के परिसर में फैला है

आदिवासी अंचल में विकास के नए आयाम खोलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : मुख्यमंत्री

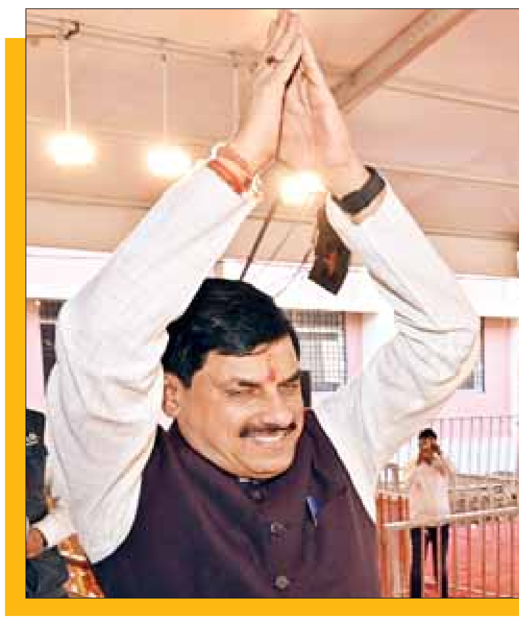

हरिभूमि जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुंडम विकासखंड के ग्राम छपरा में सांदीपनि विद्यालय के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदिवासी अंचल में विकास के नए आयाम खोलेगी।

सीएम राइज स्कूल परिसर के आधारभूत ढांचे का विस्तार कर सांदीपनि विद्यालय का निर्माण किया गया है। लगभग 18 करोड़ 41 लाख की लागत से बना यह विद्यालय 12 एकड़ के परिसर में फैला है। यहां वाद्य यंत्रों के साथ बच्चे प्रार्थना करते हैं। छात्र छात्राओं को टीचर लार्निंग मैथड (टीएल एम) के माध्यम से मॉडल तैयार कर पढ़ाया जा रहा है। होम वर्क बच्चों की मेधा और क्षमता अनुसार दिया जाता है। कक्षा में बच्चों की संख्या 40 तय है। कक्षा में संख्या बढ़ने पर अलग सेक्शन बना दिया जायेगा। करियर काउंसिलिंग पर विशेष फोकस दिया जा रहा है। करियर कार्ड तथा बैंकर्स, प्रोफेसर्स आदि विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल का निरंतर भ्रमण भी विद्यालय में होता है। स्मार्ट क्लास में विद्यार्थी पीपीटी के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

आनंदमय गणित कक्षा में बच्चों से बातचीत, श्रीमद्भागवतगीता पर किये हस्ताक्षर

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण दीप प्रज्ज्वल और पूजन कर किया। मुख्यमंत्री ने आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय भवन का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव आनंदमय गणित की कक्षा पहुंचे जहाँ उन्होंने प्रायमरी स्कूल के बच्चों की बनाई गई आकृतियां देखीं और गतिविधि कर सीखने वाले बच्चों से बातचीत की। इसके बाद वे पुस्तकालय पहुंचे और बच्चों के अनुरोध पर श्रीमदभगवतगीता पर हस्ताक्षर किए। डॉ यादव ने इसके उपरांत नव निर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन का लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर विधायक सर्व श्री संतोष बरकड़े, अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी एवं सुशील कुमार तिवारी इंदु, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, मध्यप्रदेश पर्यटन निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद गोटिया सहित क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

1400 करोड़ की लागत से बनेगा गौमुख जलाशय-

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कुंडम क्षेत्र के प्रवास के दौरान जबलपुर और मंडला जिले के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुंडम के समीप ग्राम छपरा में सांदीपनि विद्यालय और आईटीआई का लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए 1400 करोड़ रुपए की लागत से गौमुख जलाशय बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमुख जलाशय से 25 हजार हेक्टेयर के क्षेत्र में सिंचाई होगी। इसमें जबलपुर जिले के 14 हजार 900 हेक्टेयर और मंडला जिले के 10 हजार 100 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य इस क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की सौगात मिल रही है। यह शिक्षा के मंदिर इस क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं के जीवन में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण साबित होंगे और विद्यार्थियों के जीवन की दिशा तय करेंगे। हम सभी जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण और श्री बलराम ने संदीपनी आश्रम में अपनी शिक्षा ग्रहण की। शिक्षा ग्रहण करने के बाद विद्यार्थी नए रूप में उभरकर सामने आते हैं। इस अवसर पर राज्यमंत्री डॉ. गौतम टेंटवाल, विधायक सर्व श्री संतोष बरकड़े, अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी एवं सुशील कुमार तिवारी इंदु सहित अन्य जनप्रतिनिधि मंचासीन थे।

ट्रम्प के टैरिफ से भारत में डंप हो रहा चीन का अमानक जिलेटीन

चीन से आयातित मिलावटी जिलेटीन से बन रहे कैप्सूल

हरिभूमि जबलपुर।

पिछले 20 वर्षों से चीन से अखाद्य एवं अमानक जिलेटीन आयात हो रहा है, लेकिन अब ट्रम्प शासन के टैरिफ लगाने के बाद चीन से भारी मात्रा में ऐसा जिलेटीन भारत में डम्प हो रहा है। इसी का लाभ उठाते हुए भारत में ऐसे अखाद्य एवं अमानक जिलेटीन की 50 प्रतिशत मिलावट कर खाद्य पदार्थ एवं कैप्सूल बन रहे है, जिससे जन स्वास्थ्य को भारी नुकसान हो रहा हैं।

यह नोटिस शनिवार को डॉ. पीजी नाजपांडे ने खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ड्रम कंट्रोलर तथा आयुक्त खाद्य सुरक्षा भोपाल को भेजा है, तथा उन्हें खाद्य सुरक्षा कानून के चैप्टर 9 के तहत तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।

शासन ने स्वयं स्वीकार किया

नोटिस में बताया कि उन्होंने वर्ष 2017 को शिकायत की थी, जिसके जवाब में कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया, बाद में शासन वर्ष 2020 में डॉ पीजी नाजपांडे को पत्र भेजकर स्वयं स्वीकारा है कि चीन से आयातित जिलेटीन में 289.523 मेट्रीक टक जिलेटीन अमानक पाया गया है। लेकिन इसके बाद लगातार शिकायतें भेजने के बाद भी शासन चुप बैठा है।

च्युंगम, आईस्क्रीम, चीज, अन्य उत्पादों में हो रहा उपयोग

खाद्य पदार्थों को जिलेटीन के माध्यम से स्वादिष्ट बताया जाता है, वह टॉफियों, चॉकलेट, बेबी जेल, मिंट, च्युंगम, आइसक्रीम डिब्बा बंद के आईसिंग, फ्रांस्टींग , क्रीम, चीज, दही, पॉप टॉर्टस, भूनी हुई नमकीन, कॉफी, दुग्ध उत्पादों, जूस, सेव का रस (सिरका) पेय पदार्थों में उपयोग में लाया जाता है। मंच के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, डीआर लखेरा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे ने तत्काल कार्रवाई की मांग की हैं।

डीईओ घनश्याम सोनी का तबादला

जबलपुर। मध्य प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस फेरबदल के तहत जबलपुर के जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी (डीईओ) को भोपाल स्थानातंरित करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड के सचिव पद पर पदस्थ किया गया है। श्री सोनी के स्थान पर फिलहाल किसी नए जिला शिक्षा अधिकारी की नियुक्ति की घोषणा नहीं की गई है, जिससे जबलपुर में यह पद रिक्त हो गया है। अब वे भोपाल में मदरसा बोर्ड के सचिव पद का दायित्व संभालेंगे। इस तबादले के साथ राज्य शासन ने शिक्षा विभाग के कुल 10 अधिकारियों का स्थानांतरण करते हुए उन्हें नवीन पदस्थापना स्थलों पर तत्काल प्रभाव से पदस्थ किया है। इधर अरुण कुमार इंगले को प्रभारी संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर मप्र बनाया गया है। वहीं कटनी के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी पी.पी. सिंह को प्रभारी उप संचालक, कार्यालय संयुक्त संचालक, जबलपुर संभाग जबलपुर मप्र बनाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग को नहीं जनजीवन से खिलवाड़ की फिक्र

सेहत बिगाड़ रहे कार्बाइड से पके फल

हरिभूमि जबलपुर।

सावधान कार्बाइड से पके फल खाने से शरीर के अंग क्षतिग्रस्त हो सकते हैं और आपको लीवर, गुर्दे तथा बड़ी आंत का कैंसर हो सकता है। बाजार में इस समय फलों के राजा आम, केला, पपीता की भरमार है। जिन्हें बेहद नुकसानदायक जहरीले रसायन कार्बाइड से पकाया जा रहा है। जबलपुर शहर की फल-मण्डी में कृषि उपज मंडी में गोदामों में खतरनाक कार्बाइड से फलों को पकाया जा रहा है। शादी-ब्याह का सीजन और मौसम में आ रहे बदलाव के कारण मरीजों की संख्या अधिक होने पर फलों की मांग भी ज्यादा है। अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में किसान और व्यापारी दोनों मानव-स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। जबलपुर शहर में किसी को देखने की फुरसत नहीं है कि कहां क्या हो रहा है.? बाजार में खुलेआम जहर बिक रहा है और खाद्य विभाग लम्बी तान सो रहा है। फल खरीदते समय भले ही उम्दा दिखे, लेकिन आप ये जरूर पुष्टि करने की कोशिश करें कि कहीं ये कार्बाइड से तो नहीं पकाया गया। यदि ऐसा हुआ है तो ये फल कैंसर की वजह भी बन सकता है। यह जानकारी अभी कम ही लोगों को है। इसका प्रमाण है कि उपभोक्ता कार्बाइड का उपयोग देखकर भी विरोध नहीं करते।

बाजार में उपलब्ध चमकदार फलों को खाने से आपको लीवर कैंसर, गुर्दे तथा बड़ी आंत का कैंसर हो सकता है। बाजार में इस समय फलों के राजा आम, केला, पपीता की भरमार है। जिन्हें बेहद नुकसानदायक तथा जहरीले रसायन कार्बाइड से पकाया जा रहा है। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण बीमार हुये लोगों को मौसमी फल खाने की सलाह देने वाले डॉक्टर खुद ही नहीं जानते कि कार्बाइड से पकाये फलों से क्या नुकसान हो सकते हैं। उन्हें यह भी नहीं मालूम कि कार्बाइड के प्रयोग पर कोई प्रतिबंध भी लगा है। उच्च न्यायालय ने फलों को पकाने के लिये कार्बाइड के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन स्वास्थ्य विभाग लम्बी तान सो रहा है। लोग महंगे दामों पर सेहत बनाने के लिये फल खरीद रहे हैं लेकिन इस बात से बेखबर हैं कि कार्बाइड से पके फल उनकी सेहत बिगाड़ रहे हैं।

हाईकोर्ट ने कहा, 10 वर्ष की सजा काटने के बाद उम्रकैद की सजा निरस्त

डीएनए प्रोफाइल का पता लगाने के लिए कोई जांच नहीं

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि जांच के दौरान डीएनए प्रोफाइल का पता लगाने के लिए कोई जांच नहीं की गई।जस्टिस अतुल श्रीधरन व जस्टिस अनुराधा शुक्ला की डिवीजन बेंच ने कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्य तथा विश्वसनीय गवाह नहीं होने के कारण ट्रायल कोर्ट का आदेश निरस्त करने योग्य है। इस मत के साथ कोर्ट ने उम्रकैद की सजा काट रहे आरोपित को दोषमुक्त कर दिया। वह 10 वर्ष की सजा काट चुका था। सेशन कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को अपील के जरिए चुनौती दी गई थी। अपीलकर्ता अनूपपुर जिला अंतर्गत कोतमा निवासी रिंकू उर्फ घनश्याम की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि 2015 में सेशन कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुना दी थी। उसे दुर्भावनावश दुष्कर्म के प्रकरण में फंसाया गया था। डीएनए जांच के बिना ही दोषी मानते हुए सजा सुना दी गई। दरअसल, जिस नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया गया, उसके साथ अपीलकर्ता का पूर्व में पानी भरते समय विवाद हो गया था। बर्तन फेंके जाने के बाद से नाबालिग की मां दुर्भावना रखने लगी थी। हाई कोर्ट ने अपील पर सुनवाई के बाद अपने आदेश में साफ किया कि अपीलकर्ता द्वारा कथित रूप से किए गए कृत्य के बारे में किसी भी स्वतंत्र स्रोत से कोई पुष्टि नहीं हुई है। डीएनए प्रोफाइल का पता लगाने के लिए कोई जांच नहीं की गई। इसके अलावा एफआईआर दर्ज करने में देरी से विश्वसनीयता और ईमानदारी भी प्रभावित होती है।

राज्य सरकार को पृष्ठभूमि पता लगाने के निर्देश

नाबालिग को उसके फूफा के साथ भेजने से हाईकोर्ट का इनकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक नाबालिग को उसके फूफा के साथ भेजने से इनकार कर दिया। जस्टिस एके पालीवाल व जस्टिस दीपक खोत की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि व फूफा की सामाजिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि की जांच करें। यह भी पता लगाएं कि क्या नाबालिग बच्चे की कस्टडी उसे सौंपना सुरक्षित है। कोर्ट ने फिलहाल नाबालिग को उसके फूफा के साथ भेजने से इनकार कर दिया। दरअसल, रतलाम के कालूराम ने हाईकोर्ट को एक पत्र भेजा था। पत्र में बताया गया कि कोर्ट के आदेश पर नाबालिग बच्ची को बाल कल्याण समिति भेज दिया गया। जब वह अपनी बच्ची से मिलने गया तो वह नहीं मिली। कालूराम ने आरोप लगाया कि उसकी बच्ची को बेच दिया गया है। गंभीर आरोप के चलते चीफ जस्टिस के निर्देश पर इस पत्र को याचिका के रूप में सुनवाई की गई। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नाबालिग को पेश करने कहा था। मामले पर सुनवाई के दौरान नाबालिग की ओर से कहा गया कि वह बाल कल्याण समिति में नहीं जाना चाहती और वह अपने फूफा के साथ जाना चाहती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि फूफा प्राकृतिक संरक्षक नहीं है, इसलिए उसकी पृष्ठभूमि को जाने बिना नाबालिग को नहीं सौंप सकते। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक नाबालिग को पुनः बाल कल्याण समिति भेज दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत हुआ बावड़ी उत्सव का आयोजन

जबलपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कर पनागर में जयप्रकाश वार्ड स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई की गई। विधायक सुशील तिवारी इंदु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका पनागर के अध्यक्ष प्रदीप पटेल भी मौजूद थे। विधायक सुशील तिवारी इंदु ने कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में बावड़ी संरक्षण के कार्यों में जनसमुदाय की भागीदारी को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि पनागर विधानसभा क्षेत्र में जल संवर्धन के कार्यों तथा बावड़ी, तालाब और कुओं जैसे जल स्त्रोतों के सरंक्षण में शासन-प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता का भी सहयोग लिया जायेगा। श्री तिवारी ने जल एवं वृक्षों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जल और वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। हमें अपने प्राचीन जल स्त्रोतों जैसे बावड़ियों और तालाबों का संरक्षण कर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करना होगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल ने बावड़ी उत्सव कार्यक्रम के माध्यम से बावड़ी व जल स्त्रोतों के संरक्षण में निरंतर सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में तहसीलदार श्री विकास जैन, विधायक प्रतिनिधि श्री आंनद जैन मिंचु सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

जनभागीदारी से होगा प्राचीन जल स्त्रोतों का संरक्षण : विधायक

मुस्लिम हमेशा देश की हिफाजत के लिए तैयार

कर्नल सोफिया जैसी बेटी हर घर में हो : मौलाना

हरिभूमि जबलपुर।

ईद के मौके पर मुफ़्ती-ए-आज़म मप्र मुफ़्ती-ए-आज़म मौलाना डॉक्टर मोहम्मद मुशाहिद रजा कादरी ने ईद की नामाज के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा में कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी बेटी हर घर में पैदा हो। उन्होंने सोफिया की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि हमें फक्र है कि कर्नल सोफिया जैसी बेटी ने हिन्दुस्तान में जन्म लिया और मुल्क की हिफाजत में अपना अहम किरदार निभाया। उन्होंने सोफिया की देशभक्ति के जज्बे को सलाम करते हुए दुआओं से भी नवाजा साथ ही देश में चल रहे हिंदू-मुस्लिम के माहौल पर चिंता जताई।

बेमिसाल बेटी है सोफिया कुरैशी

मध्यप्रदेश के मुफ्ती ए आजम ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी एक बेमिसाल बेटी है। उन्होंने कहा कि सोफिया ने मुस्लिम समाज का गौरव बढ़ाया है। मुफ्ती ए आजम ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के बीच शहीद हुए फौजी जवानों को अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मुल्क की हिफाजत और सेना की निगरानी और जवानों की बॉर्डर पर तैनाती के कारण ही हम खुली हवा में श्वांस ले पा रहे है। देश की सुरक्षा करने वाले फौजी भाईयों का जितना भी एहतराम किया जाए, वह बहुत ही कम है।

हमें अनदेखा मत कीजिए

बकरीद के मौके पर मध्यप्रदेश के मुफ्ती ए आजम ने जबलपुर में पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा के दौरान कहा कि इन दिनों हमारे भारत देश में हिंदू-मुसलमान बहुत जोरों से चल रहा है, जो कि ठीक नहीं है। उन्होंनें कहा कि मुल्क में फिरका परसती चल रही है, जो कि नहीं होना चाहिए। मुफ्ती ए आजम ने कहा कि सभी ने मिलकर देश को आजाद किया है, और मिलकर ही इस मुल्क की हिफाजत कर रहें है, चाहे आप सरहदों पर देख लीजिए, या फिर स्थानीय प्रशासन में। उन्होंने कहा कि हमें अनदेखा मत कीजिए, हम हमेशा मुल्क की हिफाजत में थे, हमेशा रहेंगे, और हमारी नस्लें भी रहेगी। हम दुआ करते है कि हमारा मुल्क दुनिया की मानी हुई ताकत बने।

ईद-उल-अज़हा (बकरीद) का पर्व अकीदत और शालीनता के साथ मनाया गया

इस्लाम का संदेश मोहब्बत और अमन : मौलाना

हरिभूमि जबलपुर।

मुस्लिम धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व ईद-उल-अज़हा (बकरीद) शनिवार को जबलपुर में अकीदत और शालीनता के साथ मनाया गया। शहर की विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में हज़ारों मुस्लिम बंधुओं ने ईदुज्जहा की नमाज अदा की, जहाँ पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

ईदगाह कलां रानीताल में मुफ़्ती-ए-आज़म मध्य प्रदेश, हज़रत, मौलाना, डॉक्टर मुशाहिद रज़ा कादरी साहब स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण तकरीर नहीं कर पाये इसलिए उनकी इजाजत से मुफ़्ती सैय्यद अब्दुल रहमान मिस्बाही ने विशाल जनसमूह को संबोधित किया। मौलाना साहब ने अपनी तकरीर में फ़रमाया कि पैगम्बरे इस्लाम, हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम ने इंसानियत को जो सबसे बड़ा दर्श दिया है वह मोहब्बत, अमन, आपसी भाई-चारा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस्लाम का अर्थ ही अमन और शांति है।

मौलाना साहब ने बड़े दुख के साथ कहा कि हमारे बीच के ही कुछ मुसलमानों की जहालत के कारण दूसरे लोग हमें बदनाम करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कुरान शरीफ की पहली आयत का उल्लेख करते हुए बताया कि वह पढ़ने और इल्म हासिल करने का आदेश देती है। इसके बावजूद, पैगंबर मोहम्मद

सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम पर जान न्योछावर करने का दावा करने वालों की जहालत का आलम यह है कि आज दुनिया में सबसे ज्यादा किसी कौम को जहालत में डूबा हुआ और पिछड़ा हुआ कहा जाता है, तो वह मुस्लिम कौम है। मौलाना साहब ने आगाह किया कि अगर कोई कौम गलतियाँ करती जाती है और अपनी नाकामियों को दूर नहीं करती, अपनी कामयाबी की ओर नहीं जाती और अपनी सोसाइटी का कल्चर अपने मजहब के मुताबिक अपनी जिंदगी गुजार-बसर नहीं करती, तो वह कौम तबाह और बर्बाद हो जाती है।

उन्होंने पिछली सदियों का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे एक हाथ में कुरान शरीफ होती थी और दूसरी जानिब हम तिजारत किया करते थे। यही वजह थी कि बड़े से बड़े बादशाहों की औलादें हमारे पास इल्म हासिल करने के लिए लाइन लगाकर खड़ी रहती थीं, लेकिन आज के समय में मौलाना साहब ने कहा कि सबसे पिछड़े हम हैं, सबसे ज्यादा बदअख़लाकी हमारी कौम में है, और दुनिया अगर किसी कौम को कमजोर कह रही है या दुनिया खौफजदा है, तो वह मुस्लिम कौम है।

विधायक लखन घनघोरिया ने दी बधाई

गोहलपुर ईदगाह में पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक लखन घनघोरिया ने ईद-उल-अजहां की बधाई दी। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा क्षेत्र 97 के सुरेंद्र सिंह चौहान, गन्नू समाजसेवी, विजय पटेल, अनिल कोस्टा, सौरभ कनौजिया, संजय कुशवाहा, गांधी पटेल, संतोष पटेल, इश्तियाक अंसारी, याकूब अंसारी, पार्षद इरफान राजू, मोइनुद्दीन शकील के साथ बड़े बुजुर्ग युवा साथी उपस्थित थे।

मुस्लिम समाज ने जताया आभार

ईदुज्जुहा का पर्व आपसी भाईचारा एवं शालीनता के सम्पन्न होने पर मुस्लिम समाज के वरिष्ठ समाजसेवी हाजी कदीर सोनी, हाजी मकबूल अहमद रज़वी, हाजी शेख जमील नियाजी, पप्पू वसीम खान, मतीन अंसारी, हाजी मुईन खान, जमा खान, बाबा रिजवान, अमीन कुरैशी, प्यारे साहब, मुबारक कादरी, सैयद कादिर अली कादरी, हाजी तौसीफ रजा, अकबर खान सरवर, याकूब अंसारी, नियाज मंसूरी, हाजी हामिद मंसूरी, शमीम अंसारी गुड्डू, अशरफ मंसूरी, शाकिर कुरैशी, सैयद शौकत अली, जवाहर कादरी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के सराहनीय योगदान पर एवं संस्कारधानीवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मोमिन ईदगाह गोहलपुर- सुबह 8 बजे हाफिज मोहम्मद ताहिर साहब ने नमाज अदा कराई। नमाजियों की विशाल संख्या को देखते हुए ईदगाह के सामने मुख्य सड़क और उर्दू स्कूल के मैदान तक लंबी कतारें लगी थीं।

ईदगाह सदर- सदर बाजार ईदगाह में सुबह 9 बजे मौलाना जियाउर रजा चांद कादरी ने नमाज अदा कराई। यहां सुरक्षा संस्थानों, सेना इकाइयों में सेवारत मुस्लिम अधिकारी-कर्मचारियों और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अध्ययनरत मुस्लिम छात्रों ने भी नमाज पढ़ी।

गढ़ा ईदगाह- उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा ईदगाह में क्षेत्रीय लोगों के साथ-साथ नेताजी सुभाषचंद्र बोस शासकीय मेडिकल कॉलेज में सेवारत मुस्लिम कर्मचारियों और अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भी नमाज अदा की। हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ ने सुबह 10 बजे नमाज कराई।

शिया जामा मस्जिद- फूटाताल स्थित शिया जामा मस्जिद जाकिर अली में सुबह 10 बजे मौलाना सैयद हैदर मेंहदी साहब ने ईद-उल-अजहा की नमाज अदा कराई।

भावनाए की मासिक बैठक आज

जबलपुर। भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन की मासिक बैठक 8 जून को हरिशंकर परसाई भवन में शाम 5 बजे से आयोजित है। बैठक में ओवरटाइम, एरियर्स, इंक्रीमेंट, (जुलाई, दिसम्बर) कोर्ट केस से संबंधित चर्चा की जाएगी। उपस्थिति की अपील अध्यक्ष टीके रायघटक, डीके सिंह, एसके श्रीवास्तव, आरबी शाह, विनायक राव सोरते, नंदलाल कोष्टा, नारायण दाहिया, शंकर विनोदिया, अर्जुन, अब्दुल रहमान, दिलीप कुमार कुण्डे, लखन लाल प्रजापति, हरजीवन विश्वकर्मा, दिनेश चौरे, एचएल जांगड़े सहित अन्य ने की है।

वुमेन फार ट्री के लिए मातृ-शक्तियों का आह्वान

सिहोरा। मध्य प्रदेश शासन द्वारा वुमन फार ट्री का आगाज महिलाओं के द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम के माध्यम से मात्र शक्तियों का आह्वान किया गया। यह कार्यक्रम 31 अगस्त तक चलेगा। अभियान का शुभारंभ सिहोरा के वार्ड नंबर 9 में निर्माणाधीन अमृत पार्क में मातृशक्तियों के द्वारा पौधारोपित कर किया गया। इन पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी भी उनके द्वारा निभाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेन्द्र ओझा, पार्षद ज्योति चक्रवर्ती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमोद साहू, जन अभियान परिषद के समन्वयक आशीष जैन नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति की अध्यक्ष सुषमा कर्चुली, सौरभ पाण्डेय, रजनीश उपाध्याय, लक्ष्मीकांत परोहा, सचिन नामदेव, सुरभि कोरी, अमृत नोडल गौरव चौधरी, पूनम बर्मन सहित अनेक बहनें सम्मिलित हुई। वुमेन फॉर ट्री पौधारोपण अभियान के शुभारंभ पर सीएमओ द्वारा शपथ भी दिलाई गई।

दंडवत करते 11 जून को निकलेगी नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा

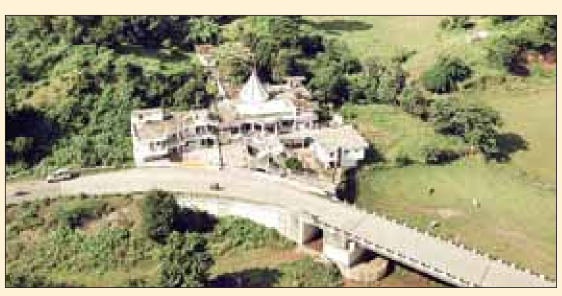

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रत्येक पूर्णिमा को निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा 11 जून बुधवार ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रात 6 बजे बुधवार को संत महात्माओं के सानिध्य में 467 वी पंचकोशी दंडवत करते हुए निकाली जाएगी उसके बाद 4 माह चातुर्मास के कारण पंचकोषी परिक्रमा बंद रहेगी कार्तिक पूर्णिमा 5 नवंबर को नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा महाकुंभ से प्रारंभ होगी। पंचकोषी परिक्रमा आश्रम से प्रारंभ होकर पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन होते हुए लम्हेटा घाट में नाव से पार कर शनि मंदिर न्यू भेड़ाघाट होते हुए सरस्वती घाट से नाव पार कर आश्रम में विशाल भंडारे के साथ स्वामी रामचंद्र दास महाराज के सानिध्य में बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र के वितरण के साथ यात्रा का समापन होगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा के अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल पप्पू चौबे विनोद दीवान मनोज गुलब्बानी दुर्गा पटेल सुरेश विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा विशाल पड्या आदि ने की है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए लिया पौधारोपण कर लिया संकल्प

जबलपुर। निरभव निरवैर सेवक जत्थे के दमनीत सिंह प्रिंस भसीन ने बताया कि जत्थे द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर साप्ताहिक अभियान चलाया जा रहा है, इसी तारतम्य में 7 जून को श्री गुरु सिंघ सभा रांझी की नवनिर्वाचित स्त्री सत्संग द्वारा खालसा स्कूल में पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अमृत कौर भसीन, डॉ. जसवंत कौर नाग, परमजीत कौर चंडोक, अरविन्दर कौर आनंद, मंजीत कौर रूपराह, सुखविंदर कौर अहलुवालिया, जसपाल कौर नाग, सतिन्दर कौर आनंद एवं खालसा स्कूल की प्राचार्य शशि रजक एवं सुमिन्दर कौर मठारू सहित अन्य ने पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

केंद्रीय कारागार के नेत्र शिविर में 300 मरीजों का हुआ नेत्र परीक्षण

जबलपुर। दादा वीरेंद्रपुरी जी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) के तत्वावधान में सुभाषचंद्र बोस सेंट्रल जेल में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 300 मरीजों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि जेल परिसर में रहते हुए बंदियों की आंखों में कई समस्याएं हो जाती हैं, जिसका समय पर इलाज जरूरी है। शिविर में 10 मरीज मोतियाबिंद से ग्रस्त पाए गए, 160 ऐसे मरीज थे जिन्हें चश्मे की आवश्यकता थी, जाँच उपरांत उन्हें निःशुल्क चश्मा प्रदान किया गया। कुछ मरीजों को आँख में इन्फेक्शन था उनको दवाइयां वितरित की गयी। ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों का सुरक्षा के साथ सरकारी योजना के अनुसार मोतियाबिंद के ऑपरेशन किये जायेंगे। नेत्र जाँच के इस शिविर को सफल बनाने में जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर के मार्गदर्शन में पूर्ण व्यवस्था जेलर मदन कमलेश द्वारा की गयी। शिविर में श्रीमती रूपाली शर्मा, सहायक अधीक्षक हिमांशु तिवारी, डॉ. पवन स्थापक, डॉ. अपूर्वा स्थापक, डॉ. प्रांजल जैन, सुशील मुदलियार, देवजी नेत्रालय टीम, दक्षिण भारतीय संघ, ईश्वर सेवा समिति एवं सेवा भारती संघ की उपस्तिथि रही।

अकीदत के साथ मनाई गई बकरीद

पाटन। नगर के जामा मस्जिद एवं हसनैन मस्जिद में मुफ्ती इर्शादुल कादरी साहब एवं मुफ्ती अब्दुल कबीर साहिब ने ईद की नमाज संपन्न कराई। मुफ्ती साहब की तकरीर के बाद जैसे ही अल्लाह हू अकबर की गूंज के साथ हजारों सर एक साथ सजदे में झुक गए और अल्लाह की बंदगी के प्रति समर्पण का अद्भुत नजारा था। नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया और अंत में मुफ्ती साहब ने देश प्रदेश नगर गांव की तरक्की और खुशहाली की विशेष दुआएं मांगी नमाज अदा करने के बाद नमाजियों ने एक दूसरे के गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन के अधिकारी पुलिस प्रशासन के साथ गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे सुबह से ही इस खास मौके पर मुस्लिम क्षेत्रों में सुन्नते इब्राहिम की याद में कुर्बानी पेश की एवं दिनभर चहल पहल देखी गई लोगों द्वारा एक दूसरे के घर पर जाकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर हाजी अब्दुल समद मासाब, हाजी याक़ूब मुल्लाजी, फिरोज, आरिफ, जाबिर, सुहेल, माजिद, अलादीन, कामिल, रजा खान, साहिद, आसिफ, सद्दाम, भूरा, बहादुर, वहीद, मोहसिन, जुनेद, तौसीफ, हारुन शेख डबबू शेख मोहम्मद शेख बहादुर शेख वजीर शेख आसिफ गुरु मोहल्ला पाटन ने भी शिरकत की।

ट्रेनों के स्टापेज को लेकर बहोरीबंद विधायक से मिला प्रतिनिधिमंडल

सिहोरा। रेलों के स्टॉपेज ठहराव की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए विगत दिनों संघर्ष समिति सिहोरा, बहोरीबंद, मझौली, ढीमरखेड़ा के सदस्यों द्वारा अरुण जैन के नेतृत्व में बहोरीबंद रीठी विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रणय प्रभात पांडे के निवास स्थान पर पहुंचकर ज्ञापन दिया गया इस ज्ञापन में विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामों का संबंध सीधे सिहोरा रेलवे स्टेशन से है जिसकी दूरी सिहोरा से कम पड़ती है इनमें मुख्य कुआं,कोडिया, पिपरिया, बुधनवारा, ककरेटा, खडरा, सोमा, सिंदुरी छपरा, रूपनाथ, हथियागड, अमरगढ़, अमोदा तथा मुख्यालय बहोरीबंद बाकल तक की यात्री सिहोरा स्टेशन से अपना सफर तय करते हैं रीवा-इतवारी, शहडोल-नागपुर, रीवा-पुणे ट्रेन का स्टॉपेज यदि सिहोरा रेलवे स्टेशन होता है तो बहोरीबंद रीठी विधानसभा क्षेत्र के यात्रियों के लिए यात्रा सुविधाजनक रहेगी विधायक द्वारा संबंधित विभाग एवं अपने संसदीय क्षेत्र के सांसद मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बीडी शर्मा से चर्चा कर ट्रेनों के स्टॉपेज के संबंध में बात की जाएगी इस अवसर पर दिनेश गुप्ता,राजा मोर, शिशिर पांडे, राकेश जैन, बहादुर सिंह, रमेश परवानी, मूलचंद विश्वकर्मा, निशांत विश्वकर्मा, चेतराम विश्वकर्मा, राजकुमार गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, अरुण सिंघई तथा कांग्रेस नेता अशोक खरे, श्याम शुक्ला, उपस्थित थे।

जिला के लिए झूठे वायदे करने वाले दिग्गज भाजपा नेताओं को धरना में जमकर कोसा

सिहोरा। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने शुक्रवार को बस स्टेंड सिहोरा में जबरदस्त प्रदर्शन किया।प्रदर्शन कारियों ने उमा भारती,स्मृति ईरानी,प्रह्लाद पटेल,शिवराज सिंह चौहान जैसे दिग्गज नेताओं पर झूठी घोषणा कर वोट लेने का आरोप लगाते हुए कहा जमकर कोसा तथा कहा कि इन नेताओ ने सिहोरा वासियों के साथ विश्वासघात किया है।समिति ने दोहराया कि सिहोरा जिला बनने तक वे पीछे हटने वाले नही है।

पोस्टर से भरा रहा पंडाल

समिति द्वारा बस स्टेंड में बनाया गया धरना स्थल बड़े भाजपा के दिग्गज नेताओं के द्वारा की गई घोषणा के वक्तव्य,उसकी तिथि और फोटो से भरा हुआ था।नेताओं की घोषणा के बाद उनकी फोटो के नीचे क्रमशः पूंछा गया था कि स्मृति ईरानी कौन है, उमा भारती कौन है,प्रह्लाद पटेल कौन है,शिवराज सिंह कौन है? इन पोस्टरों ने सिहोरा वासियों का ध्यान जहां अपनी ओर खींचा वही सच्चाई का दर्पण भी बना रहा।

विधायक के नेतृत्व में मिले कलेक्टर से

धरना प्रदर्शन के दौरान सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े ने समिति के सदस्यों से संपर्क किया और शाम को कलेक्टर के साथ मीटिंग का प्रस्ताव दिया।सिहोरा में नायब तहसीलदार को अपना ज्ञापन सौंपने के बाद समिति का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक के नेतृत्व में जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना से मिला।समिति ने कलेक्टर से सिहोरा जिला बनने के समस्त दावों को आंकड़ों सहित प्रस्तुत कर मांग की कि वे सरकार को सिहोरा जिला का प्रस्ताव प्रस्तुत करें।कलेक्टर ने विधायक की मध्यस्थता में हुई चर्चा में आश्वस्त किया कि ज्ञापन पत्र के प्रत्येक बिंदु का परीक्षण कर उपयुक्त कार्यवाही की जावेगी।

इनकी रही उपस्थिति

शुकवार को हुए प्रदर्शन में समिति के अनिल जैन, विकास दुबे नीतेश खरया, कृष्ण कुमार कुररिया, संजय पाठक, मानस तिवारी, गुलाब मरकाम, रामजी शुक्ला, जितेंद्र श्रीवास, राकेश मणि त्रिपाठी, संतोष वर्मा, रामजी शुक्ला, सुशील जैन शुक्ला, नंदू परोहा, रमा चौरसिया, आलोक पांडे, अमित चौरसिया, रविदीप सिंह, शरद सेठ, नत्थू पटेल, निसार अहमद, अनिल खंपरिया सहित सैकड़ों सिहोरा वासी मौजूद रहे।

रादुविवि में छात्र विरोधी गतिविधियों को प्रश्रय!

जबलपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई जबलपुर जिलाध्यक्ष सचिन रजक एव राहुल रजक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति के नाम संभागीय आयुक्त जबलपुर को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में व्याप्त प्रशासनिक तानाशाही, शासन के नियमों की खुली अवहेलना एवं निम्नवर्गीय छात्रों के अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध दिया गया। जिलाध्यक्ष सचिन रजक ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जानबूझकर शासन की मेधावी छात्र योजना, संबल योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं को निष्क्रिय कर दिया गया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी प्रवेश नियमावली 2025-26 के बिंदु 6.6.3 के अनुसार मेधावी छात्र योजना, संबल योजना तथा अन्य शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क एवं नामांकन शुल्क से पूर्णतः छूट प्रदान की जानी है। परंतु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा इसके विपरीत सभी छात्रों से सम्पूर्ण शुल्क पहले ही चरण में वसूल किया जा रहा है। यह निर्णय न केवल शासनादेशों की अवमानना है, बल्कि गरीब छात्रों के साथ अन्याय और शोषण का ज्वलंत उदाहरण भी है।

प्रवेश नियमावली 6.6.3 (द) स्पष्ट करता है कि यदि कुल शुल्क 5 हजार से अधिक हो, तो छात्रों को तीन किश्तों में भुगतान की सुविधा दी जानी चाहिए। लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को यह सुविधा नहीं दी जा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ रहा है। कई अभिभावक एवं छात्र अत्यधिक मानसिक तनाव में हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा के कार्यकाल में विश्वविद्यालय की स्थापना काल से चली आ रही छात्राओं को दी जाने वाली फीस छूट की ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक परंपरा को बिना किसी परामर्श या विचार-विमर्श के समाप्त कर दिया।

नाम एवं जन्मतिथी सुधार

मैं अजीत कुमार तिवारी पिता श्री मनकामना प्रसाद तिवारी रहवासी बर्न कम्पनी नियर हनुमान मंदिर कॉचघर रोड साऊथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.) आधार कार्ड नंबर - 9654 8352 1139 शपथपूर्वक कथन करता हूँ। कि मैं बी.ई.जी (किरकी) ग्रुप सेंटर (महाराष्ट्र) से 30 सितंबर 2020 को रिटार्यमेंट हुआ मेरा सर्विस नंबर 15574335F है। वर्तमान में मैं पेंशनर हूँ। कोविड के दौरान रिटार्यमेंट होने की वजह से मुझे सेंटर में जाने का अवसर नही मिला जिस वजह से मैं अपने माता-पिता के नाम और जन्मतिथी में सुधार नही करा पाया। कृपा कर मेरी डिस्चार्ज बुक एवं सर्विस डॉक्यूमेंट में सुधार करिये।

गलत नाम व जन्मतिथि पिता
मनोकामना प्रसाद तिवारी जन्मतिथी -10 अक्टूबर 1945
सही नाम व जन्मतिथि पिता
मनकामना प्रसाद तिवारी जन्मतिथि - 01/03/1950
गलत नाम व जन्मतिथी माता
मीरा तिवारी जन्मतिथी - 06 जनवरी 1951
सही नाम व जन्मतिथी माता
मीरा बाई तिवारी जन्मतिथी- 01/01/1963

श्रीमति ज्योत्सना शुक्ला- जबलपुर निवासी प्रसार भारती

आकाशवाणी केन्द्र रायपुर के समाचार संपादक विकल्प शुक्ला की माताजी श्रीमती ज्योत्सना शुक्ला का गत दिवस रायपुर में निधन हो गया। अंत्येष्टि रायपुर में संपन्न हुई।

श्री सुदर्शन सिंह ऋषिराज- हाथीताल निवासी श्री सुदर्शन सिंह ऋषिराज (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सनोज कुमार दुबे- नरसिंह नगर रांझी निवासी श्री जीतेश्वर प्रसाद दुबे के पुत्र श्री सनोज कुमार दुबे (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा रैकवार- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी श्री मथुरा प्रसाद रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा रैकवार (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गोविंद सोनी- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री गोविंद सोनी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम प्रसाद केवट- लालमाटी चांदमारी ओम कला मंदिर रोड निवासी श्री राम प्रसाद केवट का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती संगीता खरे- अग्रवाल कम्पाउंड पोलीपाथर निवासी श्री सुभाष खरे की धर्मपत्नी श्रीमती संगीता खरे (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

अभिषेक बेडिय़ा- ग्राम खैरी सिमरिया (पन्ना) निवासी श्री देवपाल बेडिय़ा के अल्पायु पुत्र अभिषेक बेडिय़ा (09) का विगत दिवस निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
रंगीन 900/-
रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-

किसानों को सिर्फ 4% की दर से मिलेगा 5 लाख रु. तक का लोन

❑ केसीसी योजना के लिए लाभ लेना बहुत आसान, मिल रहे बड़े फायदे ❑ किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो या बटाइदार, कर सकते हैं आवेदन
❑ केंद सरकार ने लोन सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक किया ❑ खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए ले सकते हैं किफायती लोन
❑ किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी ❑ इसका मकसद किसानों को खेती की जरूरतों के लिए सस्ता लोन उपलब्ध कराना

जानकारी
बिजनेस डेस्क

किसानों के लिए खेती को आसान और किफायती बनाने के मकसद से शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना अब और भी फायदेमंद हो गई है। केंद्रीय बजट 2025-26 में केंद्र सरकार ने इस योजना की लोन सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था। इतना ही नहीं, इसकी ब्याज दर भी 4% सालाना है, जो किसानों के लिए बड़ा लाभ है। इसके साथ ही सरकार ने इस योजना की ब्याज सहायता (इंटरेस्ट सब्सिडी) को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे किसानों को सस्ता लोन मिलना जारी रहेगा। यह खबर उन लाखों किसानों के लिए खुशखबरी है, जो खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए किफायती लोन की तलाश में हैं। आइए, इस योजना को विस्तार से समझते हैं और जानते हैं कि इसे लेना कितना आसान है।

क्या है किसान क्रेडिट कार्ड योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी। इसका मकसद था किसानों को उनकी खेती की जरूरतों के लिए सस्ता और आसान लोन उपलब्ध कराना। इस योजना को भारत सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड ने मिलकर शुरू किया था। यह कार्ड किसानों को एक क्रेडिट लाइन देता है, जिसका इस्तेमाल वे बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण खरीदने पशुपालन और मछली पालन जैसे कामों के लिए कर सकते हैं। इस कार्ड की खासियत यह है कि यह 5 साल की वैलिडिटी के साथ आता है और समय पर लोन चुकाने पर ब्याज में छूट भी मिलती है।

क्या हैं अतिरिक्त फायदे?

किसान क्रेडिट कार्ड के साथ कई अतिरिक्त फायदे भी मिलते हैं। मसलन, अगर फसल प्राकृतिक आपदा या कीटों के कारण खराब हो जाती है, तो बीमा कवरेज मिलता है। इसके अलावा, अगर किसान अपने केसीसी खाते में पैसे जमा करता है, तो उसे बचत खाते की तरह ब्याज भी मिलता है। साथ ही, कई बैंक केसीसी के साथ रुपे डेबिट कार्ड भी देते हैं, जिससे किसान आसानी से मंडियों या इनपुट डीलरों के साथ लेन-देन कर सकते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

किसान क्रेडिट कार्ड एक रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट खाते की तरह काम करता है। इसका मतलब है कि किसान जरूरत के हिसाब से पैसे निकाल सकता है और चुकाने के बाद फिर से लोन ले सकता है। लोन की राशि फसल की कटाई और बिक्री की अवधि के आधार पर चुकानी होती है। किसान को साल में दो बार ब्याज और एक बार पूरी लोन राशि जमा करानी होती है। अगर समय पर भुगतान किया जाता है, तो अगले ही दिन नया लोन लिया जा सकता है। यह लचीलापन किसानों के लिए बड़ा फायदा है, क्योंकि वे अपनी जरूरतों के हिसाब से पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कौन उठा सकता है फायदा

यह योजना सिर्फ खेती करने वालों तक सीमित नहीं है। पशुपालन, मछली पालन, बागवानी या अन्य कृषि से जुड़े काम करने वाले लोग भी इसके लिए पात्र हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह भी इस कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकार का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिले, ताकि वे अपनी खेती को आधुनिक और लाभकारी बना सकें।

बढ़ गई सीमा

हाल ही में सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की अधिकतम सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला 2025 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिया, जिसका मकसद किसानों को उनकी बढ़ती जरूरतों के लिए ज्यादा आर्थिक सहायता देना है। इस लोन पर सामान्य ब्याज दर 7% सालाना है, लेकिन सरकार 2% की ब्याज सहायता देती है। इसके अलावा, अगर किसान समय पर लोन चुका देते हैं तो उसे 3% की अतिरिक्त छूट मिलती है। इस तरह प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% रह जाती है। यह सुविधा खेती के साथ-साथ मछली पालन और पशुपालन करने वाले किसानों के लिए भी उपलब्ध है।

बढ़ाई गई ब्याज सहायता की डेडलाइन

केंद्र सरकार ने हाल ही में संशोधित ब्याज सहायता योजना को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। इसका मतलब है कि किसानों को अगले वित्त वर्ष तक 4% की रियायती ब्याज दर पर लोन मिलता रहेगा। यह फैसला मई 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस कदम से देश के करीब 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को फायदा होगा। यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसानों को कम लागत पर कार्यशील पूंजी मिले, ताकि वे अपनी खेती को और बेहतर कर सकें।

आसान है केसीसी बनवाना

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना बेहद आसान है। कोई भी किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो, किरायेदार किसान हो या बटाईदार, सभी इस योजना के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जमीन के डॉक्यूमेंट और फसल की जानकारी शामिल होती है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान को पीएम किसान योजना की वेबसाइट (**pmkisan.gov.in**) पर जाना होगा। वहां से केसीसी का फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। फॉर्म में जमीन और फसल की जानकारी भरकर, जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ इसे नजदीकी बैंक में जमा करना होता है।

सिक्योरिटी की जरूरत नहीं

अगर ऑनलाइन प्रक्रिया में दिक्कत हो, तो किसान अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर सीधे आवेदन कर सकता है। बैंक में एक साधारण फॉर्म भरना होता है, जिसमें जमीन के कागजात और पहचान पत्र जमा करने होते हैं। आमतौर पर, अगर सभी डॉक्यूमेंट सही हैं, तो 5 से 7 दिनों के अंदर बैंक लोन स्वीकृत कर देता है। इसके अलावा, 1.6 लाख रुपये तक के लोन के लिए कोई सिक्योरिटी देने की जरूरत नहीं होती। 3 लाख रुपये से ज्यादा के लोन के लिए जमीन या अन्य संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर रखना पड़ सकता है। साथ ही, इस कार्ड के साथ किसानों को फसल बीमा और डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

5 साल में 4 गुना रिटर्न, कम खर्च में तिहरा बेनिफिट दिया

5 स्टार रेटिंग, कम खर्च वाले टॉप 5 इक्विटी फंड्स में तीन एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के | **इन स्कीम्स ने 5 साल में 32% तक रिटर्न देकर निवेशकों की दौलत कई गुना तक कर दी** | **इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम यानी फायदा**

बिजनेस डेस्क। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले निवेशकों को हमेशा ऐसी स्कीम की तलाश रहती है, जिनकी रेटिंग अच्छी हो और जो कम से कम खर्च में हाई रिटर्न देने की क्षमता रखते हों। हम यहां ऐसे ही 5 इक्विटी फंड्स की जानकारी देने जा रहे हैं, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है और जो पिछले 5 साल में 32% तक एवरेज एनुअल रिटर्न दे चुके हैं। इतना ही नहीं, इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम है। यानी इनमें निवेश करने वालों को बेस्ट रेटिंग, बेस्ट रिटर्न और कम खर्च का तिहरा बेनिफिट मिल रहा है। इन टॉप 5 में से तीन स्कीम्स एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की हैं। ये सभी इक्विटी फंड, निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी पर चलते हैं। इस इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी में फंड मैनेजर लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में फंड एलोकेशन अपनी मर्जी से तय करते हैं। इससे उन्हें बाजार के रुझान के हिसाब से एलोकेशन करके बेहतर रिटर्न हासिल करने का मौका मिलता हैं. साथ ही हर मार्केट सेगमेंट में निवेश करने की वजह से पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन का लाभ भी मिलता है। जिन लोगों के पोर्टफोलियो में इक्विटी स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं रहती उन्हें आमतौर पर एक ही स्कीम में बेहतर डायवर्सिफिकेशन के लिए ऐसे ही फंड्स में निवेश करने की सलाह दी जाती है।

फ्लेक्सिबल स्ट्रैटजी वाले टॉप इक्विटी फंड

हम यहां जिन टॉप 5 इक्विटी फंड्स की चर्चा करने जा रहे हैं, वे सभी इसी फ्लेक्सिबल निवेश रणनीति को फॉलो करते हैं। दरअसल, किसी भी मार्केट सेगमेंट वाले स्टॉक्स में निवेश की छूट के कारण ही वैल्यू रिसर्च ने एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ और एचडीएफसी रिटायमेंट सेविंग्स फंड (इक्विटी प्लान) को भी फ्लेक्सी कैप फंड की लिस्ट में शामिल किया है। इस लिस्ट में पराग पारीख फ्लेक्सी कैप फंड और एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड जैसी विशाल एसेट मैनेजमेंट वाली स्कीम्स भी शामिल हैं। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 स्टार रेटिंग दी गई है।

1. एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड (डायरेक्ट प्लान) एम.एस.
- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.95%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 26.26%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.61%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 19,551 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 4,00,361 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली SIP से 5 साल में जमा हुए : 11,62,044 रुपये

2. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड (डायरेक्ट प्लान)
- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.22%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 25.41%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.73%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 75,724 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,89,267 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 11,30,375 रुपये

3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ (डायरेक्ट प्लान)
- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 30.54%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 23.09%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 178 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,79,592 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,86,103 रुपये

4. एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड इक्विटी प्लान
- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 29.55%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.52%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.74%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 6473 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,65,209 लाख रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,46,988 रुपये

5. पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 27.34%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.21%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 103,866 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,43,054 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा : 10,31,937 रुपये

एकमुश्त और एसआईपी पर शानदार रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों से साफ है कि इन पांचों म्यूचुअल फंड्स ने पिछले 5 साल के दौरान अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। फिर चाहे वो वन-टाइम इनवेस्टमेंट हो या सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये किया गया निवेश, लेकिन निवेशकों को यह याद रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का मकसद सिर्फ जानकारी देना है. निवेश की सिफारिश करना नहीं। म्यूचुअल फंड्स का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती. निवेश के फैसले अपने निवेश सलाहकार की राय लेकर ही करें।)

कम खर्च में बढ़िया कमाई करवाने वाले 5 स्मॉल कैप फंड कर सकते मालामाल

35% से 39% तक रहा 5 साल का एनुअल रिटर्न, निवेशकों के पैसों को साढ़े चार गुना से 5 गुना तक बढ़ाया बेहद कम एक्सपेंस रेशियो के साथ दे रहे अच्छा रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स पर स्टॉक मार्केट की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। यानी बाजार में गिरावट आने पर उनके ज्यादा तेजी से गिरने की आशंका रहती है, लेकिन इसके साथ ही रिकवरी होने पर उनमें मुनाफे की गुंजाइश भी अधिक होती है। यही वजह है कि स्मॉल कैप फंड्स को हाई रिस्क, हाई रिटर्न इनवेस्टमेंट माना जाता है, लेकिन हम इस रिपोर्ट में 5 ऐसे स्मॉल कैप फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें पिछले 5 साल के प्रदर्शन के आधार पर लो कॉस्ट, हाई रिटर्न यानी कम खर्च में मोटा मुनाफा देने वाला कहा जा सकता है। इन सभी फंड्स का 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 35% से 39% तक रहा है, वह भी काफी कम लागत यानी एक्सपेंस रेशियो के साथ। जिन 5 स्मॉल कैप फंड्स की जानकारी दी है, उनका 5 साल का एवरेज एनुअल रिटर्न 35.81% से लेकर 39.61% तक है। इस हाई रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 साल में 4.65 गुना से लेकर 5.3 गुना तक कर दिखाया है। इतना ही नहीं, इन स्मॉल कैप फंड्स में अगर किसी ने 5 साल तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश किया होगा, तो उसकी मौजूदा फंड वैल्यू भी 5.74 लाख रुपये से लेकर 6.57 लाख रुपये तक हो गई होगी। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 या 4 स्टार की रेटिंग दी है और इनके डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो 0.34% से 0.65% के बीच है, जिसे काफी किफायती माना जा सकता है।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 39.61%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.3 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,15,113 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.21%)

2. बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.21%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.39%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.04 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,57,581 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 32.04%)

3. एडलवाइज़ स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 36.35%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.43%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.71 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,74,266 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.32%)

4. टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.98%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.34%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.65 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,83,439 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.98%)

5. इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.81%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.62 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,16,477 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.31%)

स्मॉल कैप में निवेश से पहले रिस्क समझ लें

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स लॉन्ग टर्म में औसत से काफी बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इन पर बाजार की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। इसी वजह से इन्हें काफी अधिक जोखिम की रेटिंग दी जाती है, लेकिन जो निवेशक हाई रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो में इन्हें जगह दे सकते हैं। अगर सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये लंबी अवधि तक निवेश किया जाए, तो इस रिस्क को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में निवेशकों को कम से कम 7 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश जारी रखना चाहिए। साथ ही स्मॉल कैप में एक्सपोजर 10-15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर अगर आप लंबी अवधि के लिए निवेश की सोच रहे हैं और ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं, तो स्मॉल कैप फंड्स अच्छा रिटर्न देने का दम रखते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये फंड्स वोलैटाइल होते हैं और शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव ला सकते हैं।

रिटायरमेंट की रेस जीतनी है तो पहले से करें तैयारी

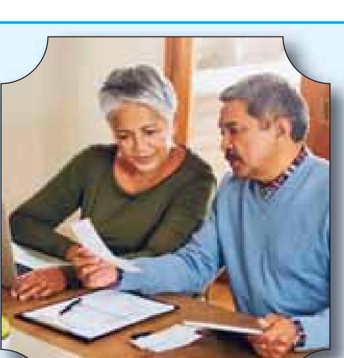

आखिरी वक्त में दौड़ने से नहीं बनेगा काम, फेल हो सकती है पूरी प्लानिंग
❑
युवाओं के लिए रिटायरमेंट का वक्त भले ही दूर हो, लेकिन जल्दी करें
❑
तैयारी जितनी जल्दी शुरू करेंगे, बाद में उतनी ही आसानी होगी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बुढ़ापा पूरी मस्ती में कटे तो रिटायरमेंट के लिए बेहतर प्लानिंग करें। इससे आपको असानी रहेगी और समय रहते आप रिटायरमेंट के लिए अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। रिटायरमेंट की प्लानिंग ऐसी दौड़ है, जिसमें जीतना है तो शुरुआत समय रहते करनी होगी। अगर आप आखिरी वक्त में तैयारी शुरू करेंगे, तो न तो सही ढंग से पैसों का इंतजाम हो पाएगा और न ही रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी सुकून भरी बन पाएगी। कामकाजी जिंदगी के शुरुआती दौर में रिटायरमेंट भले ही काफी दूर का लक्ष्य नजर आता हो, लेकिन उसके लिए जितनी जल्दी तैयारी शुरू की जाएगी, बाद में उतनी ही आसानी होगी। इसके लिए समय रहते अमाउंट जुटा लेना जरूरी है। तभी आपका बुढ़ापा बिना किसी टेंशन के कट सकेगा। वरना बडी परेशानी हो सकती है।

जल्द शुरुआत बड़ा फायदा

जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट प्लानिंग को आखिरी समय की तैयारी के तौर पर नहीं, बल्कि आदत के रूप में अपनाना चाहिए। जो लोग शुरुआत से ही छोटी-छोटी रकम निवेश करना शुरू कर देते हैं, उन्हें कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा फायदा मिलता है। इससे समय रहते आप अच्छा खासा पैसा जुटाकर अपने जीवन का समृद्ध बना सकते हैं। उनका यह भी मानना है कि रिटायरमेंट की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है और यह एक बार का काम नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली आदत होनी चाहिए। अगर आप अपने करियर के शुरूआती सालों में ही निवेश की आदत डाल लेते हैं, तो समय के साथ आपका फंड अपने आप बढ़ता चला जाएगा।

रेगुलर इनवेस्टमेंट

रिटायरमेंट फंड के लिए हर महीने एक तय रकम अलग रखना जरूरी है। यह रकम आपकी आमदनी के अनुसार कम ज्यादा हो सकती है, लेकिन इसे एक नियम की तरह अपनाना चाहिए। इससे यह प्लानिंग सिर्फ कागज पर नहीं, आपकी वित्तीय आदतों में शामिल हो जाएगी। हर महीने रिटायरमेंट के लिए निवेश की गई छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकती है, बशर्ते आप रेगुलर इनवेस्टमेंट का सिलसिला बनाए रखें।

सही एसेट एलोकेशन है बेहद जरूरी

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते वक्त सिर्फ सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट पर भरोसा करना ठीक नहीं. आपको अपनी रिस्क लेने की क्षमता के हिसाब से इक्विटी और डेट जैसे विकल्पों के बीच संतुलन बना कर निवेश करना चाहिए। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) इस मामले में एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि इसमें आप अपनी रिस्क प्रोफाइल के मुताबिक इक्विटी, डेट और गवर्नमेंट बॉन्ड्स का चुनाव कर सकते हैं।

इंक्रिमेंट के साथ बढ़ाते चलें निवेश

जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़ती है, वैसे ही रिटायरमेंट के लिए की जाने वाली निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए. यह अपने फ्यूचर को और मजबूत बनाने का एक सबसे अच्छा तरीका है। हर साल अपने रिटायरमेंट पोर्टफोलियो का रिव्यू जरूर करें और जरूरत के हिसाब से उसमें बदलाव करें। यदि आप सही प्लानिंग के साथ चलेंगे तो परेशानी नहीं होंगे और अपने लिए आसानी से अच्छा फंड जुटा पाएंगे। रिटायरमेंट के बाद आपको किसी का मुंह ताकने की जरूरत नहीं होगी। अपने खर्चे खुद उठाने में सक्षम होंगे।

पूरी तैयारी के साथ होना चाहिए रिटायरमेंट

रिटायरमेंट का मकसद सिर्फ नौकरी खत्म होना नहीं है, बल्कि एक ऐसी जिंदगी जीना है, जिसमें आर्थिक चिंता न हो। अगर आप अपने करियर को बनाने में जितनी मेहनत करते हैं, उतनी ही एनर्जी अपने वित्तीय भविष्य को बनाने में भी लगाएं. रिटायरमेंट प्लानिंग को आज शुरू करना आपके कल को बेहतर बना सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि रिटायरमेंट की रेस में जीतने के लिए शुरुआत अभी से करनी होगी। आखिरी वक्त में दौड़ने से मंजिल नहीं मिलती, बल्कि वक्त पर उठाया गया एक-एक कदम आपके आने वाले कल को बेहतर बनाने में बड़ा योगदान कर सकता है।

रिटायरमेंट के लिए निवेश विकल्प

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) : पीपीएफ एक लंबी अवधि का निवेश विकल्प है जो आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ प्रदान करता है।
-एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) : एनपीएस एक रिटायरमेंट बचत योजना है जो आपको अपने भविष्य के लिए बचत करने में मदद करती है।
-म्यूचुअल फंड : म्यूचुअल फंड एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट : फिक्स्ड डिपॉजिट एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे जमा करने का अवसर प्रदान करता है।

शेयर बाजार : शेयर बाजार एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको कंपनियों के शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

निवेश करने के लिए कुछ सुझाव

जल्दी शुरू करें: रिटायरमेंट के लिए निवेश करना जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ही अधिक समय आपके पैसे को बढ़ने के लिए मिलेगा।

नियमित निवेश करें: नियमित निवेश करने से आपको अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

विविधीकरण करें: अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करें: अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करने से आपको अपने निवेश निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

रूस और यूक्रेन जंग चौथे वर्ष में प्रवेश कर गई है। हाल फिलहाल में इस जंग के खत्म होने के आसार नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूस व यूक्रेन जंग समाप्त कराने के अपने दावे में बुरी तरह फेल साबित हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूरोप के आगे ट्रंप की रणनीति की एक न चली। यहां तक कि यूक्रेन तक ने घास नहीं डाली। ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के उदासीन होने से नाटो में ही गहरे मतभेद उभर गए हैं। यूरोप जिस शिद्दत से यूक्रेन के साथ खड़ा हुआ है और अमेरिकी प्रभाव के बिना यूक्रेन ने रूस के खिलाफ ऑपरेशन स्पाइडर वेब को अंजाम दिया है, उसके बाद से स्थिति और उलझ गई है। रूस घायल शेर की तरह हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में जवाबी हमले की बात कह कर रूस ने बड़ी ताकत से यूक्रेन के अंदर राजधानी कीव तक हमला किया है। यूक्रेन को भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब के चलते ही तुर्किये में प्रस्तावित शांति वार्ता में रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम पर कोई बात नहीं हुई। अब सवाल है कि आखिर यह युद्ध चलता ही रहेगा? रूस या यूक्रेन में से शांति की पहल कौन करेगा? नाटो का क्या होगा? यूरोप से अलग अमेरिका कहां खड़ा है? क्या ट्रंप पुतिन को मना पाएंगे? जंग जारी रखने में यूरोप को क्या फायदा है? इन्हीं सब सवालों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

खतरनाक मोड़ पर यूक्रेन बनाम रूस जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

यूक्रेन और रूस के मध्य जारी युद्ध वस्तुतः फरवरी 2014 में ही प्रारम्भ हो गया था, जबकि रूसी सेना द्वारा क्रीमिया पर बलपूर्वक अपना सैन्य आधिपत्य स्थापित कर लिया गया। सर्वविदित है कि सोवियत संघ के पराभव के तत्पश्चात वर्ष 1991 में यूक्रेन सोवियत संघ से पृथक होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया और क्रीमिया उसका अभिन्न अंग था। क्रीमिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूक्रेन के अभिन्न इलाके के तौर पर मान्यता प्राप्त है। रूस और यूक्रेन के मध्य विवाद प्रारंभ में क्रीमिया और डोनबास के कुछ क्षेत्र के आधिपत्य था। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन में शामिल होने का इरादा जाहिर किया तो फिर राष्ट्रपति पुतिन ने सख्त ऐतराज जाहिर किया और तर्क दिया कि यूक्रेन के नाटो में शामिल हो जाने के बाद नाटो की फौज रूस की सरहद तक आ जाएंगी। 22 फरवरी सन् 2022 में राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस की सेना ने यूक्रेन पर अपनी संपूर्ण ताकत के साथ आक्रमण अंजाम दिया। प्रारंभ में ऐसा प्रतीत हुआ कि रूस की शक्तिशाली और विशाल सेना के समक्ष यूक्रेन की छोटी सी और अपेक्षाकृत कमजोर सेना कदाचित अधिक दिनों तक टिक नहीं पाएगी।

युद्ध से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त

रणनीतिक कयास को एकदम गलत साबित करते हुए और अत्यधिक क्षति उठाने के बावजूद आज भी युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले निरंतर कमजोर होता हुआ रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि हाल के कुछ वर्षों में रूस भारत को तेल निर्यात करने वाला सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। अप्रैल 2025 में भारत ने अपनी जरूरत का तकरीबन 40 फीसदी तेल रूस से आयात किया है। यूक्रेन और रूस के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में अत्यंत तीव्रता आ जाने से युद्ध एक खतरनाक दौर में पहुंच गया है। यूक्रेन द्वारा ड्रोन आक्रमणों में रूसी वायु सेना के तकरीबन 40 लड़ाकू बमवर्षक विमानों को तबाह कर दिया गया। यूक्रेन की वायु सेना ने रूस के सरहदी इलाकों को रौंदते हुए हजारों किलोमीटर तक रूस के अंदर घुसकर पांच सैन्य ठिकानों पर भीषण आक्रमण अंजाम दिए। वहीं, अमेरिकन कूटनीतिक सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी के पश्चात ही यह भीषण आक्रमण यूक्रेन द्वारा अंजाम दिया गया था। आधिकारिक तौर पर यूक्रेन प्रशासन और अमेरिकन प्रशासन ने अपने अपने बयानों में फरमाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन के इस आक्रमण की कदाचित कोई जानकारी नहीं थी। यूक्रेन की सेना के भीषण आक्रमण का समुचित प्रति उत्तर देते हुए रूसी सेना द्वारा अभी तक का सबसे बड़ा आक्रमण यूक्रेन पर अंजाम दिया गया। बड़े पैमाने पर यूक्रेन पर किए गए आक्रमण में यूक्रेन की राजधानी कीव सहित यूक्रेन के अनेक प्रमुख शहरों को निशाना बनाया। जिसके फलस्वरूप यूक्रेनी सेना के अनेक ठिकाने नष्ट कर दिए गए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिकों को हलाक कर दिया गया।

युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें

रूस और यूक्रेन के मध्य यह भीषण युद्ध तब अंजाम दिया गया है, जबकि इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के मध्य शांति वार्ता आयोजित होने वाली है। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन से युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें की जाती रही है। लेकिन रूस पर अंजाम दिए गए यूक्रेनी आक्रमण के बाद विकट प्रश्न खड़े हो गए हैं, कि एक तरफ तो प्रेसिडेंट ट्रंप दोनों देशों से युद्धविराम करने और शांति स्थापित करने की अपील कर रहे हैं और दूसरी तरफ यूक्रेन को रूस पर आक्रमण करने के लिए खुली छूट भी प्रदान कर रहे हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर एक अत्यंत विवादित बयान दिया। प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि शायद यही बेहतर होगा कि दोनों देशों को कुछ वक्त तक और युद्धरत रहने दिया जाए। इसी मध्य जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में मुलाकात की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिकन प्रेसिडेंट से रूस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की अपील की। व्हाइट हाउस में फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात करते हुए प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन और रूस के मध्य गहरी नफरत और प्रतिशोध की भावना विद्यमान है। ऐसे हालात में दोनों देशों से युद्ध विराम की उम्मीद रखना बहुत मुश्किल है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक टिप्पणी

ट्रंप ने कहा कि अच्छा ही है कि दोनों देश लगातार युद्धरत बने रहें, जैसे खेलों में रेफरी थोड़ी देर के लिए खिलाड़ी को आपस में भिड़ने देते हैं, ठीक वैसे ही दोनों देशों को देर तक लड़ने देना ही उचित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट ट्रंप की यह कूटनीतिक टिप्पणी, प्रेसीडेंशियलन इलेक्शन के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे में बुनियादी बदलाव है, जिसके तहत उन्होंने कहा था कि यदि वह अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाएंगे तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को अति शीघ्र समाप्त करा देंगे। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने आग्रह किया कि अमेरिका को युद्ध खत्म करने में अपनी निर्णायक भूमिका का निर्वाह करना चाहिए और रूस पर अत्यंत कड़ा कूटनीतिक दबाव कायम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इस स्थिति में है और वह भी यह चाहते हैं कि अमेरिका को रूस पर और अधिक कूटनीतिक दबाव डालना चाहिए। उल्लेखनीय है कि समस्त यूरोप भी यकीनन रूस-यूक्रेन युद्ध का समापन चाहता है। संपूर्ण यूरोप की अर्थव्यवस्था डगमगा चुकी है।

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस ही रहा, जहां से यूरोप के लिए ऊर्जा की सप्लाई एकदम बंद हो गई है। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या यूक्रेन द्वारा आक्रमण करने के लिए अमेरिका सहित नाटो देशों ने सैटेलाइट्स द्वारा यूक्रेन को मदद प्रदान की है। अमेरिकन प्रशासन ने कुछ दिनों के लिए यूक्रेन को अपने सैटेलाइट्स से मदद करना बंद कर दिया था। लेकिन मार्च 2025 में अमेरिका ने फिर से यूक्रेन को इन आक्रमणों में मदद देना प्रारंभ कर दिया था। हाल ही में रूस ने अपने बमवर्षक विमानों को बेलाया से ओलेन्या हवाई एयरबेस पर स्थानांतरित किया था। बमवर्षक विमानों के इस स्थानांतरण को सैटेलाइट तस्वीरों में देखा गया था। यूक्रेन के ड्रोन विमानों द्वारा अंजाम दिया गया भीषण आक्रमण इन्हीं एयरबेसों पर किया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन देशों को यूक्रेन द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के विषय में यदि जानकारी नहीं थी, तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में इस तथ्य को यह सबसे बड़ा आश्चर्य माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में यूक्रेन द्वारा रूस के कुसर्क इलाके में अचानक ही आक्रमण कर दिया गया था। इस विस्मयकारी आक्रमण ने रूस को हिला कर रख दिया। इस भीषण आक्रमण की जानकारी भी अमेरिका को पहले से नहीं थी और यह यूक्रेनी आक्रमण बेहद कामयाब साबित हुआ। इस आक्रमण में यूक्रेन द्वारा रूस की जमीन के बड़े इलाके पर अपना आधिपत्य स्थापित किया गया।

कूटनीति की कठिन परीक्षा से गुजर रहा भारत

इस दफा भी यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दीर्घ काल तक रूस के अंदरूनी इलाकों में काम किया और स्पाइडर वेब नामक ऑपरेशन को अत्यंत कामयाबी के साथ अंजाम दिया। नए आर्थिक प्रतिबंधों पर जब ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल तुरंत कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है। लेकिन ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे और युद्ध विराम नहीं किया गया तो अमेरिका दोनों राष्ट्रों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। वस्तुस्थिति यह है कि भारत के रूस के साथ और नाटो देशों के साथ भी मैत्रीपूर्ण संबंध कायम रहे हैं। सर्वविदित है कि युद्ध सिर्फ यूक्रेन और रूस के मध्य नहीं लड़ा जा रहा है, वरन् युद्ध नाटो सैन्य संगठन और रूस के मध्य लड़ा जा रहा है। यूक्रेन की बेहद बहादुर सेना नाटो सैन्य संगठन द्वारा प्रदत्त आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के अभाव में रूस के विरुद्ध युद्ध को इतने लंबे दौर तक कदापि नहीं लड़ सकती थी। निरंतर तीव्र होते हुए रूस-यूक्रेन सैन्य संघर्ष के दौर में भारत वस्तुतः विश्व पटल पर कूटनीति की बड़ी कठिन परीक्षा से गुजर रहा है। भारत के साथ ऐतिहासिक तौर पर गहन रणनीतिक संबंध रखने वाला रूस चाहता है कि युद्ध में भारत खुलकर रूस का समर्थन करे। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस ने भारत का एक तरफ समर्थन नहीं किया, जैसा कि सदैव ही करता रहा है।

दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता दिख रहा विश्व

इस दफा बहुत ही संतुलित कूटनीति अख्तियार करते हुए रूस ने भारत को अपना रणनीतिक मित्र निरुपित किया और पाकिस्तान को अपना राजनीतिक मित्र करार दिया। नए शीत युद्ध के दौर में जबकि विश्व दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता जा रहा है, एक तरफ अमेरिका और नाटो देश हैं और दूसरी तरफ चीन, रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया आदि देश हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास को जारी रखा है। दोनों ही देश यूक्रेन और रूस भारत के निकट मित्रों में रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की विनाशकारी तीव्रता तृतीय विश्वयुद्ध के कगार पर लाकर पटक सकती है।

विश्व पटल पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता भारत फिर से एक बार तृतीय विश्व युद्ध के खतरे को समाप्त करने के लिए अवश्य ही गहन गंभीर कूटनीतिक प्रयास करेगा, जैसा कि ऐतिहासिक प्रयास भारत द्वारा तृतीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए सन् 1956 में स्वेज कैनाल संकट और सन् 1962 में क्यूबा संकट के दौर में किया गया था।

अमेरिका के भरोसे को कमजोर करते ट्रंप

असमंजस

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि वे रूस-यूक्रेन तथा इजरायल एवं हमास के बीच चल रहे युद्धों को समाप्त कर शांति स्थापित कर देंगे, परंतु कोई परिणाम नहीं दे पाए। इसके उलट हाल ही में यूक्रेन ने बड़ा हमला करके रूस के साइबेरिया में स्थित परमाणु बमवर्षक विमानों को ध्वस्त करके बड़ी शिकस्त दे दी है। ड्रोन से बेलाया वायुसेना अड्डे पर हमला करके रूसी वायुसेना के 40 विमानों को अग्नि में होम कर दिया। इस हमले के बाद यूक्रेन ने रूस को फिर निशाना बनाया। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले क्रेच पुल को विस्फोटक से उड़ा दिया। इन दो बड़े आक्रमणों से तय होता है कि यूक्रेन फिलहाल अमेरिका के दबाव में नहीं है। अमेरिका के पास ऐसा कोई कूटनीतिक इलाज भी नहीं दिखता है कि वह यूक्रेन और रूस को समझौते के लिए राजी कर पाए, क्योंकि रूस ने भी यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। आशंका तो अब यह बढ़ गई है कि परमाणु हथियार सक्षम रूस कहीं यूक्रेन पर परमाणु हमला न कर दे ? अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए।

अप्रासंगिक व विवादित निर्णय

अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-थलग दिखाई दे सकता है। यह संभावना ट्रंप के चुनावी अभियान में 2100 करोड़ रुपये का चंदा देने व ट्रंप का खुला समर्थन करने वाले कारोबारी एलन मस्क व ट्रंप की दोस्ती टूटने से भी बड़ी है। एक समय के जिगरी दोस्त जानी दुश्मन बनते दिखाई दे रहे हैं। एलन मस्क बार-बार ट्रंप द्वारा लागू किए विधेयक की आलोचना कर रहे थे। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी कि मस्क मुझे निराश कर रहे हैं। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। ट्रंप ने कटाक्ष किया कि मस्क को ट्रंप डेरेंजमेंट सिंड्रोम यानी ट्रंप अव्यवस्था दोष हो गया है।

नई नीतियों से अव्यवस्था फैली

मसलन ट्रंप जिस तरह से टैरिफ से लेकर नई-नई नीतियां बदल रहे हैं, उससे अव्यवस्था फैल रही है, जो मस्क को पसंद नहीं है। ट्रंप के इस कटाक्ष के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क भी कहां चूकने वाले थे, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यदि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। गोया ट्रंप ने उनके साथ बेवफाई की है। ट्रंप की यह बेवफाई केवल मस्क के साथ अब नहीं है, बल्कि अनेक उन यूरोपीय देशों के साथ भी दिखाई दे रही है, जो अमेरिका या ट्रंप की प्रत्येक कूटनीतिक

रणनीति में भागीदार रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से चल रहा युद्ध न केवल यूरोप में बल्कि दुनिया में परमाणु हथियारों की महत्ता से जुड़ा परिदृश्य बदल रहा है। इस परिदृश्य को भी ट्रंप द्वारा दिया यह बयान कि 'यूरोपीय देशों के नाटो सदस्य यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के बराबर जिम्मेदारी नहीं झेल रहे हैं। इस कारण इस गठबंधन की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे हैं।' दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत रूस की सेनाएं मध्य और पूर्वी यूरोप में तैनात थीं। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक और भू-राजनीतिक तनाव का दौर था। हालांकि दूसरे विश्वयुद्ध में ये दोनों देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शमिल नहीं थे, लेकिन एक-दूसरे के विरुद्ध अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे थे। अमेरिकी पूंजीवादी विचारों का पोशक रहा, जबकि सोवियत संघ साम्यवादी विचारों का अनुयायी रहा। यही वैचारिक संघर्ष शीतयुद्ध कहलाता है। कालांतर में इन देशों की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत ने पूरी दुनिया को दो ध्रुवीय व्यवस्था में बदलने का काम किया। किंतु 26 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ के विघटन के बाद 15 नए देश अस्तित्व में आए, इन्हीं में रूस और यूक्रेन शामिल हैं। ट्रंप द्वारा नाटो गठबंधन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायताएं भी स्थगित कर दी गईं।

नतीजतन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों को जवाबी हमला करने का मौका मिल गया। मैक्रों ने यूरोपीय मित्र देशों के समक्ष फ्रांस के परमाणु भंडारों को सुरक्षा देने का प्रस्ताव रख दिया। फ्रांस का यह प्रस्ताव विश्व-व्यवस्था में परमाणु सशस्त्रीकरण की नई इबारत लिखना है। इसके बाद ब्रिटेन और इटली ने भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति के न्यायोचित समाधान खोजने की मांग उठा दी। तत्पश्चात यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेरलेयेन ने 800 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक की रक्षा खर्च की योजना पेश कर दी। संघ के 26 सदस्य देशों ने इसे हाथों हाथ समर्थन भी दे दिया। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति में, क्योंकि यूक्रेन रूस के युद्ध के खिलाफ जो दंभ तीन साल से भरे हुए है, उसके पीछे यूरोपीय संघ और नाटो देशों की ही आर्थिक और सामरिक शक्तियां काम कर रही हैं। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने संयुक्त हथियार खरीद के लिए 150 अरब यूरो का कोष स्थापित करने की सहमति जता दी है। नाटो और यूरोपीय संघ का यह कूटनीतिक उत्तर अमेरिका की नाटो से संभावित निकासी या उसकी धनराशि कम करने के परिप्रेक्ष्य में है। दरअसल ये देश परमाणु शक्ति संपन्न देश होने के कारण रूस को एक बड़ा खतरा मानकर चल रहे हैं और यूक्रेन के पीछे खड़े होकर रूस की बर्बादी देखने के इच्छुक हैं। अतएव ट्रंप की समझौते से जुड़ी रणनीति के विरुद्ध अभी यह टकराव बना रहेगा।

युद्ध समाप्ति के अभी आसार नहीं

यह युद्ध इसलिए लंबा चलने वाला है, क्योंकि हाल ही में तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें केवल एक ही बात मंजूर है और वह यूक्रेन का समर्पण! रूस यह मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसने यूक्रेन के 5 प्रांतों के 19 फीसदी भू-भाग पर कब्जा कर लिया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि देर-सबेर वह यूक्रेन को पराजित कर देगा। अमेरिका के पास इस स्थिति में युद्ध खत्म करने की कोई नीति या कूटनीति नहीं है।

ट्रंप जिस तरह की दादागिरी के आचरण और एकतरफा निर्णय लेने के मूड में हैं, उस स्थिति में युद्धविराम तब तक संभव नहीं है, जब तक नाटो और यूरोपीय संघ के देश ट्रंप की बात मानने को सहमत न हो जाएं ?

भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

रणनीति

राजेश जैन

स्वतं पत्रकार व विश्लेषक

रूस के अंदर घुस कर यूक्रेन के मारक हमले के बाद से दोनों मुल्कों के बीच जारी जंग के जल्दी खत्म होने के आसार क्षीण हो गए हैं। यूक्रेन ने योजनाबद्ध तरीके से जिस तरह गाइडेड ड्रोन अटैक किया है और रूसी सैन्य ठिकानों को तबाह किया है, उसके बाद रूस के जवाबी हमले के खतरे बढ़ गए हैं। रूस ने यूक्रेन से बदला लिया भी है, लेकिन यह सिलसिला अभी और बढ़ेगा। तुर्किये में प्रस्तावित वार्ता से ठीक एक दिन पहले यूक्रेन की सैन्य कार्रवाई रूस की सोच से परे थी, यूक्रेन के इस कृत्य ने इस युद्ध को और उलझा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीति रूस व यूक्रेन मामले में पूरी तरह फेल हुई है और ट्रंप के दावे हवाहवाई साबित हुए हैं। यूरोप अब यूक्रेन के कंधों पर रूस से अदावत निभा रहा है, इसलिए हाल फिलहाल इस युद्ध के और भड़कने की संभावना बढ़ गई है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं कि आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

ड्रोन वार ने बदले समीकरण

रूस के तेज़ होते हमलों के बीच यूक्रेन ने बीते 1 जून को रूस के ख़िलाफ़ 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' लॉन्च किया। इसे रूस पर यूक्रेन का अब तक का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। दावा है कि इस ऑपरेशन की तैयारी यूक्रेन बीते 18 महीनों से कर रहा था। लीक जानकारी से पता चलता है कि कई छोटे ड्रोन्स को ख़ुफ़िया तरीके से रूस में पहुंचाया गया, फिर हज़ारों मील दूर अलग-अलग चार जगहों पर ले जाकर नज़दीकी सैन्य हवाई अड्डों पर रिमोटली लॉन्च किया गया। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के 41 बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया। विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है, यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है, लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। दूसरी ओर यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है, लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

लंबी है युद्ध के हताहतों की सूची

रूस ने 6 जून की रात को यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमला

किया है, जिसमें राजधानी कीव के साथ ही देश के प्रमुख शहरों को निशाना बनाया है। एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का वादा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है, तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं। हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है, लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना और नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है। रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला, रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19% हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12% इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25% जमीन रूस के अधीन आ जाए, जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं, कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था।

फिलहाल शांति की आस नहीं

इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा?

तेजी से पांव पसार रहा कोरोना, हाईकोर्ट के जज सहित 50 में संक्रमण की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

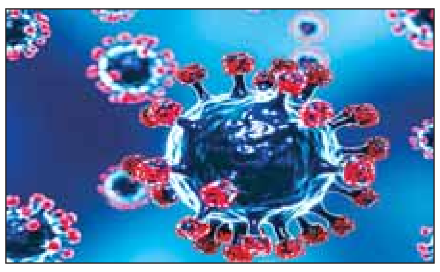

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेजी से कोरोना के मामले सामने आए हैं। शहर में एक साथ कोरोना के 10 मरीज मिले हैं। सभी मरीज अलग-अलग इलाकों में मिले हैं। इनमें गुलाब नगर, राजकिशोर नगर, हेमूनगर व नेहरू नगर क्षेत्र शामिल हैं। कोरोना संक्रमितों में हाईकोर्ट के एक जज भी शामिल हैं। सभी मरीजों को होम आईसोलेट किया गया है। अब तक राज्य में कुल 1183 लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 50 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि सभी संक्रमितों में सिर्फ सामान्य सर्दी-खांसी जैसे हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है। 5 जून 2025 को पूरे राज्य के अस्पतालों में कोविड-19 की रोकथाम एवं उपचार की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान सभी जिलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की तरफ से निर्देश दिए गए हैं कि राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल कोविड-19 के संदिग्ध मामलों की निगरानी करें, आवश्यक जांच कराएं, और समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बोधघाट सहित अन्य परियोजना के संबंध में चर्चा

पीएम मोदी और सीएम साय के बीच हुई अहम बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बोधघाट सिंचाई परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना के संबंध में चर्चा की। सीएम साय ने पीएम मोदी से चर्चा कर बस्तर संभाग के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से इन परियोजनाओं की स्वीकृति को बेहद महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने बताया कि बस्तर लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहा है और इसलिए सिंचाई क्षमता बढ़ाने हेतु यहाँ बहुत काम नहीं हो पाया है। बस्तर में कुल बोये गए क्षेत्र 8.15 लाख हेक्टेयर में से केवल 1.36 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधाएँ विकसित हो पायी है। अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बस्तर में तेजी से नक्सल उन्मूलन हो रहा है और बस्तर शांति और विकास की ओर द्रुत गति से बढ़ रहा है। ऐसे में बोधघाट बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना पूरे बस्तर में कृषि विकास और रोजगार को बढ़ाने में मदद करेगी। दोनों परियोजना बस्तर को सक्षम, विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

269 गांव होंगे लाभांवित

दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 49000 करोड़ है। प्रस्तावित बोधघाट सिंचाई परियोजना से दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले के 269 गांव लाभान्वित होंगे, इससे खरीफ और रबी सीजन में 3,78,475 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, परियोजना से 125 मेगावाट बिजली उत्पादित होगी। इससे 49 मि.घ.मी. पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित होगी और 4824 मीट्रिक टन वार्षिक मत्स्य उत्पादन जैसे अतिरिक्त रोजगार का सृजन होगा।

सिंचाई सुविधा हो सकेगी उपलब्ध

इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से इंद्रावती नदी का लगभग 100 टी.एम.सी. (2830 मि.घ.मी.) जल महानदी कछार में स्थानांतरित करने की योजना है जिससे कांकेर जिले की भी 50,000 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सहित कुल 3,00,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। दोनों परियोजनाओं से लगभग 7 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। बोधघाट बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना के रूप में क्रियान्वित किया जाना प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री ने इसे गंभीरता से सुना और इस पर विचार करने की बात कही। निश्चित ही बस्तर के सर्वांगीण विकास का छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य सफल होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान और कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने किया लोकार्पण

आलोट को सांदीपनी और जवाहर नवोदय विद्यालय भवन की सौगात

मुख्य मार्ग से नवोदय विद्यालय तक सड़क का निर्माण किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है।

प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। रतलाम के आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टाफ क्वार्टरों तथा 35 करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वीं एवं 12वी बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जवाहर नवोदय विद्यालय से मुख्य मार्ग से जोडने वाली सड़क का निर्माण किए जाने की घोषणा की।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है मप्रः सीएम

सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही है: डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैं। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मप्र की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। आलोट में क्षिप्रा-चंबल नदी संगम स्थल पर पर्यटन का विकास किया जाएगा। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं। शिक्षा ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। भारत में साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है, जिसमें नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

1 से 15 किमी दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी रहेगी उपलब्ध

मप्र सरकार ने राज्य में सर्व-सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है, जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से पहचाने जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विजन के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालय आलोट में आसपास के 1600 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेंगे, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस विद्यालय में 1 किमी से 15 किमी दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषय-वार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किए गए है।

युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षाः प्रधान

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चेतन्य काश्यप उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक पगड़ी, शॉल एवं पारंपरिक पेन्टिंग भेंट कर किया गया।

पटवारी बोले, व्यापमं घोटाले में शामिल आज तक एक भी आरोपी को सजा नहीं मिली

भोपाल। प्रदेश में कांग्रेस ने एक बार फिर व्यापमं घोटाले का मुद्दा उठाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि व्यापमं घोटाले में सिर्फ घोटाला ही नहीं हुआ, बल्कि न्याय की हत्या हुई। आज तक एक भी आरोपी को सजा नहीं मिली, सब बरी हो गए। उन्होने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेस के माध्यम से पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गैंग के माध्यम से फर्जी उम्मीदवारों को बैठाया गया। अब तक 16 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही। इससे पहले पटवारी भर्ती, प्राथमिक शिक्षक भर्ती, और कई अन्य परीक्षाओं में भी यही पैटर्न रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों युवाओं के सपनों की कब्र खोदने में सरकार लगी है।

प्रतिनियुक्ति के विरोध में मंत्रालय में चलेगा हस्ताक्षर अभियान

भोपाल। वित्त विभाग में पदोन्नति के 15 पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने को लेकर से मंत्रालय कर्मचारी संघ विरोध में आ गया है। शुक्रवार को मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ की आपात बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पदोन्नति के 15 पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने के विरोध में मंत्रालय में हस्ताक्षर अभिया चलाया जाएगा। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक और कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल ने बताया कि एक तरफ नौ वर्ष से पदोन्नतियां बंद हैं और दूसरी तरफ मंत्रालय में पदोन्नति के पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने की तैयारी की जा रही है। इससे प्रतिवर्ष 49 कर्मचारी पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे। दूसरी तरफ जिन कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति पर लाया जा रहा है वे स्वयं मंत्रालय में आने के इच्छुक नहीं हैं। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी समिति की आपात बैठक में इस निर्णय के विरुद्ध हस्ताक्षर अभियान चलाने का फैसला किया गया।

नीमच व मंदसौर पहले ऐसे जिले बने, जहां सभी सरकारी फाइलें ई-ऑफिस प्रणाली से जुड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में अभी तक मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में ई-ऑफिस प्रणाली समुचित रूप से शुरू नहीं हो पाई है। किंतु महिला-बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया पहली ऐसी मंत्री बन गई हैं, जिन्होंने मंत्रालयीन कार्य के साथ-साथ अब प्रभार के जिलों, मंदसौर व नीमच में भी अब ई-ऑफिस से कार्य करना शुरू करवा दिया है। अभी बाकी और किसी मंत्री के खुद के ऑफिस व प्रभार के जिलों में ई-ऑफिस प्रणाली शुरू नहीं हुई है या फिर धीमी गति से काम चल रहा है।

मंत्री भूरिया ने दिए थे अफसरों को निर्देश

मंत्री सुश्री भूरिया ने ई-ऑफिस प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने प्रभार के जिलों मंदसौर व नीमच में भी ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों को भेजने के निर्देश दिए थे। उन्होंने जिलों से कहा था कि हर हाल में वे ई-ऑफिस प्रणाली पर का करें। इसके लिए प्रभारी मंत्री की अलग से आईडी भी बनाई गई है। मंदसौर और नीमच अब ऐसे जिले हो गए हैं, जो प्रभारी मंत्री को ई-फाईल प्रेषित कर सकेंगे।

प्रभारी मंत्री कहीं भी रहें, फाइलें वहीं से निबटेंगी

प्रभारी मंत्री कहीं भी रहें फाइलों का आदान प्रदान वहीं से होता रहेगा। सुश्री भूरिया का मानना है कि इससे सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, तत्परता और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लक्ष्यों को शीघ्र हासिल करने में मदद मिलेगी। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि मप्र सरकार निरंतर अपनी सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाइन कर रही है। डिजिटाइजेशन के माध्यम से सभी योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने, विभागों का समन्वय बढ़ाने और जन कल्याण की गति तेज करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि यह सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा।

दो नक्सलियों की हुई पहचान, पांच नक्सलियों की शिनाख्त फिलहाल बाकी

हर दिन मारे जा रहे नक्सली, सभी सातों शव बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

पांच जून को केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ गौतम मारा गया। उसके बाद छह जून को तेलंगाना स्टेट कमिटी मेंबर भास्कर को ढेर किया गया। 6 जून की शाम को हुई मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। 7 जून शनिवार को जारी मुठभेड़ में दो और नक्सली मारे गए, कुल सात नक्सलियों को जवानों ने मौत की नींद सुला दिया गया है। सभी सातों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

दो नक्सलियों की पहचान हो गई है। पांच नक्सलियों की शिनाख्त बाकी है। इससे पहले छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में फोर्स और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में करीब एक करोड़ रुपये के इनामी खूंखार नक्सली नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधारक को जवानों ने ढेर कर दिया था। सुधाकर नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी (सीसीएम) का मेंबर था। उस पर अलग-अलग राज्यों में कुल मिलाकर करीब एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। माओवादियों के बड़े कैडर तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडर्स के जमा होने की सूचना पर संयुक्त फोर्स नक्सल आपरेशन पर निकली थी। इसमें डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान पर भेजा गया था। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने एक बार फिर दोहराया है कि वे क्षेत्र में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। साथ ही शेष माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की गई है।

मोस्ट वांटेड हिड़मा की तस्वीर आई सामने

बस्तर में लगातार चल रहे नक्सल ऑपरेशन के बीच नक्सली संगठन में सबसे ज्यादा चर्चित मोस्ट वांटेड माओवादी हिड़मा की तस्वीर सामने आई है। गौरतलब है कि एक करोड़ के इनामी, नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी का मेंबर और मास्टरमाइंड कहे जाने वाले माड़वी हिड़मा की 25 साल पुरानी तस्वीर ही सुरक्षा इंटेलिजेंस के पास अब तक रही है। लगातार चल रहे एनकाउंटर के बीच एक और तस्वीर निकलकर आई है जो माड़वी हिड़मा की पहचान ताजा करती है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर 10 साल पुरानी हो सकती है, क्योंकि माडवी हिड़मा की उम्र 50 से 55 साल बताई जाती है और तस्वीर से 40 से 45 साल की उम्र का अंदाजा लगाया जा रहा है।

माओवादी संगठन फॉलो करता है प्रोटोकॉल

माड़वी हिड़मा का तीन से पांच लेयर का सुरक्षा घेरा होता है और आमतौर पर माओवादी संगठन हिड़मा को लेकर प्रोटोकॉल फॉलो करता है। हर किसी को हिड़मा से मिलने की इजाजत नहीं होती, यहां तक की माओवादी संगठन के कैडर को भी नहीं। हिड़मा कभी किसी कार्यक्रम में भी शामिल नहीं होता और ना ही मीडिया से रूबरू होता है।

किसानों को मुख्य रूप से सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ सरकार आय का जरिया भी कराएगी उपलब्ध

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट में मिलेंगे निवेश के व्यापक अवसर

क्रांतिदीप अलूने

विशेष आलेख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सौर ऊर्जीकरण अंतर्गत वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट के लक्ष्य को हासिल करने संबंधी स्वप्न को साकार करने में अपना योगदान देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में निरंतर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक के बाद एक संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इनसे प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में सौर ऊर्जा की भागीदारी निरंतर बढ़ती जा रही है।

कृषकों की ऊर्जा आवश्यकताओं, मुख्य रूप से सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उनके करीब सौर ऊर्जा का उत्पादन कर आय के अवसर उपलब्ध करवाते हुए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना लागू की गई है। पीएम-कुसुम योजना के घटक कुसुम-सी में ग्रिड संबंद्ध सिंचाई पम्पस को ऊर्जीकृत करने के लिए कृषि फीडर का सोलराइजेशन किया जाना है। योजना में सोलर संयंत्र स्थापना के लिए 1.05 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट केन्द्रीय सहायता राशि का प्रावधान है। परियोजना के विकासकों एवं अन्य स्टेक होल्डर्स को निगम द्वारा इस निविदा, वित्तीय प्रबंधन, तकनीकी जानकारी देने के लिए सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट 10 जून को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित होगी।

सौर ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उपयोग करने के स्थान (बिंदु) पर इसके उत्पादन के साथ उपयोग करना भी है। सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग के लिए इन परियोजनाओं को विकेंद्रीकृत रूप से स्थापित किया जा सकता है।

सरकार कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए किसानों के हित में सिंचाई के लिए ऊर्जा की 10 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगभग 8000 समर्पित कृषि फीडर स्थापित किए गए हैं। इनका निरंतर विस्तार प्रक्रियाधीन है। प्रदेश में 33/11 किलो वोल्ट विद्युत उप केन्द्रों पर सौर ऊर्जा परियोजना की स्थापना के समग्र लाभ को दृष्टिगत रखते हुए कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में पीएम-कुसुम योजना के घटक कुसुम-सी में प्रदत्त लक्ष्य तक सीमित न रखते हुए और योजना को तकनीकी रूप से अधिक उपयोगी बनाते हुए कृषि फ़ीडर सोलराइजेशन को विस्तार दिया जा रहा है। इसके विस्तारीकरण के लिए ही 'सूर्य-मित्र कृषि फीडर' योजना क्रियान्वित की जा रही है।

'सूर्य-मित्र कृषि फीडर' योजना के प्रमुख उद्देश्य मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को कम दर पर विद्युत उपलब्ध कराना है। सीधे विद्युत खपत स्थल पर ऊर्जा प्रदाय कर पारेषण हानि को कम करना, कृषि लोड का दिन में प्रबंध करना, किसान को सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराना भी इसका उद्धइेश्य है, ताकि कृषकों की जीवन शैली को बेहतर बनाया जा सके। इसका उद्देश्य 33/11 किलो वोल्ट विद्युत वितरण उप केन्द्रों पर स्थापित पॉवर ट्राँसफार्मर पर ओवर-लोडिंग के परिणाम स्वरूप लो-वोल्टेज एवं पॉवर कट की समस्या को कम करना भी है। इन परियोजनाओं की स्थापना से विद्युत उपकेंद्रों के उन्नयन पर आने वाले वित्तीय भार से बचा जा सकेगा। साथ ही बिना किसी निवेश के ग्रिड स्टेबिलिटी प्रबंधन किया जा सकेगा।

'सूर्य-मित्र कृषि फीडर' योजना में 100 प्रतिशत क्षमता तक विद्युत सब-स्टेशन की सौर परियोजनाओं की स्थापना की जा सकेगी। इन परियोजनाओं के विकासकों के चयन के लिए मप्र ऊर्जा विकास निगम द्वारा निविदा जारी की गई है। इसमें शासन के साथ 25 वर्षों तक विद्युत क्रय अनुबंध किया जाएगा। निविदा में 1900 से अधिक सब-स्टेशन पर 14 हजार 500 मेगावाट क्षमता परियोजनाओं के चयन के लिए अवसर उपलब्ध हैं। परियोजनाओं की स्थापना में पीएम कुसुम योजनान्तर्गत अनुदान प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध होगा। परियोजनाओं को एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड से 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत्त ब्याज में छूट का प्रावधान भी किया गया है। वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

(लेखक, उप संचालक जनसंपर्क विभाग)

दो पक्षों में मारपीट, 22 घायल, 3 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

शनिवार को जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के तहत ग्राम झांकी में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। लाठी-डंडे से हुई मारपीट में 22 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। विवाद का कारण एक खेत की मेड़ है। विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया, घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और पूरा गांव दहशत में आ गया। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए बेमेतरा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं मामले की सूचना पाकर तहसीलदार सुमित देवांगन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

पहाड़ से बुझती है प्यास, रामाबुटी की जलधारा से किरंदुल के हजारों घरों में पानी की सप्लाई

सुरेश रावल/ विप्लव मलिक ▶▶| जगदलपुर/ किरंदुल

- प्रदेश का पहली नगर पालिका जहां बिना बिजली के होती है पानी की सप्लाई
- साल के 12 महीने पहाड़ से अनवरत निकलता है शुद्ध पानी

दंतेवाड़ा जिले की लौह नगरी किरंदुल में पहाड़ों से लोहा निकलता है। वहीं एक पहाड़ है रामाबुटी...वह चमत्कार से कम नहीं। रामाबुटी से बारहों महीने पानी की जलधारा बहती है, वह भी पूरी तरह से शुद्ध। इस पानी से किरंदुल के लगभग 10 वार्ड के करीब 20 हजार लोगों की प्यास बुझती है। विशेष बात यह है कि किरंदुल में जितनी भी पहाड़ियां हैं, वहां से लोहा निकलता है। लेकिन इसी क्षेत्र के रामाबुटी में चट्टान से रिसते पानी में आयरन की मात्रा नहीं है। जल पूरी तरह से शुद्ध माना गया है, क्योंकि यह कई साल से 10 वार्ड के लोगों को सप्लाई हो रहा है। नगर पालिका केवल टैंक में पानी स्टोर कर उसे फिल्टर कर घर-घर में सप्लाई करती है। हरिभूमि ने वहां का जायजा लिया। पता चला कि रोजाना करीब 7 लाख लीटर पानी रामाबुटी के चट्टान से रिसता है। यह पानी कभी सूखता नहीं है। साल के 12 महीने में केवल गर्मी के समय बहती पानी की धारा थोड़ी सी पतली हो जाती है। समुद्र तल से करीब 4 हजार 500 फीट की ऊंचाई में किरंदुल बसा है। इस स्थल की खूबसूरती को देखते हुए लोगों ने रामाबुटी को पर्यटन स्थल का दर्जा देने की मांग शासन प्रशासन से की है। ऊपर पहाड़ में भगवान शंकर, गणेश जी और बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित की गई है, जहां रोजाना लोग पहुंचते हैं। विशेष रूप से महाशिवरात्रि और रामनवमी पर यहां पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

चट्टान से निकले हैं पौधे और लताएं रामाबुटी पहाड़ में सभी तरफ केवल चट्टान है और चट्टानों से ही पौधे और लताएं निकली है, जो पूरे पहाड़ को हराभरा बनाए रखती है। यहां आकर घंटों बैठने वाले लोग सुकून का अनुभव करते हैं। यह भी सोचनीय बात है कि चट्टान से निकले पौधे और लताएं जल की तरह चमत्कार का एक स्वरूप है।

बिजली का उपयोग नहीं

नगर पालिका किरंदुल की अध्यक्ष रूबी सिंह ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि रामाबुटी पहाड़ एक चमत्कारिक स्थल है, जहां पहाड़ के ऊपर जल का कोई स्रोत नहीं है। पानी किसी नदी, नाले या गुफा से निकलने का कोई जानकारी भी नहीं है। केवल चट्टान से पानी रिसता रहता है। जलधारा की रफ्तार भी काफी तेज बहती है। किरंदुल के 10 वार्ड के अलावा कोड़ेनार पंचायत और रेलवे कॉलोनी में भी यहां का पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष बात यह है कि राज्य का पहला नगरीय निकाय है, जहां बिजली का उपयोग पानी सप्लाई में नहीं होता है। यहां खर्च भी मामूली होती है जो केवल टंकी में पानी को साफ करने के लिए जो केमिकल उपयोग होता है उसी में राशि खर्च होती है।

7-8 बड़े टैंक में स्टोर होता है पानी

लौह नगरी के रामाबुटी चट्टान से प्रतिदिन 7 लाख लीटर से अधिक पानी निकलता है, जिसे बड़े-बड़े 7-8 टैंक में स्टोर किया जाता है। उसके बाद उसे वार्डों में सप्लाई किया जाता है। कई साल से इस चट्टान के पानी को किरंदुल के लोग पीते चले आ रहे हैं लेकिन कहीं भी आयरन की मात्रा या अन्य खनिज तत्व का कोई असर लोगों के स्वास्थ्य पर नहीं पड़ा है। यहां का जल पूरी तरह शुद्ध है और यह राज्य का एक मात्र नगरीय निकाय है, जहां पानी सप्लाई में न्यूनतम खर्चा आता है। शासन को रामाबुटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने प्रयास करना चाहिए।

- **रूबी सिंह,** अध्यक्ष नगर पालिका किरंदुल

खबर संक्षेप

भगदड़ कांडः केएससीए सचिव, कोषाध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरू। IPL 2025 फाइनल जीतने के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी टीम के जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में हो गई थी। इस मामले में आरसीबी के एक अधिकारी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अब इसकी आंच कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन यानी केएससीए तक पहुंच गई है।

कोरोना : एक्टिव केस 5700 के पार

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में एक बार फिर इजाफा देखने को मिल रहा है। शनिवार सुबह तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक्टिव मामलों की संख्या 5755 पहुंच गई है। बीते 24 घंटों में 391 नए मामले सामने आए हैं और चार लोगों की मौत हुई है- जिनमें से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु के लोग शामिल हैं। केरल अब भी सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां एक ही दिन में 127 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गुजरात में 102, पश्चिम बंगाल में 26 और दिल्ली में 73 नए मामले सामने आए।

सपा सांसद बर्क को कोर्ट से बड़ी राहत

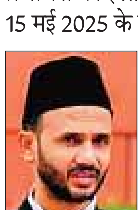

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 15 मई 2025 के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क से उनके संभल स्थित आवास पर 2 करोड़ रुपये के बिजली बिल का भुगतान करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि सांसद द्वारा दो सप्ताह के भीतर संभल बिजली कार्यालय में बिजली बिल के रूप में 6 लाख रुपये का भुगतान करने पर तत्काल प्रभाव से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

जासूसी एजेंसियों ने किया खुलासा, कैसे चलाया जा रहा था भारत में जासूसी नेटवर्क

आईएसआई के लिए काम करने वाले पाक के रिटायर्ड अफसर के संपर्क में थी ज्योति

पाकिस्तान पुलिस के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर और जासूसी के आरोप में गिरफ्तार भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बीच कनेक्शन सामने आया है। ज्योति पाकिस्तान के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर नासिर ढिल्लो के संपर्क में थी। ज्योति ने नासिर के साथ पॉडकास्ट भी किया था। नासिर की ज्योति से मुलाकात पाकिस्तान में हुई थी।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नासिर पुलिस से रिटायर्ड होने के बाद अपना यूट्यूब चैनल चलाता है। वह आईएसआई और पाक आर्मी के इशारे पर भारत के यूट्यूबर्स से दोस्ती कर उनसे भारत की सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करता था।

नासिर भारतीय यूट्यूबर्स से दोस्ती करता, फिर आईएसआई एजेंट से मिलवाता और फिर जासूसी के लिए टास्क देता था। नासिर ढिल्लो के दानिश से संबंध होने के भी सबूत जांच एजेंसी को मिले हैं। नासिर ढिल्लो से एक पॉडकास्टर ने आईएसआई एजेंट को लेकर सवाल भी पूछा था। पॉडकास्टर ने पूछा था कि आप पर आरोप लगता है कि आप एजेंसी के बंदे हो, आईएसआई एजेंट हो, जिस पर नासिर ढिल्लो हंसने लगता है।

खास बातें

- पहलगाम अटैक के बाद एजेंसियों ने पाक के बड़े जासूसी नेटवर्क का किया है खुलासा
- पंजाब, कश्मीर, राजस्थान सहित कई राज्यों से पकड़े गए हैं 'जासूस'

रिटायरमेंट के बाद यूट्यूब चैनल : नासिर ढिल्लो पाकिस्तान पुलिस का रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर है। नासिर अब अपना यूट्यूब चैनल भी चलाता है। जांच एजेंसियों को मिले सुरागों के मुताबिक, नासिर ने अपने यूट्यूब चैनल और अन्य माध्यमों से भारत के यूट्यूबर्स के साथ दोस्ती की और उन्हें आईएसआई एजेंटों से मिलवाया। इसके बाद इन यूट्यूबर्स को जासूसी के टास्क दिए जाते थे।

जसबीर ने भी बताई है नासिर की भूमिका

पंजाब से गिरफ्तार जसबीर सिंह ने पूछताछ में नासिर ढिल्लो की भूमिका का खुलासा किया। जसबीर ने बताया कि नासिर ने उसकी मुलाकात आईएसआई अधिकारियों से लाहौर में कराई और उसे पाकिस्तान के खुफिया नेटवर्क में शामिल किया। जसबीर ने यह भी कहा कि नासिर ने उसे भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा से भी मिलवाया था, जो लाहौर में जसबीर के साथ करीब दस दिन रुकी थी। यह भी सामने आया कि नासिर के अलावा दानिश नाम का शख्स भी इस नेटवर्क में है, जो यूट्यूबर्स को जासूसी टास्क देता और उन्हें दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन में गेस्ट बनाकर बुलवाता था।

इधर, यूट्यूबर जसबीर सिंह की बढ़ी रिमांड

पंजाब के मशहूर यूट्यूबर जसबीर सिंह उर्फ जान महल को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद मोहोली कोर्ट ने शनिवार को उसकी पुलिस रिमांड दो दिन के लिए बढ़ा दी। जसबीर सिंह को 4 जून को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि जसबीर सिंह का संबंध एक बड़े जासूसी नेटवर्क से है, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। जसबीर सिंह, जो रूपनगर जिले के महलां गांव का निवासी है, 'जान महल वीडियो' नाम से यूट्यूब चैनल चलाता था, जिसके 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। चैनल पर वह ट्रैवल और कुकिंग से जुड़े वीडियो पोस्ट करता था, लेकिन जांच में सामने आया कि वह पाकिस्तान की यात्रा तीन बार कर चुका है। 2020, 2021 और 2024 में. पुलिस के अनुसार, इन यात्राओं के दौरान वह पाकिस्तान आर्मी और आईएसआई अधिकारियों से भी मिला और बाद में जासूसी गतिविधियों के लिए उन्हें भर्ती कर लिया गया।

'बिलावल से बोले अमेरिकी सांसद जैश ए मोहम्मद को खत्म करो'

भारत की शिकायत करने अमेरिका पहुंचे भुट्टो को उल्टा पड़ा दांव

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत की शिकायत करने पहुंच अमेरिका पहुंचे थे। लेकिन, वहां जो हुआ उसकी दूर-दूर तक कल्पना उन्होंने नहीं की थी। अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन की बातों पर तो उन्हें कुछ पल के लिए यकीन नहीं हुआ होगा।

वह अमेरिका में जो सुनना चाहते थे, ठीक उसके उलट उन्हें गुरुवार को सुनने को मिला। शेरमैन ने उन्हें आतंकवाद पर लगाम लगाने खासकर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के खिलाफ सख्त कदम उठाने को कहा। इतना ही नहीं, सासंद ने जेईम को एक घृणित समूह बताया, जो जघन्य घटनाओं को अंजाम देता है। बिलावल भुट्टो के नेतृत्व पाकिस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया हुआ है। इस प्रतिनिधिमंडल ने वाशिंगटन में गुरुवार को शेरमैन से मुलाकात की। शरमैन ने बाद में इस मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'मैंने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को आंतकवाद खत्म करने की जरूरत के बारे में बताया। खासकर जैश ए मुहम्मद के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा, जिसने 2002 में दोस्त डेनियल पर्ल की हत्या की थी।' अमेरिकी सांसद ने अपने पोस्ट में लिखा कि पर्ल का परिवार मेरे डिस्ट्रिक्ट में रहता है। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तान को इस घिनौने समूह को खत्म करने के लिए वह सब कुछ करना चाहिए, जो वह कर सकता है।

भारत की कर रहे थे नकल

पाकिस्तान का भारत की देखादेखी दूसरे देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने का दांव उल्टा पड़ गया। दरअसल, पाकिस्तान भारत की नकल करने की कोशिश में यह भूल गया कि उसके दामन पर ऐसे कई दाग लगे हैं, जिन्हें वह चाहकर भी नहीं मिटा सकता। अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या का दाग इनमें से एक है। शरमैन ने प्रतिनिधिमंडल को यह भी कहा कि वह अपनी सरकार को डॉ शकील अफरीदी को रिहा करने के लिए कहे। अफरीदी वह पाकिस्तान डॉक्टर हैं, जिन्होंने पाकिस्तान में रह रहे आतंक के आका ओसामा बिन लादेन का सुराग सीआईए को दी थी। पाकिस्तान में उन्हें 2011 में गिरफ्तार कर लिया गया था।

नेशनल पार्क एरिया में तीसरे दिन भी मुठभेड़ अब तक दो महिला समेत 7 नक्सली मारे गए

मारे गए नक्सलियों में सीसी मेंबर सुधाकर व तेलगांना स्टेट कमेटी मेंबर भास्कर शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नेशनल पार्क इलाके में नक्सलियों के खिलाफ तीन दिन से चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षाबलों ने शनिवार को दो महिला समेत पांच नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों में 1 करोड़ 45 लाख के ईनामी सीसी मेंबर सुधाकर व तेलगांना स्टेट कमेटी मेंबर भास्कर शामिल हैं। तलाशी अभियान में सुरक्षाबलों ने एके 47 रायफल के अलावा भारी मात्रा में विस्फोटक व गोला बारूद भी बरामद किया है।

आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि अब तक बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा कुल 7 माओवादी कैडरों के शव बरामद कर चुके हैं। इनमें सेंट्रल कमेटी सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना राज्य कमेटी सदस्य भास्कर के शव भी शामिल हैं।

आईजी ने बताया कि सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है। अभियान के पहले दिन 5 जून को सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) सुधाकर उर्फ गौतम का शव बरामद किया गया था। वहीं 6 जून को तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) सदस्य भास्कर का शव बरामद हुआ था। वहीं 6 और 7 जून की शाम को हुई मुठभेड़ के दौरान तीन पुरुष व दो महिला माओवादी कैडरों के शव बरामद किया गया है। इसके अलावा तलाशी अभियान में 2 एके 47 रायफल, गोला बारूद, विस्फोटक व नक्सली सामग्री बरामद किया गया है।

जंगल में कई दिनों से घेरकर रखा है नक्सलियों को

ऑपरेशन के दौरान जवान हुए सर्पदंश, मधुमक्खी के डंक व डिहाइड्रेशन के शिकार

नेशनल पार्क इलाके के घने जंगलों में सुरक्षाबलों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभियान के दौरान कई जवानों को सर्पदंश, मधुमक्खी के डंक, डिहाइड्रेशन और अन्य अभियान संबंधी कारणों से चोटें आई है। घायल जवानों को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार प्रदान किया जा रहा है और फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं।

शिनाख्त होगी मारे गए पांच माओवादियों की

मुठभेड़ में मारे गए 7 नक्सलियों में 2 की शिनाख्त कार्रवाई पूरी हो चुकी है। इनकी शिनाख्त 1 करोड़ के ईनामी सीसी मेंबर सुधाकर उर्फ गौतम व 45 लाख के ईनामी तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर भास्कर के रूप में हुई है। वहीं दो अज्ञात महिला नक्सली कैडर व तीन अज्ञात पुरुष नक्सली कैडर के शिनाख्त का प्रयास जारी है।

त्यौहार की खुशी...

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित जामा मस्जिद में ईद-उल-अजहा के अवसर पर शनिवार को नमाज के बाद जश्न मनाते बच्चे।

इतिहास रचने से सिर्फ चंद घंटे दूर हैं भारतीय ग्रुप कैप्टन

अब 10 को अंतरिक्ष की सैर पर निकलेंगे शुभांशु

अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से लांच होगा एक्सियॉम-4 मिशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम 10 जून को अमेरिका के नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष की सैर पर निकलेंगे। एक्सियॉम-4 (एएक्स-4) मिशन के तहत वह 11 जून को दोपहर करीब 12:30 बजे (अमेरिकी समय) अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ेंगे।

पहले यह लॉन्चिंग 8 जून को होनी थी, लेकिन मौसम की खराबी और स्पेसक्राफ्ट की अंतिम तैयारियों के कारण इसे 10 जून को शिफ्ट कर दिया गया। इस मिशन की कमान नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन संभाल रही हैं, जबकि शुभांशु शुक्ला पायलट की भूमिका में होंगे। उनके साथ पोलैंड के स्लावोज़ उज़नांस्की-विश्निव्स्की और हंगरी के टिबोर कपु भी मिशन एक्सपर्ट के तौर पर शामिल हैं।

भारतीय शैक्षणिक संस्थानों द्वारा तैयार किए जाएंगे 7 वैज्ञानिक प्रयोग

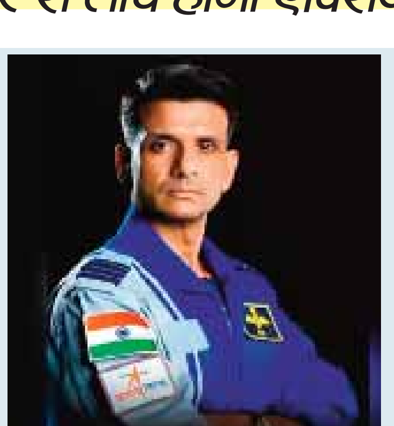

यह होंगे प्रयोग

बता दें कि यह मिशन स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट और ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए पूरा होगा, जो स्पेसएक्स का 53वां ड्रैगन मिशन होगा। शुभांशु शुक्ला भारत के गगनयान प्रोग्राम के 4 अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवारों में से एक हैं। अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने के बाद शुभांशु 7 वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे, जो भारतीय शैक्षणिक संस्थानों ने तैयार किए हैं। शुभांशु नासा के साथ भी 5 और प्रयोग करेंगे, जो मानव अनुसंधान से जुड़े होंगे। इस मिशन के लिए इस्तेमाल होने वाला स्पेसएक्स ड्रैगन एक नया स्पेसक्राफ्ट है, जिसका नाम जल्द ही क्रू द्वारा घोषित किया जाएगा।

मिशन पर विवाद का असर

बता दें कि यह मिशन भारत और नासा के बीच साझेदारी का हिस्सा है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में अमेरिका दौरे के दौरान की थी। भारत ने इस मिशन पर अब तक 548 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें शुभांशु और उनके बैकअप ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर की ट्रेनिंग भी शामिल है। यह मिशन भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक और सुनहरा कदम है, जो न सिर्फ वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत की अंतरिक्ष में बढ़ती ताकत को भी दिखाएगा। गौरतलब है कि फिलहाल स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच भारी विवाद चल रहा है लेकिन इसका इस मिशन पर कोई असर नहीं होगा।

महीने भर तक दिल्ली एयरपोर्ट पर रद्द रहेंगी 114 फ्लाइट्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आने वाले एक महीने तक कुछ फ्लाइट्स को रद्द किया गया है। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (DIAL) के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डा 15 जून से 15 सितंबर तक 114 डेली उड़ानें रद्द करने वाला है। जिन भी फ्लाइट्स को रद्द किया जाएगा, उनके टिकट का रिफंड एयरलाइंस की तरफ से भेज दिया जाएगा। विदेह कुमार ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर रनवे को अपग्रेड करने के लिए फ्लाइट्स को कैंसिल किया जाएगा।

1450 फ्लाइट हर दिन होती हैं संचालित

चुनौतीपूर्ण सर्दियों के महीनों के दौरान परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए यह अपग्रेड महत्वपूर्ण है। क्योंकि हम अक्सर देखते है कोहरे के कारण अक्सर फ्लाइट्स प्रभावित होती हैं। भारत का सबसे बड़ा और व्यस्ततम इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, प्रतिदिन लगभग 1,450 उड़ानों का संचालन करता है। रनवे **RW** 10/28 को अपग्रेड करने की योजना है, जिसके कारण तीन महीनों में 200 उड़ानें प्रभावित होंगी, जिनमें से 114 रद्द हो जाएंगी और 86 को कम समय के लिए संचालित किया जाएगा।

जापान का चंद्रयान मिशन नाकाम, सॉफ्ट लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ मून लैंडर रेजिलिएंस

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

जापान का महत्वाकांक्षी मून मिशन को बड़ा झटका लगा है। देश की एक निजी मून लैंडर शुक्रवार 6 जून को चंद्रमा पर लैंडिंग का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जापानी कंपनी आईस्पेस ने लैंडर से संपर्क टूटने के कई घंटे बाद मिशन के फेल होने की पुष्टि की है। कंपनी का यह दूसरा चंद्र अभियान था। जापानी कंपनी के रेजिलिएंस अंतरिक्ष यान को जापान के स्थानीय समयानुसार 6 जून को सुबह 4.17 बजे चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करनी थी, लेकिन निर्धारित लैंडिंग से एक मिनट 45 सेकंड पहले लैंडर से संपर्क टूट गया। फ्लाइट कंट्रोलर ने संपर्क स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मिशन को समाप्त करने की घोषणा की गई।

पहले भी नाकाम रही थी लैंडिंग

चंद्रमा पर पहली निजी लैंडिंग की कोशिश कर रही अंतरिक्ष के लिए यह बड़ा झटका है। इसके पहले आईस्पेस ने अप्रैल 2023 में पहली बार मून लैंडिंग की कोशिश की थी। उस दौरान भी अंतरिक्ष यान नाकाम रहा था और मिशन को अंततः नाकाम घोषित करना पड़ा था। आईस्पेस के सीईओ और संस्थापक ताकेशी हाकामाडा ने मिशन की नाकामी पर दुख जताया और मिशन में योगदान देने वाले सभी लोगों से माफी मांगी।

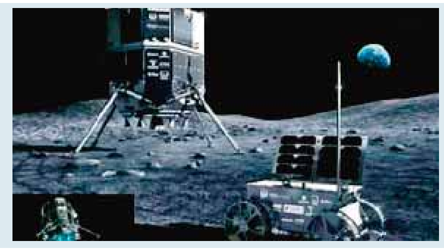

कंपनी के सीईओ ने मांगी माफी

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ताकेशी हाकामाडा ने कहा, हम मिशन 2 को सफल बनाना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्य से हम लैंडिंग करने में विफल रहे। हाकामाडा ने कहा, जिन लोगों ने हमारा समर्थन किया है, हम उनसे माफ़ी मांगना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आईस्पेस भविष्य की उड़ानों के लिए अपनी विफलताओं से सीखने के लिए प्रतिबद्ध है। स्पेसडॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, रेजिलिएंस के अंतिम क्षणों से टेलीमेट्री पर आधारित प्रारंभिक डेटा से पता चलता है कि लैंडर के लेजर रेंजफाइंडर ने जांच की चंद्र सतह से दूरी मापते समय किसी प्रकार की देरी का अनुभव किया।

शादी से पहले फिजिकल होने की सजा 100 कोड़े, इस मुस्लिम देश में कपल के साथ हैवानियत

जकार्ता। दुनिया में इंडोनेशिया एक ऐसी जगह है, जहां युवाओं के लिए काफी सख्त नियम हैं। यहां बनाए नियम कानून इतने सख्त है कि दूसरे देश के लोग इसके बारे में जानकर हैरान रह जाते हैं। इसी देश से एक हैरान करने वाली कहानी लोगों के बीच सामने आई है। इंडोनेशिया में शादी से पहले संबंध करने के आरोप में एक जोड़े को सार्वजनिक रूप से 100 बार कोड़े मारे गए। इस खबर के बाहर आते ही एक बार फिर वहां के शरिया कानून की सख्ती और सार्वजनिक सजाओं को लेकर सारी दुनिया में बहस छिड़ गई है कि कोई कानून इस तरह की सजा आखिर कैसे दे सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये सजा बांदा आचेह शहर के एक पार्क में दर्जनों लोगों को खड़ा करके दी गई। आपको जानकर हैरानी होगी कि पुरुष और महिला को रतन की छड़ी से 10-10 के सेट 10 बार बारी-बारी से कोड़े मारे गए। जहां महिला को महिला द्वारा और पुरुष को पुरुष द्वारा कोड़े मारे गए। ऐसा इसलिए किया गया, जिससे शरिया प्रोटोकॉल का पालन किया जा सके और वहां के लोगों में एक खौफ पैदा हो सके। इस तरह की चीजें यहां करना कितना खतरनाक हो सकता है।

समुद्र के अंदर फोड़ना होगा परमाणु बम, अमेरिकी शोधकर्ता ने दिया हैरान करने वाला प्रस्ताव

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक शोधकर्ता ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और धरती बचाने का एक अजीबोगरीब प्रस्ताव दिया है। माइक्रोसॉफ्ट के कंप्यूटर इंजीनियरिंग के शोधकर्ता एंड्रयू हेवर्ली ने एक स्टडी प्रस्ताव दिया है कि महासागर की सतह के नीचे 81 गीगाटन क्षमता वाला परमाणु बम विस्फोट करके 30 वर्षों के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को सोंखा जा सकता है। इतनी मात्रा में परमाणु विस्फोट का मतलब है कि अब तक के सबसे बड़े परमाणु परीक्षण, जो 1961 में सोवियत संघ ने किया था, वो 50 मेगाटन के जार बोम्बा से 1,600 गुना ज्यादा शक्तिशाली होगा।

रोका जा सकता है 30 साल तक के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को

एंड्रयू हेवर्ली की स्टडी में कहा गया है कि समुद्र के नीचे सही जगह पर धमाका करके, हम मलबा, रेडिएशन और ऊर्जा को सीमित कर सकते हैं। इसके अलावा हम चट्टानों को तेजी से तोड़ सकते हैं, जिससे वायुमंडल में कार्बन की मात्रा को कम किया जा सकता है। उनकी स्टडी में यह भी कहा गया है कि हर साल 36 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड गैस वायुमंडल में छोड़ी जाती है। हेवर्ली का कहना है कि अगर 81 गीगाटन का परमाणु धमाका किया जाए, तो 30 साल तक के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोका जा सकता है। यह धमाका 1961 में सोवियत संघ द्वारा किए गए 'जार बोम्बा' टेस्ट से भी हजार गुना बड़ा होगा।

यह प्रक्रिया 'एन्हांस्ड रॉक वेदरिंग' के रूप में जानी जाती है

हेवर्ली का तर्क है कि इस तरह का विस्फोट महासागर की सतह के नीचे स्थित बेसाल्ट चट्टानों को पाउडर में बदल देगा, जिससे रासायनिक प्रतिक्रियाएं तेज होंगी और वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को स्थायी रूप से चट्टानों में बंद किया जा सकेगा। यह प्रक्रिया 'एन्हांस्ड रॉक वेदरिंग' के रूप में जानी जाती है, जो प्राकृतिक रूप से होती है, लेकिन बहुत धीमी गति से। परमाणु विस्फोट इस प्रक्रिया को अत्यंत तेज कर सकता है। यह पहली बार नहीं है, जब जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए ऐसा अजीब सुझाव दिया गया है। यूके सरकार सूरज की रोशनी को कम करने के लिए 567 करोड़ रुपए (50 मिलियन पाउंड) का प्रयोग करने पर विचार कर रही है।

अस्थायी रूप से सतह के तापमान को कर सकता है कम

एक प्रयोग के दौरान छोटे-छोटे कणों को स्ट्रेटोस्फीयर में छोड़ा जाएगा, ताकि वे सूरज की रोशनी को वापस भेज सकें। इसके अलावा एक और उपाय है समुद्री बादल को चमकाना। इसमें जहाज समुद्र के नमक के कणों को आसमान में स्प्रे करेंगे, ताकि निचले बादलों की चमक बढ़ जाए। अगर यह प्रयोग कामयाब होता है, तो यह अस्थायी रूप से सतह के तापमान को कम कर सकता है, जिससे जलवायु संकट में देरी हो सकती है और वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने के लिए अधिक समय मिल सकता है। मतलब, अगर सूरज की रोशनी कम हो जाएगी, तो धरती कम गर्म होगी और हमें कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए थोड़ा और समय मिल जाएगा।

कम दाम और कम समय में मिलेगी अब वायरस की सटीक जानकारी

गुवाहाटी। कोविड-19 की आई ताजा लहर के बीच एक्टिव मामलों की संख्या 5,000 पहुंच चुकी है। ऐसे में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने कोविड संक्रमण का कारण बनने वाले वायरस सार्स-कोव-2 की मात्रा का सटीक पता लगाने और उसे मापने के लिए एक नया तरीका विकसित किया है।

हाथ लगी बड़ी सफलता

आईआईटी गुवाहाटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर टीवी भरत ने कहा, 'एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां वायरस का पता लगाना रेत में पानी को जमते हुए देखने जितना आसान हो। यह वहीं सफलता है जो हमने हासिल की है। नई तकनीक क्ले का इस्तेमाल करके कोरोना वायरस को जल्दी से पहचानने और उसे मापने के लिए करती है।' बात आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि यह क्ले किस तरह घोल में बैठती है यह देखकर हम पता लगा सकते हैं कि वायरस मौजूद है या नहीं और इसकी मात्रा कितनी है।

बेंटोनाइट मिट्टी का इस्तेमाल

टीम ने बेंटोनाइट मिट्टी का इस्तेमाल किया. इस क्ले को अपनी अनोखी रासायनिक संरचना के कारण प्रदूषकों और भारी धातुओं को अबजॉर्ब करने के लिए जाना जाता है। पिछले कुछ अध्ययनों में ये बात सामने आई है कि क्ले पार्टिकल्स वायरस और बैक्टीरियोफेज के साथ जुड़ सकते हैं, जिससे वायरस का पता लगाने के लिए यह काफी भरोसेमंद साबित हो सकती है।

रिलायंस डिजिटल का 'शॉप एंड विन' रू.30 करोड़ तक के इनाम

मुंबई। इंडिया के लीडिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल अपने आकर्षक शॉप एंड विन अभियान के लॉन्च के साथ आपके शॉपिंग अनुभव को बनाने वाले हैं थोड़ा और मजेदार, यहां आपको मिलेगा एक ऐसा मौका जहां हर खरीदारी पर आप जीतेंगे बड़े इनाम। 31 अगस्त तक, रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, माय जियो स्टोर्स और **reliancedigital.in** पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों को रू. 30 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका मिलेगा: जिसमें 25 कार, 40 बाइक, 450+इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स ,लैपटॉप और वॉशिंग मशीन खरीदने वालों के लिए निश्चित उपहार शामिल हैं। इसके अलावा, 15 जून तक **ICICI** बैंक कार्ड्स का उपयोग करके रू. 15000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठाएं। लैपटॉप खरीदने वालों को रू. 1 करोड़ के प्राइज़ पूल से स्कॉलरशिप जीतने का भी मौका मिलेगा। मौका न चूकें, आज ही शॉपिंग करें और हर खरीदारी को जीत में बदलें।

ताइवान के चाओयांग विश्वविद्यालय से प्रोफेसर अच्युत सामंत को मिली मानद डॉक्टरेट की उपाधि

भुवनेश्वर। शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता और कीट- कीस के संस्थापक प्रोफेसर अच्युत सामंत को ताइवान के चाओयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीडब्ल्यूयूटी) ने मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की है। आज शनिवार को आयोजित विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह में प्रोफेसर अच्युत सामंत को औपचारिक रूप से यह मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई।

गौरतलब है कि यह प्रोफेसर अच्युत सामंत की 68वीं मानद डॉक्टरेट की डिग्री है। प्रोफेसर अच्युत सामंत को शिक्षा के माध्यम से समाज के विकास में उनके उत्कृष्ट व अभूतपूर्व योगदान के लिए इस मानद डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया है। इसके लिए सीडब्ल्यूयूटी की अकादमी परिषद और प्रबंधन बोर्ड ने प्रोफेसर अच्युत सामंत के नाम की अनुशंसा की और सर्वसम्मति से प्रोफेसर अच्युत सामंत को डॉक्टरेट की मानद उपाधि देने का निर्णय लिया। वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान प्रोफेसर अच्युत सामंत ने आभार प्रदर्शन में चाओयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों को एक ओजस्वी भाषण दिया जिसमें उनकी असाधारण कामयाबी का श्रेय उनके पुरुषार्थ, तपस्वी और त्यागमय जीवन को जाता है। सम्मान प्राप्त करते हुए प्रोफेसर सामंत ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया और कहा कि वे पिछले तीन दशकों से अधिक समय से शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अथक परिश्रम कर रहे हैं। यह पुरस्कार भविष्य में उन्हें शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने के लिए और अधिक प्रेरित करेगा, प्रोफेसर अच्युत सामंत ने कहा। इस समारोह में विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ताओ-मिंग चेंग सहित कई गणमान्य मेहमान, विद्वान और छात्र आदि उपस्थित थे।

6 साल की बच्ची के पेट से निकाला 1 मीटर लंबा बालों का गुच्छा

गुना। मध्य प्रदेश के गुना के डॉक्टरों ने एक 6 साल की बच्ची के पेट से 170 वजनी और एक मीटर लम्बा बालों का गुच्छा निकालने का सफल ऑपरेशन किया है। इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक करने वाले डॉ. वायएस रघुवंशी की मानें, तो 6 साल की बच्ची के पेट से बालों का एक मीटर लम्बा गुच्छा निकालने का यह पहला मामला हो सकता है। ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने इस केस को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पीड़ित बच्ची अशोकनगर जिले के ईसागढ़ की रहने वाली है। बच्ची की मां ने बताया कि उनकी बेटी को कुछ दिन पहले अचानक पेट में दर्द की शिकायत हुई। जिसके बाद डॉक्टरों ने जांच शुरू की, तो पता चला कि बच्ची के पेट में बालों का बड़ा गुच्छा खाने की थैली से लेकर छोटी आंत तक फंसा हुआ है।

जिससे बच्ची को काफी तकलीफ हो रही थी। वह लगातार दर्द से परेशान थी। बच्ची के पिता और परिजनों ने गुना आकर डॉ वायएस रघुवंशी से संपर्क किया। डॉ. रघुवंशी और उनकी टीम ने बच्ची की कई जांचें कीं, जिनमें पता चला कि उसके पेट में बालों का बड़ा गुच्छा है, जो भोजन थैली और आंत के बीच फंस चुका है।

इसके बाद बच्ची का सफल ऑपरेशन किया गया और अंततः उसके पेट से 170 ग्राम वजनी और एक मीटर लम्बा बालों का गुच्छा निकाल लिया गया है।

बच्ची को ट्राइकोबेजोअर नामक बीमारी

डॉ. रघुवंशी ने बताया कि बच्ची को असल में ट्राइकोबेजोअर नामक बीमारी है। यह कुछ उसी तरह है, जैसे अधिकांश लोगों को मिट्टी खाने की आदत हो जाती है। लेकिन ,लाखों में एक मामला ऐसा होता है कि कोई व्यक्ति बालों को खाने लगता है। इसे ट्राइकोबेजोअर कहते हैं। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को पता ही नहीं चलता कि कब उसके शरीर के संवेदनशील हिस्सों में बालों का गुच्छा एकत्रित हो रहा है।

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
33 वर्षीय प्राइवेट जॉब बंगाली ब्राह्मण लड़के के लिए बंगाली ब्राह्मण या कायस्थ परिवार की सुन्दर सुशील शिक्षित वधु चाहिए।
सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-
9399715688

आवश्यकता
आवश्यकता है- सीधी भर्ती नौकरी बैंक, एयरपोर्ट पोस्टमैन जिलानुसार लड़के-लड़कियां 8वी- ग्रेजुएट (30500-70500) फीस- 600/- (रहना खाना+ मेडिकल फ्री) आवेदन करें:- 7434907396 (भोपाल/08/मार्च 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वधु चाहिए
42 वर्षीय 5'-10" अविवाहित मांगलिक व्यवसायरत कलार वर हेतु सामान्य परिवार की सजातीय वधु चाहिए
-सम्पर्क करें-
9301260984

बकरीद के लिए बकरा लाए तो पड़ोसी ने कर दिया ये बड़ा कांड

बहराइच । बहराइच से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बकरीद से पहले बकरा ही गायब हो गया। दरअसल, बकरा ईद कुर्बानी के लिए जाना जाता है। ये त्योहार अल्लाह के प्रति गहरे विश्वास और त्याग का प्रतीक है।जिसके चलते मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी हैसियत के हिसाब से बकरे या भेड़ की कुर्बानी कराते हैं। कुछ लोग कुर्बानी के जानवरों को पालते हैं, तो कुछ लोग बकरा ईद से पहले खरीद कर ले आते हैं। इसी वजह से बहराइच के मोहल्ला काजीपुरा के रहने वाले हबीबउल्ला ने कुर्बानी के लिए 18,500 रुपए की कीमत का एक बकरा खरीदा था, जिसकी सेवा पूरा घर मिलकर कर रहा था। लेकिन, बकरीद से पहले उसके साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसकी शिकायत पुलिस से करनी पड़ी। 3 जून की रात को भी बकरे को उसी तरह बांधकर परिवार सोने चला गया। हबीबउल्ला ने कहा कि रात करीब 11:30 बजे छोटा भाई जगा तो देखा दरवाजे पर बकरा नहीं था। उसने घर के लोगों को जगाया और बकरे की खोज शुरू हुई। उसे इधर-उधर खूब ढूंढा गया, लेकिन वो कहीं नहीं दिखा. दूसरे दिन आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई तो लोगों के होश उड़ गए। दूर एक सर्राफा व्यापारी के सीसीटीवी कैमरे में पड़ोस का ही एक शख्स बकरे को ले जाता दिखा. जब उससे घर वालों ने पूछताछ की तो उसने बकरा ले जाने से साफ इनकार कर दिया। हैरान करने वाली बात ये थी कि उसी सीसीटीवी फुटेज में उसे एक शख्स रोककर बकरे के बारे में पूछता दिख रहा है। उस व्यक्ति ने पीड़ित परिवार से आरोपी को बकरे ले जाते हुए देखने की पुष्टि की है।

गिल को लंबे समय तक मिले टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत ने टेस्ट टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपकर सही फैसला किया है और अब इस युवा बल्लेबाज को खुद को साबित करने के लिए लंबे समय तक मौका दिया जाना चाहिए।

पोंटिंग को उम्मीद है कि भारतीय टीम मौजूदा बदलाव के दौर को अन्य देशों की तुलना में बेहतर तरीके से निपट सकती है। भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में नई शुरुआत करेगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

शब्द पहेली - 5891

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5890 का हल

सूडोकू नवताल - 5901

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2						8	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5900 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

MANGAL SENAGHA, BANGALORE

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

{ लाइफस्टाइल
शैलेंद्र सिंह }

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

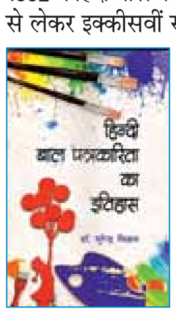

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक**: डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य**: 600 रुपए, **प्रकाशक**: भावना प्रकाशन, दिल्ली

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

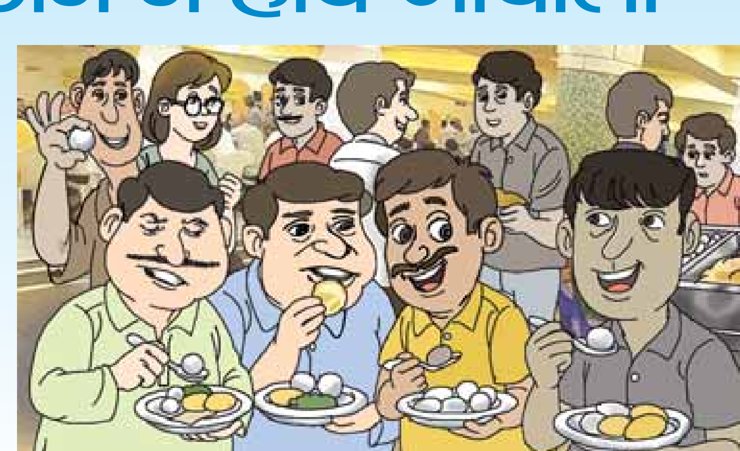

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय टीम, 20 से नए डब्लूटीसी चक्र की शुरुआत

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत करेगी। भारत इस सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उतरेगी जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऋषभ पंत इस सीरीज में उपकप्तान की भूमिका में होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक्स पर वीडियो शेयर किया है जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। उनके साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद हैं।

भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

20 जून से पहला मुकाबला

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरुआत भी हो जाएगी। करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

बीसीसीआई ने इंग्लैंड पहुंचने का जो वीडियो शेयर किया है उसमें खिलाड़ी एक दूसरे के साथ हंसी मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कह रहे हैं, 'रात में बंदे ने चश्मा पहना हुआ है।' वीडियो में गिल भी नजर आए। वहीं, साई सुदर्शन ने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा बनकर उत्सुक हूं।' इसमें पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। मालूम हो कि केएल राहुल, करुण नायर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड पहुंच गए थे और वे इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा ले रहे हैं।

भारत को 18 साल से जीत का इंतजार

गिल नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौती बड़ी है। गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम बदलाव के दौर से गुजरी है और अब उसे नतीजे देने होंगे। रोहित और कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की अनुपस्थिति में इंग्लैंड को उसके घर में हराना आसान नहीं रहने वाला है। इंग्लैंड में भारत के आंकड़े भी इसी बात की गवाही दे रहे हैं। दरअसल, भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या गिल-गंभीर की ये जोड़ी 18 साल का सूखा समाप्त कर पाएगी?

खबर संक्षेप

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप में खेलेगी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम इस साल चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप की तैयारियों के सिलसिले में आठ से 17 जून तक बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के खिलाफ पांच मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां से वह सीधे बेल्जियम के लिए रवाना हो गई थी। भारत यूरोप के अपने दौरे की शुरुआत एंटवर्प के हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज प्लीन में बेल्जियम के खिलाफ तीन मैचों के साथ करेगा।

भारतीय तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन

अंताल्या। भारतीय तीरंदाज यहां विश्व कप के तीसरे चरण से खाली हाथ लौटेंगे जिससे टीम चयन, तैयारी, मानसिक दृढ़ता पर सवाल उठने तय है चूंकि एशियाई खेलों में अब एक साल का ही समय रह गया है। पिछले महीने शंघाई में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा था। लेकिन अंताल्या में तीसरे चरण में रिकर्व और कंपाउंड दोनों वर्गों में निराशा हाथ लगी।

टेनिस : नंबर एक सिनर ने नोवाक को 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया

जोकोविच का सपना टूटा, सिनर-अल्काराज़ में होगा फ्रेंच ओपन का खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ से होगा। सिनर ने पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया हैइस तरह जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार बढ़ गया। यह सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है। सिनर अपना चौथा जबकि अल्काराज़ अपना पांचवा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। सिनर ने कहा, 'हम अपने लिए सर्वश्रेष्ठ मौके बनाते हैं और अब मुझे यह मंच मिला है। अभी मेरे लिए इससे बड़ा कोई और मौका नहीं हो सकता।' जोकोविच पुरुषों के रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं, लेकिन वे कोर्ट फिलिप चैटियर पर सिनर के सटीक और तेज़ फोरहैंड का मुकाबला नहीं कर सके। सिनर ने कहा, 'मैंने मानसिक रूप से वहां बने रहने की कोशिश की और प्रत्येक अंक हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी।'

फिर टूटा जोकोविच का सपना

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन में चौथा और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। बता दें कि सबसे ज्यादा सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब (महिला और पुरुष) जीतने के मामले में जोकोविच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मार्गरेट कोर्ट की बराबरी पर हैं. दोनों ने सबसे ज्यादा संयुक्त रूप से 24 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीते हैं। हालांकि मार्गरेट ने इनमें से 13 खिताब ओपन ऐरा से पहले जीते थे। टेनिस में ओपन ऐरा की शुरुआत साल 1968 में हुई थी। जोकोविच का सपना फ्रेंच ओपन जीतकर मार्गरेट कोर्ट से आगे निकलना था, लेकिन ये सपना उनका फिर टूट चुका है।

जोकोविच का अंतिम फ्रेंच ओपन मैच

जोकोविच हारने के बाद इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि वह दोबारा फ्रेंच ओपन में खेल पाएंगे या नहीं। जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मेरा मतलब है कि यह मेरा यहां खेला गया आखिरी मैच हो सकता था, इसलिए मुझे नहीं पता। इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक था। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था।' जोकोविच ने मैच हारने के बाद अपना हाथ चूमा, फिर उसे मिट्टी पर रख दिया, मानो फ्रेंच ओपन को अलविदा कह रहे हों, जहां वह तीन बार चैंपियन रहे थे। उन्होंने अपना बैग ऊपर खींचा, स्टैंड की तरफ देखा और फिर बाहर चले गए।

सिनर ने रचा इतिहास

सिनर 1968 में शुरू हुए ओपन युग में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1976 के चैंपियन एड्रियानो पनाटा फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले अल्काराज ने जब लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ 4-6 7-6(3) 6-0 2-0 से बढ़त बनाई थी, तब इटली का आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पैर की चोट के कारण मैच से हट गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड ने पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 21 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| चेस्टर ली स्ट्रीट

इंग्लैंड ने टी20 श्रृंखला के पहले मैच में वेस्टइंडीज को 21 रन से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 188 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम नौ विकेट पर 167 रन ही बना सकी।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले जोस बटलर ने अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखी तथा 59 गेंद पर 96 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने 38 और जैकब बैथेल ने नाबाद 23 रन का योगदान दिया। इसके बाद लियाम डॉसन का जादू चला जिन्हें इंग्लैंड ने 35 साल की उम्र में लगभग तीन साल बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया था। उन्होंने 2016 से 2022 तक 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में छह विकेट लिए थे, लेकिन इस मैच में चार ओवर में 20 रन देकर चार विकेट लिए और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

डॉसन ने शीर्ष छह बल्लेबाजों में से चार जॉनसन चार्ल्स, शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेस और रोवमैन पॉवेल को आउट किया। वेस्टइंडीज की तरफ से सलामी बल्लेबाज इविन लुइस ने सर्वाधिक 39 रन बनाए।

लॉर्ड्स ऑस्ट्रेलिया के लिए नई चुनौती

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन का मानना है कि सभी प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अनुभव होने के बावजूद उनकी टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ना एक अलग चुनौती होगी क्योंकि यह मुकाबला ड्यूक गेंद के साथ विदेशी परिस्थितियों में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया 11 जून से लॉर्ड्स में होने वाले डब्लूटीसी फाइनल में गत विजेता के रूप में उतरेगा। उनकी टीम में पिछले डब्लूटीसी फाइनल के अलावा 2015 वनडे विश्व कप, 2021 टी20 विश्व कप और 2023 वनडे विश्व कप जीतने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं।

ताइवान ओपन

भारत को छह स्वर्ण, ज्योति ने बाधा दौड़ में मारी बाजी

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन में शनिवार को महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही और भारत के छह एथलीटों को स्वर्ण पदक मिला। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी याराजी ने 12.99 सेकंड का समय निकाला। जापान की असुका तेराडा (13.04 सेकंड) और चिसातो कियोयामा (13.0 सेकंड) को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला।

याराजी ने 29 मई को दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था जिसमें उन्होंने 12.96 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस सिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ताइवान के सियेह युआन केइ (13.72 सेकंड) को रजत और कुइ रू चेन (13.75) को कांस्य पदक मिला। भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर और अमलान बोरगोहेन) ने 38.75 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वे अपने ही 38.69 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सेकंड के 600वें हिस्से से चूक गए। वे हालांकि टोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मार्क से भी चूक गए। सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 14 देश क्वालीफाई कर चुके हैं और अब दो ही स्थान उपलब्ध हैं।

महिला रिले टीम ने जीता सोना

महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (सुधीक्षा वदलुरी, स्नेहा सत्यनारायण, अबिनाया राजाराजन और नित्या गंधे) ने भी 44.06 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। अब्दुला अबूबाकर और पूजा ने क्रमशः पुरुषों की त्रिकूद और महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। अबूबाकर ने 16 . 21 मीटर की कूद लगाई हालांकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.19 मीटर है। पूजा ने चार मिनट 11.63 सेकंड का समय निकाला।

मेसी निश्चित रूप से करेंगे केरल का दौरा

तिरुवनंतपुरम। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने शनिवार को कहा कि सरकारी की पहले की घोषणा के मुताबिक महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी की अगुआई वाली अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम निश्चित रूप से राज्य का दौरा करेगी। उन्होंने बताया कि प्रायोजक ने इस आयोजन के लिए मैच फीस का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की टीम के इस साल अक्टूबर-नवंबर में आने की अधिक संभावना है। इस दौरे के दौरान टीम को सरकारी मेहमान की सुविधाएं मिलेंगी।

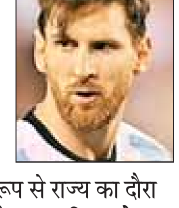

तलवार स्विस चैलेंज में 25वें स्थान पर

ल्यूसर्न। भारत के सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार दूसरे राउंड में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया और वह यहां स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। तलवार ने अपने राउंड की शुरुआत फ्रंट नाइन से की लेकिन उनकी दोनों बर्डी बैक नाइन में आईं। उन्होंने 14वें और 17वें होल में बर्डी बनाई। पहले दो राउंड के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पार है। स्पेन के सैंटियागो टारियो (65-68), इंग्लैंड के क्रिस पैस्ले (70-63), स्वीडन के टोबियास जोनसन (65-68) और अमेरिका के मैट ओशरीन (65-68) दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त पर थे।

गुकेश तीसरे स्थान पर रहे, कार्लसन ने 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| स्टावेंजर

विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना से हारने के कारण नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने यहां रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता। गुकेश ने 2018 के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कारुआना के खिलाफ समय समाप्त होने के कारण एक बड़ी गलती की इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मौका उनके हाथ से निकल गया है।

गत विजेता कार्लसन ने शुक्रवार को 10वें राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाई और इस तरह से खिताब अपने नाम पक्का किया। कारुआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश 14.5 अंकों के साथ तीसरे जबकि एरिगैसी 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। महिला वर्ग मे दो बार की विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन, यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक ने अंतिम राउंड में भारत की आर वैशाली से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारने के बावजूद 16.5 अंकों के साथ खिताब जीता। भारतीय खिलाड़ियों में कोनेरू हम्पी 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही जबकि वैशाली टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने 11 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./21/व.ले. लि./ का.यं. / लो.स्वा.यां./2025 — डिण्डौरी, दिनांक 02.06.2025

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत Repairing & Maintenance Of India Mark-II Hand Pump हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है । https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा । निविदा दिनांक 03.06.2025 को प्रात: 11.00 बजे से दिनांक 17.06.2025 शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है ।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्रं.	ई निविदा क्रं.	नि.सू. क्र.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु. लागत (PAC) (रू.)	धरोहर राशि (PAC) (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (PAC)(रू.में)	रिमार्क
1	2002_PHED _428197_1	21	जिला डिण्डौरी	Repairing & Maintenance Of India Mark-II Hand Pump Including Providing Of H.P. Technician kill, Unskill Labour And Maintenance Vehicle With T&P In All Type Of Required Material Etc. Complete Job. In Block Samnapur Dindori	43.38	50000.00	5000.00	द्वितीय आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
डिण्डौरी (म.प्र.)

G-14006/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यालय प्राचार्य शासकीय संभागीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्था जबलपुर (म.प्र.)

E-mail- jabalpuriti@gmail.com Phone No.- 0761-2641875

क्र./शासंभाऔप्रसं/जबल/प्लेस./2025/2674 — जबलपुर, दिनांक:-. 03.06.2025

शासकीय संभागीय आईटीआई माढ़ोताल जबलपुर में ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल के साथ स्पोक एण्ड हब मॉडल पर बेसिक कम्प्यूटर, बेसिक इलेक्ट्रीशियन, बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स, बेसिक ड्रोन टेक्नीशियन ट्रेड में रोजगारोन्मुखी शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण (01 माह) प्रदाय किया जाना हैं, जिसमें न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण अभ्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रशिक्षणार्थियों को संस्था स्तर का प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा। इच्छुक अभ्यार्थी तालिका में दशाएं गये गये समय चक्र के अनुसार आवेदन कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

क्र.	कोर्स का नाम	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षण शुल्क	रजिस्ट्रेशन हेतु अंतिम तिथि
1	बेसिक कम्प्यूटर	16.06.2025 से 15.07.2025 तक	रुपये 250/-	12 जून 2025
2	बेसिक इलेक्ट्रीशियन	16.06.2025 से 15.07.2025 तक	रुपये 250/-	12 जून 2025
3	बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स	16.06.2025 से 15.07.2025 तक	रुपये 250/-	12 जून 2025
4	बेसिक ड्रोन टेक्नीशियन	16.06.2025 से 15.07.2025 तक	रुपये 250/-	12 जून 2025

उक्त प्रशिक्षण में रजिस्ट्रेशन हेतु अभ्यार्थी संस्था में उपस्थित होकर हेल्पडेस्क से अपना रजिस्ट्रेशन दिनांक 12 जून 2025 तक करवा सकते हैं। प्रशिक्षण हेतु रुपए 250/- शुल्क देय होगा, जो संबंधित प्रशिक्षणार्थियों द्वारा संस्था में जमा करना होगा। प्रशिक्षण संस्था के प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा प्रदान किया जावेगा। साथ ही सॉफ्ट स्किल एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जावेगी।

दस्तावेजों की सूची:- 1. मार्कशीट (8वीं, 10वीं, 12वीं), 2. आधार कार्ड, 3. मूल निवासी सर्टिफिकेट स्थान:- शासकीय संभागीय आईटीआई दमोह रोड चुंगी नाका माढ़ोताल जबलपुर समय:- 9:30 से 5:30 तक।

प्राचार्य
शासकीय संभागीय आईटीआई, जबलपुर (म.प्र.)

G-13993/25 "स्वच्छता ही सेवा"

राज्य सरकार से हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

रेप पीडित बच्ची का गर्भ साढ़े सात माह का कैसे हो गया

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने 14 साल की रेप पीड़िता बच्ची के साढ़े सात माह की गर्भवती होने पर गम्भीरता दर्शाई। जस्टिस दीपक खोत की अवकाशकालीन बेंच ने राज्य सरकार से पूछा कि गर्भ इतना ज़्यादा कैसे बढ़ गया और किसकी लापरवाही से ऐसा हुआ। राज्य सरकार को इस सम्बंध में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए। मामले की अगली सुनवाई 9 जून को होगी।

हाईकोर्ट की 20 फरवरी 2025 को बनाई गई गाइडलाइन के तहत अगर कोई नाबालिग रेप पीड़िता 24 हफ्ते (करीब 6 महीने) से ज्यादा गर्भवती हो, तो गर्भपात के लिए हाईकोर्ट से मार्गदर्शन लेना होगा। यह आदेश सभी जिम्मेदार विभागों को दिया गया था। इसके बाद बालाघाट जिला निवासी बच्ची के गर्भपात की अनुमति के लिए बालाघाट जिले न्यायालय ने हाईकोर्ट को पत्र लिखा था। बेंच ने इस पत्र को याचिका मानकर सुनवाई की।कोर्ट ने कहा कि

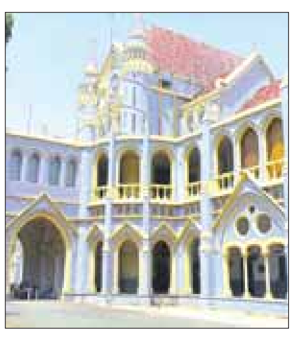

हाईकोर्ट को यह पत्र 26 मई को मिला, लेकिन सिविल सर्जन की रिपोर्ट में यह साफ नहीं है कि रेप की रिपोर्ट थाने में कब दर्ज हुई। यह भी साफ नहीं है कि 20 फरवरी के आदेशों का सही पालन हुआ या नहीं। जबकि बच्ची अब 7 महीने से ज्यादा गर्भवती है।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार बताए कि गर्भपात कराने में इतनी देरी क्यों हुई। किसी न किसी की लापरवाही ज़रूर हुई है, और इसका पता लगाया जाना जरूरी है। रिपोर्ट मिलने के बाद लापरवाही करने वालो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

- पत्नी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका : हाई कोर्ट ने गृह सचिव सहित अन्य से मांगा जवाब

पति पर साढ़े तीन वर्ष की बच्ची को जबरन ले जाने का आरोप

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल व न्यायमूर्ति दीपक खोत की युगलपीठ ने पति पर साढ़े तीन वर्ष की बच्ची को जबरन ले जाने के आरोप के प्रकरण में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन, गृह सचिव, एसपी सतना, थाना प्रभारी सतना कोतवाली सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई नौ जून को नियत की गई है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाकर्ता रीवा रोड, सतना निवासी मेघा की ओर से अधिवक्ता आदित्य पचौरी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पति राहुल बेटी को जबरन अपने साथ ले गया है। सतना पुलिस शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रही। इसीलिए हाई कोर्ट आना पड़ा। 20 मार्च, 2025 को बाजार जाने के दौरान कार में बच्ची बैठी थी। जब दुकान के सामने कार खड़ी की गई, तभी राहुल ने बच्ची को गायब कर दिया। उसे फोन लगाने पर उसने कहा कि बच्ची मेरे साथ है। दरअसल, आपस में तनाव चल रहा है।

रेलवे अस्पताल कर्मी को चेक बाउंस में छह माह का कारावास

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी वंदना सोनी की अदालत ने चेक बाउंस के आरोपित रेलवे अस्पताल कर्मी राजीव गांधी नगर, कटंगा निवासी अंथोनी राजन का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ छह माह के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही दो लाख 18 हजार 355 रुपये का जुर्माना भी लगाया। परिवादी बजरंग कालोनी, सिविल लाइंस निवासी राजेश कुमार दुबे की ओर से दलील दी कि परिवादी वरिष्ठ अभियंता कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे में और आरोपित रेलवे अस्पताल में एचआर के पद पर कार्यरत थे। इसलिए परिचय प्रगाढ़ हो गया। पारिवारिक आवश्यकता के लिए आरोपित ने परिवादी से एक लाख 42 हजार रुपये उधार लिए। 42 हजार नगद दिए गए। जबकि एक लाख का चेक दिया गया। इसके एवज में आरोपित ने पोस्ट डेटेड चेक दिया। उस पर एक लाख 42 हजार की राशि अंकित थी। दोनों के बीच अनुबंध पत्र भी निष्पादित हुआ था। इसके बाद जिस तिथि को जमा करने कहा गया, जमा किया गया। लेकिन खाते में अर्याप्त राशि होने के कारण बाउंस हो गया। लिहाजा, लीगल नोटिस दिया गया। 15 दिवस के भीतर उसका जवाब नहीं आया। लिहाजा, कानूनी कदम उठाना पड़ा।

दिन में गर्मी, रात में उमस कर रही परेशान

तापमान की बढ़त के बीच बादलों की आवाजाही

जबलपुर। अभी गर्मी परेशान कर रही थी। तापमान उछाल मार रहा है। लेकिन इस बीच आसमान पर बार-बार बादल छाने से राहत कम, आफत ज्यादा मिल रही है। तापमान में भी उछाल बरकरार है। लेकिन उमस सौ गुना बढ़ गई है। शनिवार को भी दोपहर में बादल छाए तो शाम को उमस बढ़ गई। मानसून के इंतजार में एक-एक दिन मुश्किल से कट रहे है। शीतल हवाओं और खुशनुमा माहौल के लिये लोग तरस रहे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि उड़ीसा व झारखण्ड और बंगाल की खाड़ी में हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। आसपास के क्षेत्रों बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडौरी और मालवांचल में बारिश के समाचार मिलें है। उम्मीद की जा रही है कि अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर संभाग के जिलों में पानी की बौछारे पड़ सकती हैं। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में अब चक्रवाती हवाओं का घेरा बनना शुरू हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी मध्यप्रदेश में हवा के कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 26.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। सूर्योदय प्रातःकाल 5.24 बजे व सूर्यास्त सायंकाल 6.55 मिनट पर हुआ। हवा में नमीं प्रातःकाल 45 प्रतिशत और सायंकाल 32 प्रतिशत आंकी गई। प्रदेश में सबसे अधिक 40.7 डिग्री तापमान गुना में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 42.08 और न्यूनतम तापमान 29.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उत्तर पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। उड़ीसा, झारखंड के ऊपर कम दबाव का क्षेत्रफल बनने से अगले 24 घंटों के कारण कहीं-कहीं छुटपुट वर्षा हो सकती है।

तिलवारा में नहाते समय डूबे युवक की मौत

जबलपुर। नर्मदा नदी के तिलवारा तट पर नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि युवक नहाते समय गहरे पानी में चला गया वहां अन्य लोग भी नहा रहे थे लोगों ने बचाने की कोशिश की लेकिन उसे बचाने में असफल रहे। लोगों ने पानी से बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के संबंध में तिलवारा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस तिलवारा घाट में बहुत सारे लोग नहा रहे थे। उसी दौरान एक युवक पानी में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त बीजाडांडी निवासी 20 वर्षीय दिपेश नरेती के रूप में हुई जो यहां शास्त्रीनगर में रहकर एक जिम में काम करता था पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

पन्ना से गांजे की खेप लेकर आए मां बेटे बस स्टेंड में पकड़ाए

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत दीनदयाल चौक के पास बस स्टेंड रोड पर गत सुबह पन्ना से यहां गांजे की तस्करी करने पहुंचे आरोपी मां बेटे को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनके पास से 9 किलो 294 ग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 85 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि वे जबलपुर में किन-किन लोगों को गांजा की सप्लाई करने वाले थे। माढ़ोताल थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि गत प्रभात गश्त के दौरान दीनदयाल चौक के पास बस स्टेंड रोड पर गांजा लेकर घूम रहे वार्ड नंबर 5 पन्ना मार्ग थाना देवेंद्र नगर जिला पन्ना निवासी 45 वर्षीय मंगला देवी सिसोदिया और 24 वर्षीय राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मां बेटे के कब्जे से 9 किलो 294 ग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 85 हजार रूपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

पति, सास, ससुर पर आत्महत्या प्रेरण का मामला

प्रताड़ित युवती ने छत से कूदकर की खुदकुशी

हरिभूमि जबलपुर।

गढ़ा थाना अतंर्गत ब्रिजपुरी पचमठा मंदिर के पास गढ़ा में छत से गिरने के कारण एक महिला की मौत हो गई। बताया गया है कि पति, सास और ससुर की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने छत से कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

नगर पुलिस अधीक्षक गढ़ा एचआर पांडे ने बताया कि गत दिवस बी 9 ब्रिजपुरी पचमठा मंदिर के पास गढ़ा निवासी 27 वर्षीय श्रीमति अनमोल क्षत्री को छत से गिरने के कारण पति विपुल आहुजा द्वारा जबलपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान सुबह लगभग 10.15 बजे श्रीमति अनमोल क्षत्री की मौत हो गई। पुलिस द्वारा जांच के दौरान मृतिका के पिता भाटापारा जिला बलौदा बाजार छत्तीसगढ़ निवासी मुरलीधर क्षत्री, मां भावना क्षत्री, भाई भावेश क्षत्री के बयान लिए गए, जिसमें यह बात सामने आई कि 7 दिसंबर 2021 को उन्होंने अपने बेटी अनमोल क्षत्री की शादी पचमठा गढ़ा निवासी विपुल आहूजा से की थी। दामाद विपुल आहूजा द्वारा अपने नये काम को पुनः चालू करने के लिये बार बार अनमोल को पैसे लाने के लिए प्रताड़ित किया जाता था। पिछले चार सालों में यथा सम्भव मदद भी की उसके बाद भी पति सास कांची आहूजा , ससुर गिरीश आहूजा द्वारा प्रताड़ति किया जाता था। विपुल अक्सर उसके साथ मारपीट कर कमरे में बंद कर खाना पीना भी नहीं देता था। इसी प्रताड़ना से तंग आकर अनमोल ने छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने जांच के बाद पति विपुल आहूजा, सास कांची आहूजा, ससुर गिरीश आहूजा के विरूद्ध धारा 80, 85, 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

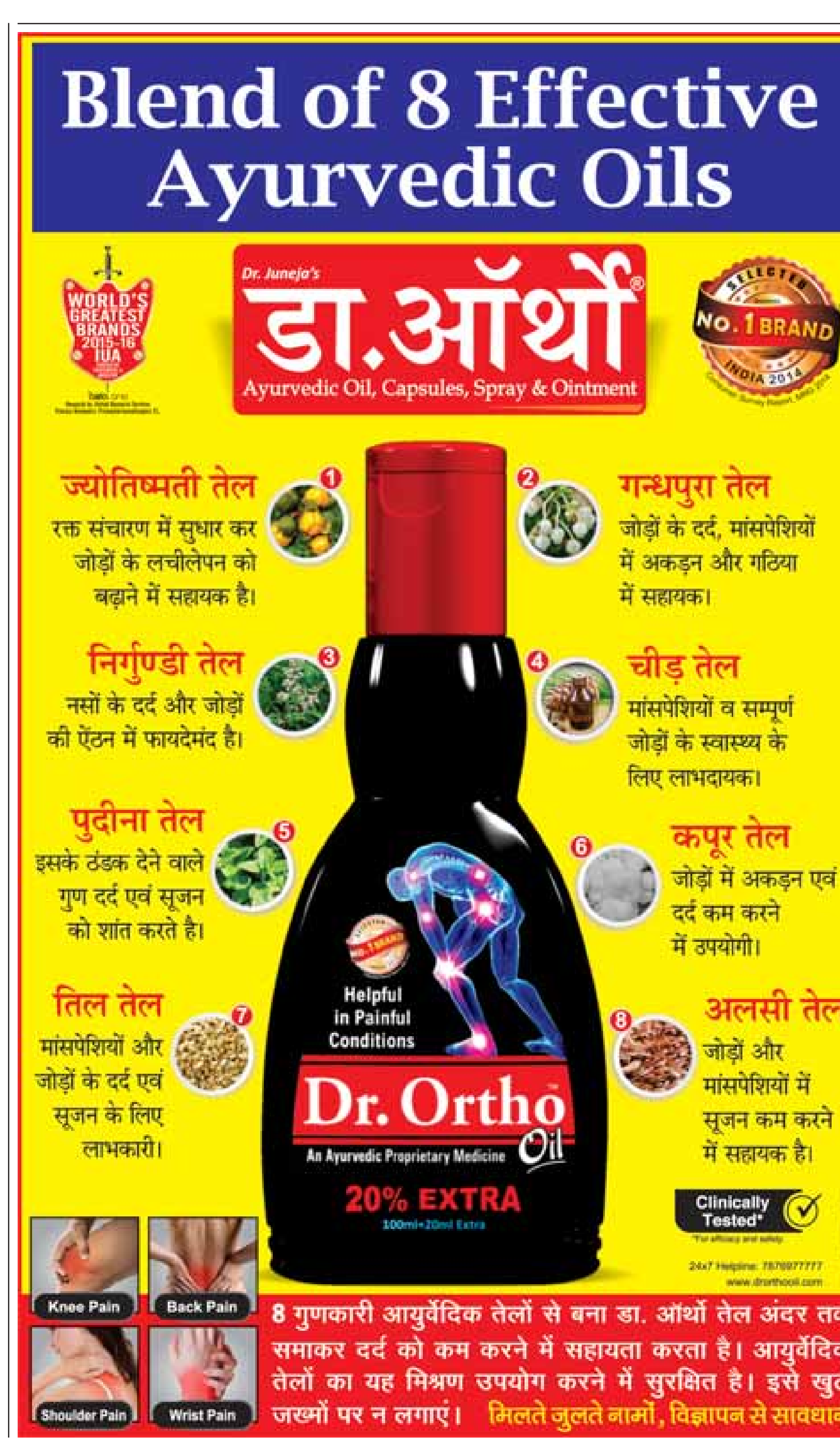

सेना में भर्ती का बजा बिगुल बजा

अग्निवीर परीक्षा की तारीखों का हुआ ऐलान

जबलपुर। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा की तारीख घोषित हो गई है। लिखित परीक्षा 30 जून से शुरू होगी और 10 जुलाई तक चलेगी। सेना ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए अब लिखित परीक्षा पहले होगी। लिखित

परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षा में शामिल होंगे। इस साल पिछले तीन साल में सबसे ज्यादा आवेदन अग्निवीर भर्ती के लिए आए हैं। जुलाई के आखिरी सप्ताह तक परीक्षा परिणाम जारी होगा। इसके बाद अगस्त से अक्टूबर के बीच शारीरिक परीक्षा होगी। इस साल दिसंबर तक चयनित अभ्यर्थी ट्रेनिंग पर रवाना हो जाएंगे। लिखित परीक्षा में सबसे ज्यादा भिंड, मुरैना और ग्वालियर के अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि सबसे कम अभ्यर्थी श्योपुर जिले के हैं।

अभ्यर्थियों को 15 जून के बाद जारी होंगे प्रवेश पत्र

लिखित परीक्षा की तारीख की घोषणा हो गई है। अब परीक्षा केंद्र तय होने के बाद प्रवेश पत्र जारी होंगे। सेना के अधिकारियों ने बताया कि 15 जून के बाद ही प्रवेश पत्र जारी होंगे। अभ्यर्थियों को ई-मेल के जरिए प्रवेश पत्र भेजे जाएंगे। साथ ही भारतीय सेना की वेबसाइट पर भी प्रवेश पत्र अपलोड किए जाएंगे।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट दे सकते हैं अभ्यर्थी

अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट की सुविधा भारतीय सेना की वेबसाइट पर है। ज्वॉइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर मॉक टेस्ट और ऑनलाइन टाइपिंग टेस्ट दिया जा सकता है। इससे अभ्यर्थियों को परीक्षा का अनुभव हो सकेगा। निर्धारित अवधि में प्रश्न पत्र हल करने की प्रैक्टिस की जा सकती है।

बेटी की विदा कराकर लौट रहे थे गांव के लोग

छोटा हाथी वाहन पलटने से 32 घायल

हरिभूमि जबलपुर।

कुण्डम थानान्तर्गत ग्राम जमगांव में बेटी की बिदा कराने के बाद लौट रहे एक एक छोटा हाथी वाहन पलटने से उसमें सवार 32 लोग घायल हो गये। घायलों में 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। कुण्डम पुलिस थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अण्ढार निवासी किसान ज्ञान सिंह मरकाम की लड़की रजनी की शादी मनेरी के पास ताकवेली में हुई है जिसकी बिदा कराने के लिये सोमसिंह ने गांव वालो को बुलाया और ग्राम ताकवेली छोटा हाथी क्रमांक एमपी 20 जेड पी 8154 में 32 लोग बैठकर ग्राम अण्ढार से मनेरी ताकवेली जा रहे थे जैसे ग्राम जमगांव के आगे पुलिया के पास दोपहर लगभग 2 बजे पहुँचे कि ऑटो क्रमांक एमपी20 जेडपी 8154 के चालक ने तेज गति लापरवाही पूर्वक चलाकर रोड किनारे पलटा दिया जिससे उसके बाये गाल में बाये कोहनी में दाहिने पैर की एड़ी में तथा ऑटो में बैठे सोमवती को बाये कधे सीने में कलाई में,. लक्ष्मी बाई को बांये कंधे हाथ में सिर में, अमर सिंह को दाहिने हाथ पीट बायें घुटने में, सम्पत सिंह को सिर में दोनों हाथ की कोहनी में, निरपत सिह को सिर में दाहिने हाथ की उंगली में, जयंती बाई को सीने में अंदरूनी चोटे हैं, छोटेलाल भवेदी को बाये तरफ कमर में जांध में, पुनिया बाई को बांये हाथ की कलाई में सिर में, गोलू मरकाम को कमर में बाये हाथ की कोहनी में, सिंगरो बाई को बाये तरफ सिर में कंधे में, सरिता बाई को बायी कनपटी में सिर में कंधे में दाहिने बाये हाथ की कलाई में, पान बाई को बाये हाथ के कंध में, नेहा मरकाम को दाहिने हाथ की कोहनी सिर में, मूलचंद मरावी को बाये हाथ की अंगूली मुंह चेहरे में, ललिता बाई को दाये तरफ सिर में दाहिने हाथ की कलाई में, ज्योति भवेदी को दाहिने हाथ को कोहनी कलाई सिर में, कमला बाई को बाये हाथ और सिर में, तुलसीराम को बाये आंख सिर में, घुटने में, शरीर में, प्रियंका मरावी दाहिने हाथा, बाये हाथ की कोहनी सिर में कमर मे, नान बाई मरकाम को दाहिने हाथ की कोहनी में सिर में पीट में, कल्लू मरकाम सिर में दाहिने पैर की एडी में सीने में दोनों हाथ की कोहनी में, . लाल मेन को सिर में, दुजिया बाई मरावी को सिर में दोनों तरफ, दाहिने हाथ के पंजे में आंख में, तितरा परस्ते को सिर में, मैकी बाई मरकाम को सीने में सिर में दोनों हाथ के पंजे में, सुनीता बाई मरावी को पेट में बाये हाथ की कोहनी, माया मार्को को सिर में दोनों हाथ की कोहनी में पीट में, रामचरण मरकाम को बाये पीट में एवं राम बाई, नरमी मरावी, मैकू मरकाम को शरीर में चोटे आ गयी, गांव के लोगों की भीड़ का फायदा उठा कर वाहन चालक ऑटो को छोड़कर भाग गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए कुण्डम अस्पताल पहुंचाया। रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240